सूर्योदय दि. 16-12-2021
दिल्ली स्टै. टा.
सूर्यास्त दि.30-17/33 दि.5 -17/37

अधिकतम तापमान 11.1°
न्यूनतम तापमान 22.1°

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
RNI No.DELHIN/2015/66886

ओपन सर्च

E-mail | opensearchdelhi@gmail.com
Facebook | https://www.facebook.com/opensearch.co.in
Website | www.opensearch.co.in

हरनाज संधू को स्टेज पर बनना...पृष्ठ-8

वर्ष : 06 अंक : 257 | नई दिल्ली, गुरूवार 16 दिसंबर-2021 | नई दिल्ली, बिहार, उत्तर प्रदेश और हरियाणा से प्रसारित | ₹ मूल्य : 02 रूपए | पृष्ठ : 08

ओमिक्रोन के बढ़ते खतरे के मद्देनजर, केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव की राज्यों के साथ बैठक

राजेश भूषण ने राज्यों के साथ बैठक कर अस्पतालों में लगाए जा रहे आक्सीजन उत्पादन संयंत्रों, उसके स्टोरेज और आपूर्ति व्यवस्था की समीक्षा की

नई दिल्ली.एजेंसी

ओमिक्रोन वैरिएंट के बढ़ते मामलों के बीच केंद्र सरकार ने सभी राज्यों को इस महीने के अंत तक आक्सीजन संयंत्रों और उससे संबंधित प्रणाली का माक ड्रिल कर उसकी रिपोर्ट देने को कहा है। स्वास्थ्य मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि तीसरी लहर की आशंका को देखते हुए सरकार यह सुनिश्चित करना चाहती है कि देश के सभी आक्सीजन उत्पादन संयंत्र, आक्सीजन स्टोरेज, आक्सीजन आपूर्ति प्रणाली और आक्सीजन कंसंट्रेटर चालू स्थिति में हो।

इसके साथ ही इन्हें चलाने के लिए कर्मचारियों के लिए जरूरी प्रशिक्षण का काम भी इस महीने के अंत तक पूरा करने को कहा गया है। गौरतलब है कि दूसरी लहर के दौरान आक्सीजन की भारी कमी सामने आई थी। साथ ही प्रशिक्षित कर्मचारियों के अभाव में आक्सीजन कंसंट्रेटर होते हुए भी उनका का इस्तेमाल नहीं किया जा सका था। केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव राजेश भूषण ने राज्यों के साथ बैठक कर अस्पतालों में लगाए जा रहे आक्सीजन उत्पादन संयंत्रों, उसके स्टोरेज और आपूर्ति व्यवस्था की समीक्षा की। आक्सीजन सप्लाई से

स्वास्थ्य मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि तीसरी लहर की आशंका को देखते हुए सरकार यह सुनिश्चित करना चाहती है कि देश के सभी आक्सीजन उत्पादन संयंत्र, आक्सीजन स्टोरेज, आक्सीजन आपूर्ति प्रणाली और आक्सीजन कंसंट्रेटर चालू स्थिति में हो। इसके साथ ही इन्हें चलाने के लिए कर्मचारियों के लिए जरूरी प्रशिक्षण का काम भी इस महीने के अंत तक पूरा करने को कहा गया है।

संबंधित उपकरणों की सप्लाई के बावजूद कई राज्यों में जिला अस्पतालों में उनके नहीं पहुंचने पर नाराजगी जताई।

उन्होंने राज्यों को इसकी कड़ाई से निगरानी और सभी जिलों में आक्सीजन उपकरणों को इस महीने तक चालू हालात में लाने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार इन उपकरणों के चालू स्थिति में होने की जांच के लिए माक ड्रिल करें और उसकी रिपोर्ट संबंधित पोर्टल पर तत्काल अपलोड करें। दरअसल पीएम केयर फंड व अन्य स्त्रोतों से राज्यों में कुल 3,783 मीट्रिक टन क्षमता के 3,236 आक्सीजन उत्पादन प्लांट स्थापित किए जा रहे हैं। इसके साथ ही राज्यों को पीएम केयर फंड से एक लाख 14 हजार आक्सीजन कंसंट्रेटर भी दिए गए हैं। इसके अलावा 1,374 अस्पतालों में मेडिकल गैस पाइपलाइन सप्लाई सिस्टम भी लगाए जा रहे हैं और लिक्विड आक्सीजन को रखने के लिए 958 स्टोरेज टैंक भी बनाए गए हैं। भूषण ने साफ किया कि ये सभी उपकरण 31 दिसंबर के पहले चालू स्थिति में होने चाहिए। इनके चालू स्थिति में होने की रिपोर्ट पोर्टल पर अपलोड होने के बाद उनकी आनलाइन निगरानी की जाएगी।

इस संबंध में कोई भी दिक्कत आने की स्थिति में राज्यों को सीधे एचएलएल इंफ्राटेक सर्विसेज, डीआरडीओ और सेंट्रल मेडिकल सर्विसेज सोसाइटी से संपर्क करने के लिए कहा गया है। हाल ही में केंद्र सरकार ने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को निर्देश दिया था कि वे संक्रमण के इलाज में इस्तेमाल होने वाली आठ महत्वपूर्ण दवाओं का पर्याप्त भंडारण सुनिश्चित करें साथ ही टीकाकरण पर विशेष फोकस करें।

केंद्र ने राज्यों को अस्पतालों की तैयारियों की समीक्षा करने को भी कहा था। सरकार ने राज्यों से कहा था कि यह सुनिश्चित कर लें कि सभी अस्पतालों में पीएसए संयंत्र, वेंटिलेटर और आक्सीजन कंसंट्रेटर का परिचालन सुचारू रूप से हो रहा है या नहीं। स्वास्थ्य मंत्रालय ने राज्यों से नाराजगी जताते हुए कहा था कि इस बात को जानकर हैरानी होती है कि केंद्र की ओर से दिए गए कई वेंटिलेटरों की अभी पैकिंग तक नहीं खोली गई है। यही नहीं कई वेंटिलेटरों का इस्तेमाल तक नहीं किया गया है।

दुश्मन को इस पार ही नहीं, हम उस पार भी जाकर मार सकते हैं : राजनाथ सिंह

सिंह ने कहा कि पहले अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत की बात को गंभीरता से नहीं लिया जाता था

देहरादून.एजेंसी

देश के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बुधवार को उत्तराखंड के देहरादून में सैन्य धाम पर शहीदों के घर के आंगन की मिट्टी को अपने माथे से लगाने के बाद जनसभा को सम्बोधित करते हुए कहा कि पड़ोसी देश कुछ न कुछ नापाक हरकतें करता रहता है। हम दुश्मन को इस पार ही नहीं, उस पार भी जाकर मार सकते हैं। श्री सिंह ने कहा कि पहले अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत की बात को गंभीरता से नहीं लिया जाता था, अब लिया जाता है। उन्होंने कहा कि नेपाल से हमारे रोटी बेटी के रिश्ते हैं।

सांस्कृतिक रिश्ते हैं। उन्होंने कहा कि कुछ ताकतें ऐसी हैं जो इस रिश्ते को खराब करना चाहती है। भले ही हमें शीश झुकाना पड़े, लेकिन अपने पड़ोसी नेपाल से रिश्ते को टूटने नहीं दिया जाएगा। रक्षा मंत्री ने कहा कि तिब्बत से भी हमारे रिश्ते बेहतर रहे हैं। 16 दिसंबर 1971 को हमारे सैनिकों के पराक्रम की वजह से पड़ोसी मुल्क के सैनिकों ने आत्मसमर्पण किया था। भारत अब और मजबूत बन रहा है। अगर हमारे देश की तरफ कोई आंख उठाने की कोशिश करेगा तो हम मुंह तोड़ जवाब देंगे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रक्षा मामले में भी भारत को आत्मनिर्भर बनाने का काम किया। आज हम दुनिया के 72 देशों को सैन्य सामान निर्यात कर रहे हैं। पहले हम 65 से 70 फीसदी सैन्य सामान दूसरे देशों से आयात करते थे, लेकिन अब स्थिति बदल गयी है और हम सामान एवं उपकरण यहीं बनाते हैं। उन्होंने कहा कि हम देहरादून से नाइट विजन डिवाइस अगले साल तक दुनिया को निर्यात करना शुरू करेंगे। श्री सिंह ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की सराहना करते हुए कहा कि जब पिछली बार मैं आया था तो मैंने कहा था कि श्री धामी धाकड़ बल्लेबाज हैं। अब मैं यह कह सकता हूं कि वह धाकड़ बल्लेबाज होने के साथ ही तेज गेंदबाज भी हैं। 2024 में उत्तराखंड की स्थापना के 25 साल पूरे होंगे। तब ऐसे हालात होने चाहिए कि विकास का जश्न भी हम मना सकें। रक्षा मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री ने गति शक्ति मास्टर प्लान का उद्घाटन किया है, जिसकी लागत 100 लाख करोड़ है। इससे देश में इंफ्रास्ट्रक्चर मजबूत हो सकेगा।

उन्होंने कहा कि पिछले पांच साल में उत्तराखंड में विकास हुआ है, इसे कोई नकार नहीं सकता। आज सबसे बड़ी चुनौती कनेक्टिविटी की समस्या थी। रेल, रोड और हवाई कनेक्टिविटी की दिशा में काम हुआ है। उन्होंने कहा कि ऑल वेदर रोड पर जो रुकावट थी, अब दूर हो गई है। ऑल वेदर रोड गढ़वाल और कुमाऊं को और करीब लाएगी।

'आध्यात्मिक दृष्टि से कनेक्टिविटी मजबूत हुई है। मैं उत्तराखंड सरकार को बधाई देता हूँ। पहले पूर्व मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत और अब मुख्यमंत्री धामी ने सराहनीय काम किया है। ऑल वेदर रोड का सामरिक दृष्टि से भी बहुत महत्व है।'

एक नज़र

आंध्र प्रदेश के पश्चिमी गोदावरी जिले में बड़ा हादसा

अमरावती (एजेंसी) आंध्र प्रदेश के पश्चिमी गोदावरी जिले के जंगारेड्डीगुडेम में बुधवार को एक बड़ा हादसा हुआ, लोगों से भारी हुई एक बस नाले में गिर गई है, यह घटना बहुत ही भयावह तरह से घटी है, जिसमें 9 लोगों की मौत हो गई और 22 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। एसपी राहुल देव शर्मा ने दुर्घटना की जानकारी देते हुए बताया कि बस में कुल 47 यात्री सवार थे। घटना के तुरंत बाद घायलों को अस्पताल में भर्ती करा दिया गया है। आंध्र प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम की बस के पश्चिम गोदावरी जिले में जंगारेड्डीगुडेम के पास एक नाले में गिर जाने से उसमें सवार नौ लोगों की मौत हो गई। बस में कुल 45 यात्री और दो चालक दल मौजूद थे। दुर्घटना इतनी खतरनाक हुई थी कि मौके पर ही 9 लोगों ने दम तोड़ दिया, जबकि घायल हुए कम से कम 12 अन्य यात्रियों को आनन-फानन में जंगारेड्डीगुडेम के क्षेत्रीय अस्पताल में भर्ती कराया गया, बताया गया है कि एक अन्य व्यक्ति की हालत नाजुक है और उसे एलुरु के जिला मुख्यालय अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

लगातार चौथे दिन बाजार पर बिकवाली जारी

मुंबई (एजेंसी) वैश्विक बाजार के कमजोर संकेतों के साथ ही घरेलू स्तर पर टेक, आईटी, रियलटी, धातु जैसे समूहों में हुयी बिकवाली के कारण आज लगातार चौथे दिन शेयर बाजार गिरावट लेकर बंद हुये। बीएसई का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 329.06 अंक गिरकर 57788.03 अंक पर और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 103.50 अंक गिरकर 17221.40 अंक पर रहा। बीएसई में छोटी और मझौली कंपनियों में भी बिकवाली हुयी जिससे मिडकैप 0.59 प्रतिशत उतरकर 25327.12 अंक पर और स्मॉलकैप 0.35 प्रतिशत उतरकर 29244.83 अंक पर रहा। बीएसई में कुल 3454 कंपनियों में कारोबार हुआ जिसमें से 1665 बढ़त और 1681 गिरावट में रहे जबकि 108 में कोई बदलाव नहीं हुआ।

बीएसई में ऑटो 0.50 प्रतिशत और सीडी 0.09 प्रतिशत की बढ़त को छोड़कर शेष सभी समूह गिरावट में रहे जिसमें रियलटी 1.78 प्रतिशत, टेक 1.10 प्रतिशत, आईटी 1.03 प्रतिशत, टेलीकॉम 1.01 प्रतिशत और धातु 1.02 प्रतिशत प्रमुखता से शामिल है।

आंध्र सड़क हादसे में 9 की मौत, 9 घायल, मृतकों के परिजनों को मिलेंगे 5-5 लाख रु

एलुरु (एजेंसी)

आंध्र प्रदेश के पश्चिम गोदावरी जिले के जंगारेड्डीगुडेम में बुधवार को हुई भीषण सड़क दुर्घटना में राज्य पथ परिवहन निगम (एपीएसआरटीसी) की बस के जलेरू नाले में गिरने से नौ यात्रियों की मौत हो गई और नौ अन्य घायल हो गए। पुलिस ने कहा

कि अश्वरावपेट से जंगारेड्डीगुडेम जा रही बस में 40 से अधिक यात्री सवार थे। पुलिस के मुताबिक बस रेलिंग से टकराने के बाद पुल से 30 फुट ऊंचाई से नाले में जा गिरी, जिसके कारण यह हादसा हुआ। पास के मछुआरों और राहगीरों ने कुछ यात्रियों को बचाया लेकिन तब तक पांच महिलाओं सहित नौ यात्रियों की मौत हो चुकी थी। मृतकों में बस चालक चिन्ना राव भी शामिल है। सभी शवों को दुर्घटनाग्रस्त बस से बाहर निकाल लिया गया। अब तक चार यात्रियों की पहचान चिन्ना राव, पी दुर्गा, वरलक्ष्मी और ए मधुबाबू के रूप में हुई है। घायल लोगों को जंगारेड्डीगुडेम के सरकारी सामान्य अस्पताल (जीजीएच) में स्थानांतरित कर दिया गया है। आरटीसी अधिकारियों ने कहा कि दुर्घटना के कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है। इस बीच, मुख्यमंत्री वाई एस जगन मोहन रेड्डी ने नौ आरटीसी बस यात्रियों की मौत पर दुख व्यक्त किया। उन्होंने मृतकों के परिजनों को पांच-पांच लाख रुपये सहायता राशि देने की घोषणा की है। श्री रेड्डी ने पश्चिम गोदावरी जिला कलेक्टर से बात की और घायलों को बेहतर उपचार प्रदान करने के लिए कदम उठाने का निर्देश दिया। आंध्र प्रदेश के राज्यपाल बिस्वा भूषण हरिचंदन ने पश्चिम गोदावरी जिले के जंगारेड्डीगुडेम मंडल में जलेरू के पास बस दुर्घटना पर गहरा दुख ०यक्त किया जिसमें चालक सहित नौ यात्रियों की जान चली गई।

डॉ. मनोज वाजपेयी बने जन अधिकार पार्टी लोकतांत्रिक बुद्धिजीवी प्रकोष्ठ के अध्यक्ष

- पप्पू यादव ने कहा कि बुद्रिजीवी वर्ग देश की दिशा व दशा तय करने वाला होता है।
- प्रबुद्ध का मौन धारण करना किसी भी राष्ट्र के लिए शुभ नहीं होता। उन्होंने कहा की जनअधिकार पार्टी सेवादारी की राजनीति करती है।

ओपन सर्च ब्यूरो

पटना। जन अधिकार पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव ने जानेमाने शिक्षाविद मनोज वाजपेयी को पार्टी के बुद्धिजीवी प्रकोष्ठ का अध्यक्ष मनोनीत किया गया है।

पप्पू यादव ने कहा कि बुद्धिजीवी वर्ग देश की दिशा व दशा तय करने वाला होता है। प्रबुद्ध का मौन धारण करना किसी भी राष्ट्र के लिए शुभ नहीं होता। उन्होंने कहा की जनअधिकार पार्टी सेवादारी की राजनीति करती है। मुझे उम्मीद है कि मनोज वाजपेयी अपने दायित्वों का निर्वहन करते हुए पार्टी के नीति, सिद्धांत और कार्यो को देश के बुद्धिजीवियों के बीच ले जाएंगे। जाप राष्ट्रीय महासचिव राजेश रंजन पप्पू ने बताया कि डॉ मनोज ने देश के विभिन्न संस्थानों में अपना योगदान दिया हैं.आज देश के किसान और नौजवान सड़कों पर है इस समय समाज वास्तव में भयानक मुसीबतों से घिरा हुआ है। इस कारण आज बुद्धिजीवियों को आगे आने की जरूरत है.मनोज वाजपेयी ने कहा कि जन अधिकार पार्टी ने मुझे जो जिम्मेदारी दी है मैं उसे बेहतर तरीके से निभाने की पूरी कोशिश करूंगा।

ग्रुप कैप्टन वरुण सिंह का निधन

नई दिल्ली.एजेंसी

कन्नूर हेलीकॉप्टर दुर्घटना में मृत वायु सेना के ग्रुप कैप्टन वरुण सिंह जांबाज तथा कुशल पायलट थे और उनके साहस तथा प्रतिबद्धता के चलते उन्हें शौर्य चक्र से सम्मानित किया गया था। ग्रुप कैप्टन सिंह गत 8 दिसम्बर को प्रमुख रक्षा अध्यक्ष जनरल बिपिन रावत और 12 अन्य लोगों के साथ उस हेलिकॉप्टर में सवार थे जो कन्नूर के निकट दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। इस हादसे में 13 लोगों की मौत हो गयी थी और केवल ग्रुप कैप्टन सिंह ही जीवित बचे थे। उन्हें बेंगलुरू के कमान अस्पताल में भर्ती कराया गया था जहां उन्होंने करीब एक सप्ताह तक मौत से संघर्ष करते हुए बुधवार को अंतिम सांस ली। ग्रुप कैप्टन सिंह भोपाल से संबंध रखते थे और वर्ष 2003 में राष्ट्रीय रक्षा अकादमी से प्रशिक्षण के बाद वह वायु सेना में शामिल हुए थे। वर्ष 2004 में उन्हें फाइटर पायलट के रूप में कमीशन मिला और अपने कैरियर के दौरान उन्होंने मुख्य रूप से जगुआर तथा तेजस लड़ाकू विमान उडाये। बाद में वह टेस्ट पायलट बनें और 15 अगस्त 2021 को उन्हें शौर्य चक्र से सम्मानित किया गया। उन्हें यह सम्मान वर्ष 2020 में एक तेजस विमान को आपात स्थिति में सुरक्षित रनवे पर उताने के लिए दिया गया। इस हादसे से पहले वह रक्षा सेवा स्टाफ कालेज में इन्सट्रक्टर थे। उनके परिवार में पत्नी, एक बेटा और बेटी है। राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह, रक्षामंत्री राजनाथ सिंह और सूचना प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर ने उनके निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है।

राष्ट्रपति कोविंद तीन दिवसीय बंगलादेश यात्रा पर ढाका पहुंचे,शहीद स्मारक पर दी श्रद्धांजलि

ढाका.एजेंसी

भारत के राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद बुधवार को बंगलादेश की तीन दिवसीय यात्रा पर ढाका पहुंचे और उन्होंने राष्ट्रीय शहीद स्मारक पर जाकर शहीदों को श्रद्धांजलि अपर्ति की और फिर इसके बाद बंगबंधु स्मारक संग्रहालय पहुंचकर श्री शेख मुजीबुर रहमान को श्रद्धांजलि दी।

श्री कोविंद यहां मुक्ति संग्राम में बंगलादेश की जीत की स्वर्ण जयंती और मुजीब वर्ष की समाप्ति के उपलक्ष्य में आयोजित होने वाले समारोहों में भाग लेंगे। राष्ट्रपति एयर इंडिया की उड़ान एआई1 से पूर्वाह्न 11:10 बजे ढाका के हजरत शाहजलाल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुंचे। यहां पर उनका बंगलादेश के राष्ट्रपति मोहम्मद अब्दुल हमीद ने गर्मजोशी से स्वागत किया। राष्ट्रपति के साथ उनकी पत्नी और बेटी, शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान, दो सांसद और विदेश सचिव भी हैं। बंगलादेश के विदेश मंत्री ए के अब्दुल मोमेन ने कहा कि यह भारतीय राष्ट्रपति कोविंद की पहली बंगलादेश यात्रा है। श्री कोविंद ने सबसे पहले सावर में राष्ट्रीय शहीद स्मारक पर जाकर शहीदों को श्रद्धांजलि अपर्ति की और इसके बाद वह श्री शेख मुजीबुर रहमान को श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए बंगबंधु स्मारक संग्रहालय गये, जहां उन्होंने उनको श्रद्धांजलि अर्पित की। इस वर्ष की शुरुआत में भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की यात्रा का उल्लेख करते हुए श्री मोमेन ने कहा, भारत के राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री का एक ही वर्ष में एक पड़ोसी देश की यात्रा करना इतिहास में यह दुर्लभ है। उनकी यात्राएं दोनों देशों के बीच दोस्ती का प्रतिबिंब करती हैं। वहीं भारतीय विदेश मंत्रालय के अनुसार इस ऐतिहासिक अवसर पर राष्ट्रपति कोविंद का दौरा उच्च प्राथमिकता द्योतक है। यह दोनों देश के द्विपक्षीय संबंधों को और प्रगाढ बनायेगा। विदेश मंत्रालय ने कहा, यह ऐतिहासिक और सांस्कृतिक संबंधों, आपसी विश्वास और समझ के आधार पर बहुआयामी और अपरिवर्तनीय साझेदारी को और मजबूत करने तथा दोनों देशों के बीच प्रगाढ़ रिश्तों की पुष्टि करता है। राष्ट्रपति कोविंद आज बंगलादेश के राष्ट्रपति हमीद के साथ एक प्रतिनिधिमंडल स्तर की बैठक करेंगे। इसके बाद बंगलादेश के राष्ट्रपति हामिद आज शाम को बंगभवन में प्रधानमंत्री शेख हसीना के साथ श्री कोविंद के सम्मान में आयोजित भोज की मेजबानी करेंगे। राष्ट्रपित कोविंद के सम्मान में बंगभवन में सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन किया जाएगा। श्री कोविंद गुरुवार को अतिथि के तौर पर राष्ट्रीय परेड ग्राउंड में बंगलादेश के विजय दिवस समारोह की स्वर्ण जयंती में भाग लेंगे। इसके बाद वह गुरुवार को अपराह्न में बंगलादेश के राष्ट्रपिता को श्रद्धांजलि अपर्पित करने के लिए संसद भवन के साउथ प्लाजा में समारोह ग्रेट विक्ट्री हीरोज में भाग लेंगे।

इस मौके पर बंगलादेश के राष्ट्रपति हमीद और प्रधानमंत्री शेख हसीना, संसद अध्यक्ष और अन्य गणमान्य इस अवसर पर उपस्थित रहेंगे। राष्ट्रपति कोविंद अपनी तीन दिवसीय यात्रा के अंतिम दिन भारत रवाना होने से पहले रमना काली मंदिर के नवनिर्मित खंड का उद्घाटन करेंगे। वहां मंदिर समिति के सदस्यों से बातचीत के बाद श्री कोविंद अपराह्न में दिल्ली के लिए रवाना हो जाएंगे।

बच्ची से दुष्कर्म और हत्या के दोषी का मृत्युदंड सुप्रीम कोर्ट ने उम्रकैद में बदला

नई दिल्ली (एजेंसी) वर्ष 2016 में तीन साल की बच्ची से दुष्कर्म करके उसकी हत्या करने के एक दोषी लोचन श्रीवास के मृत्युदंड को सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को उम्रकैद में तब्दील कर दिया। जस्टिस एल. नागेश्वर राव, जस्टिस बी.आर. गवई और जस्टिस बी.वी. नागरत्ना की पीठ ने छत्तीसगढ़ निवासी लोचन की याचिका पर यह आदेश दिया।

ट्रायल कोर्ट ने उसे मृत्युदंड दिया था और छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट ने उसे बरकरार रखा था। शीर्ष अदालत ने कहा कि ट्रायल जज ने 17 जून, 2016 को दोषी ठहराने का आदेश सुनाया था और उसी दिन मृत्युदंड भी सुना दिया था। पीठ ने कहा, दोषी कोई कुख्यात अपराधी नहीं था। इसलिए यह नहीं कहा जा सकता कि अपीलकर्ता के सुधार और पुनर्वास की कोई संभावना नहीं है। ट्रायल कोर्ट और हाई कोर्ट ने सिर्फ अपराध पर विचार किया, लेकिन अपराधी, उसकी मानसिक स्थिति, उसकी सामाजिक-आर्थिक पृष्ठभूमि इत्यादि पर विचार नहीं किया।

एक नज़र

सीएम योगी आदित्यनाथ ने यूपी नंबर वन, सुझाव आपका, संकल्प हमारा अभियान का किया शुभारंभ

लखनऊ (एजेंसी) उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए भारतीय जनता पार्टी जनता के सुझावों पर अपना संकल्प पत्र (घोषणा पत्र) तैयार करेगी। इसके लिए यूपी नंबर 1 : सुझाव आपका, संकल्प हमारा अभियान चलाया जाएगा। इस अभियान का शुभारंभ बुधवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान से किया। भाजपा का यह अभियान जनता से जुड़ने के लिए है। पार्टी का दावा है कि यह सबसे बड़ा संकल्प पत्र अभियान होगा। भाजपा के प्रदेश महामंत्री अश्वनी त्यागी ने बताया कि भाजपा की डबल इंजन सरकार द्वारा अगले पांच वर्षों में उत्तर प्रदेश को हर क्षेत्र में देश का अग्रणी राज्य बनाने का संकल्प लिया गया है।

इसी विजन के साथ प्रदेशवासियों से उनकी अपेक्षाएं, आकांक्षाएं और सुझाव विभिन्न माध्यमों से एकत्रित किए जाएंगे। आकांक्षा पेटी के माध्यम से समाज के सभी वर्गों से उनके सुझाव लेने के लिए विधानसभा स्तर तक कार्यकर्ता जाएंगे। संकल्प पत्र अभियान के दौरान प्रदेश के सभी प्रमुख महानगरों में संकल्प पत्र समिति के सदस्यों द्वारा विभिन्न सामाजिक व व्यावसायिक संगठनों के साथ संवाद कर उनके सुझाव एकत्रित किए जाएंगे। वेबसाइट, ई-मेल और मिस्ड काल के माध्यम से भी लोगों के सुझाव लिए जाएंगे। उन्हीं के आधार पर 2022 के विधानसभा चुनाव का संकल्प पत्र जारी किया जाएगा। कार्यक्रम में प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह, उपमुख्यमंत्री डा. केशव प्रसाद मौर्य, डा. दिनेश शर्मा, संकल्प पत्र समिति के अध्यक्ष व संसदीय कार्यमंत्री सुरेश खन्ना और अन्य सदस्य शामिल होंगे।

आगरा के पूर्व विधायक भगवान सिंह कुशवाह हुए भाजपाई, लखनऊ में ली पार्टी की सदस्यता

आगरा (एजेंसी) विधानसभा चुनाव का बिगुल अभी बजा नहीं है, लेकिन रणबांकुरे अपने-अपने खेमे तलाशने में जुट गए हैं। खेरागढ़ विधानसभा क्षेत्र का दो बार प्रतिनिधित्व कर चुके पूर्व विधायक भगवान सिंह कुशवाह ने बुधवार को लखनऊ में भाजपा का दामन थाम लिया है। वे लंबे समय से पार्टी के संपर्क में थे। पूर्व विधायक भगवान सिंह कुशवाह लंबे समय से भाजपा के संपर्क में थे। गत माह भी उनकी पार्टी की सदस्यता लेने की खबरें चर्चा में आई थीं, लेकिन बात कहीं अटकी हुई थी।

पूर्व विधायक कुशवाह ने खेरागढ़ सीट से वर्ष 2007 और 2012 में बसपा से जीत दर्ज की है। इसके बाद वे बसपा से किनारा करने कर दूसरे दलों में प्रयास करते रहे थे। पिछले दिनों पीएल पैलेस में आधा दर्जन से अधिक पूर्व विधायक कांग्रेस की सदस्यता लेने के लिए जुटे थे, लेकिन उसके बाद भगवान सिंह कुशवाह ने इससे इन्कार किया था। सूत्रों के अनुसार पूर्व विधायक भगवान सिंह कुशवाह खेरागढ़ सीट पर दावेदारी कर रहे हैं। खेरागढ़ विधानसभा सीट भाजपा के कब्जे में है और महेश गोयल यहां से विधायक है। पूर्व विधायक कुशवाह भी इसी सीट से अपनी दावेदारी कर रहे हैं।

बरेली के क्रिटिकल बूथों पर कड़ी सुरक्षा में होगा मतदान, प्रशासन ने तैयारी कर शासन को भेजी रिपोर्ट

बरेली (एजेंसी) विधानसभा चुनाव 2022 कराने की तैयारियां जिला प्रशासन ने तेज कर दी हैं। जिले में संवेदनशील मतदान केंद्रों को चिह्नित कर लिया गया है। वहां सकुशल मतदान कराने के लिए खाका तैयार किया जा रहा है। जिला निर्वाचन कार्यालय ने चिह्नित क्रिटिकल बूथों के साथ ही 12 बिंदुओं पर विस्तृत रिपोर्ट शासन को भेज दी है। भारत निर्वाचन आयोग सभी जिलों की चुनाव की तैयारियों को बारीकी से परख रहा है।

बीते दिनों आयोग ने सभी जिलों से 12 बिंदुओं पर विस्तृत सूचना मांगी थी। इसके साथ ही अपराधों की स्थिति और संवेदनशील व अतिसंवेदनशील मतदान केंद्रों की जानकारी देने को कहा था। उन्होंने पूछा था कि जिले में कितने पोलिंग स्टेशन हैं, कितने मतदाता केंद्र बनाए गए हैं। यहां मतदाताओं की संख्या कितनी है। किस लिंग के कितने मतदाता है। हथियार जमा कराए जा रहे हैं, आपराधिक प्रवृति के लोगों पर कार्रवाई हो रही है या नही। मतदान केंद्रों पर पानी, शौचालय, यातायात आदि की व्यवस्था क्या है।

इसके साथ ही यहां संवेदनशील और अतिसंवेदनशील बूथों के बारे में जानकारी देने को भी कहा था। इस पर जिला प्रशासन की ओर से सूचनाएं आयोग को भेज दी गई है। जिले में इस बार 1359 संवेदनशील मतदान केंद्र चिह्नित किए गए हैं। इसके लिए विगत वर्षों में चुनाव के दौरान हुई हिंसा, दोबारा मतदान, मिश्रित आबादी, 75 प्रतिशत मत एक ही प्रत्याशी के पक्ष में जाना आदि आधार बनाए गए हैं। एडीएम प्रशासन वीके सिंह ने बताया कि संवेदनशील और अतिसंवेदनशील बूथों को फिलहाल क्रिटिकल बूथ की श्रेणी में ही रखा गया है। अंतिम सूची आब्जर्वर तय करेंगे।

लखनऊ में दारोगा ने तोड़ा शिक्षक अभ्यर्थी का मोबाइल, पुलिस कमिश्नर ने किया नया गिफ्ट

लखनऊ (एजेंसी) मांगों को लेकर विधानभवन का घेराव करने जा रहे शिक्षक अभ्यर्थी अभय श्रीवास्तव का मोबाइल छीनकर फेंकने के मामले में छितवापुर चौकी प्रभारी सुभाष सिंह को पुलिस कमिश्नर डीके ठाकुर ने मंगलवार को लाइन हाजिर कर दिया। इतना ही नहीं पुलिस कमिश्नर ने एक नया मोबाइल खरीदकर अभ्यर्थी को अपने कैंप आफिस में बुलाकर भेंट भी किया। सोमवार को शिक्षक भर्ती अभ्यर्थी मांगों को लेकर चारबाग से विधानभवन की ओर प्रदर्शन करने जा रहे थे।

पुलिस बल उन्हें रोकने के लिए लगा दिया गया पर किसी से अभद्रता न करने के निर्देश उच्चाधिकारियों ने दिए थे। इसके बाद भी हुसैनगंज थाने की छितवापुर चौकी प्रभारी सुभाष सिंह ने प्रदर्शन में शामिल संतकबीरनगर के अभय श्रीवास्तव समेत अन्य अभ्यर्थियों को रोका और अभद्रता करने लगे। इस पर अभय ने मोबाइल से चौकी प्रभारी का वीडियो बनाने का प्रयास किया। इस पर चौकी प्रभारी भड़क गए और उन्होंने धक्का मुक्की करते हुए अभय का मोबाइल छीनकर सड़क पर पटक दिया। जिससे अभय का मोबाइल टूट गया। चौकी प्रभारी की अभद्रता का वीडियो कुछ लोगों ने इंटरनेट मीडिया पर वायरल कर दिया

बागपत में कहासुनी पर घर में घुसकर मारपीट, शिकायत पर पथराव व फायरिंग, महिला समेत छह घायल

बागपत (एजेंसी) बच्चों की कहासुनी पर सांकरौद गांव में एक पक्ष ने घर में घुसकर हमला किया। पीड़ित शिकायत कर वापस लौटा तो आरोपित पक्ष से डेढ दर्जन लोगों ने फायरिंग व मकान पर पथराव किया। घटना में महिला समेत छह लोग घायल हुए। मुस्तकीम पुत्र फराकत ने बताया कि मंगलवार शाम उसके व इरफान के बच्चे गली में खेल रहे थे। खेलते हुए बच्चों में किसी बात पर कहासुनी हो गई। बच्चे घर लौट गए तो कुछ देर बाद इरफान पक्ष से छह लोगों ने घर में घुसकर सभी के साथ मारपीट की।

इसमें मुस्तकीम, मां इस्लामन व बेटे गुलफाम को चोट ली। वह कोतवाली पर शिकायत कर घर लौटे। तभी आरोपित पक्ष से करीब डेढ दर्जन लोगों ने धारदार हथियार से फिर घर में घुसकर हमला कर दिया। जैसे तैसे उन्होंने दरवाजा बंद कर खुद को बचाया तो आरोपित पक्ष से कई राउंड फायरिंग की। आरोपित ने घर पर पथराव किया। पथराव में साहिस्ता, लाली व मुन्ना को भी चोट लगी। सूचना पाकर अगर पुलिस मौके पर नहीं पहुंचती तो बड़ी घटना भी हो सकती थी। पीड़ित ने आठ नामजद व 10 अज्ञात के विरुद्ध तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने घायलों का सीएचसी पर इलाज कराया।

यूपी के प्राइवेट मेडिकल कालेजों में एमबीबीएस कोर्स हुआ महंगा, अधिकतम शुल्क तय, देखें पूरी लिस्ट

लखनऊ (एजेंसी) उत्तर प्रदेश में 25 प्राइवेट मेडिकल कालेजों में एमबीबीएस कोर्स का शैक्षिक सत्र 2021-22 का शुल्क तय कर दिया गया है। एमबीबीएस कोर्स का अधिकतम शुल्क 13.73 लाख रुपये और न्यूनतम शुल्क 10.77 लाख रुपये निर्धारित किया गया है। चिकित्सा शिक्षा विभाग की फीस नियमन कमेटी की सिफारिश पर इन कालेजों में अधिकतम 1.18 लाख रुपये से लेकर न्यूनतम 19 हजार रुपये तक फीस बढ़ोतरी की गई है। हालांकि हास्टल की फीस नहीं बढ़ाई गई है।

एसी कमरे का वार्षिक शुल्क 1.75 लाख और नान एसी कमरे का 1.50 लाख रुपये लिया जाएगा। राम मूर्ति स्मारक इंस्टीट्यूट, बरेली का शुल्क 12.74 लाख रुपये से बढ़ाकर 13.73 लाख रुपये कर दिया गया है। इसमें करीब 1.01 लाख रुपये की बढ़ोतरी की गई है। इसी तरह नेशनल कैपिटल रीजन इंस्टीट्यूट आफ मेडिकल साइंसेज, मेरठ की फीस 11.72 लाख रुपये से बढ़ाकर 12.90 लाख रुपये कर दिया गया है। इस संस्थान की फीस 1.18 लाख रुपये बढ़ाई गई है। इसी तरह सुभारती मेडिकल कालेज, मेरठ की फीस 11.31 लाख से बढ़ाकर 11.85 लाख रुपये, स्कूल आफ मेडिकल साइंसेज एंड रिसर्च सेंटर, नोएडा की 11.79 लाख से बढ़ाकर 12.69 लाख रुपये, हिंद इंस्टीट्यूट मेडिकल साइंसेज, बाराबंकी की फीस 11.30 लाख से बढ़ाकर 11.70 लाख रुपये, मुजफ्फर नगर मेडिकल कालेज, मुजफ्फर नगर की फीस 12.31 लाख से बढ़ाकर 12.80 लाख रुपये, सरस्वती इंस्टीट्यूट आफ मेडिकल कालेज, हापुड़ की फीस 11.05 लाख से बढ़ाकर 11.81 लाख रुपये, रुहेलखंड मेडिकल कालेज एंड हास्पिटल बरेली की फीस 12.26 लाख से 13 लाख रुपये तय की गई है। इसी प्रकार

हैरिटेज इंस्टीट्यूट आफ मेडिकल साइंसेज, वाराणसी का शुल्क 12.62 लाख से बढ़ाकर 13.21 लाख रुपये, रामा मेडिकल कालेज एंड हास्पिटल कानपुर की फीस 12.30 लाख से बढ़ाकर 12.66 लाख, हिंद इंस्टीट्यूट मेडिकल साइंसेज की फीस 10.44 लाख से बढ़ाकर 10.77 लाख, मेयो इंस्टीट्यूट आफ मेडिकल साइंसेज बाराबंकी की फीस 10.67 लाख से बढ़ाकर 11.21 लाख रुपये, केडी मेडिकल कालेज हास्पिटल एंड रिसर्च सेंटर, मथुरा की फीस 11.68 लाख से बढ़ाकर 12.28 लाख, राजश्री मेडिकल कालेज एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट बरेली 11.75 लाख से बढ़ाकर 12.28 लाख रुपये तय की गई है। राम मेडिकल कालेज हास्पिटल एंड रिसर्च सेंटर हापुड़ की 12.54 लाख से बढ़ाकर 13.09 लाख रुपये, प्रसाद इंस्टीट्यूट आफ मेडिकल साइंसेज लखनऊ की 10.84 लाख से बढ़ाकर 11.03 लाख रुपये, टीएस मिश्रा मेडिकल कालेज एंड हास्पिटल लखनऊ की 12.66 लाख से बढ़ाकर 12.99 लाख रुपये, नोएडा इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट आफ मेडिकल साइंसेज गौतमबुद्ध नगर की 11.92 लाख से बढ़ाकर 11.56 लाख रुपये, जीएस मेडिकल कालेज एंड हास्पिटल हापुड़ की 11.30 लाख रुपये से बढ़ाकर 11.78 लाख रुपये, सरस्वती मेडिकल कालेज उन्नाव की 11.34 लाख से बढ़ाकर 11.59 लाख रुपये तय की गई है।

यूनाइटेड इंस्टीट्यूट आफ मेडिकल साइंसेज प्रयागराज की फीस 11.56 लाख से बढ़ाकर 11.90 लाख रुपये, कृष्ण मोहन मेडिकल कालेज एंड हास्पिटल मथुरा की 11.34 लाख से 11.73 लाख रुपये, श्री वेंकटेश्वरा इंस्टीट्यूट आफ मेडिकल साइंसेज अमरोहा की फीस 10.83 लाख से बढ़ाकर 11.10 लाख रुपये कर दी गई है। वरूणार्जुन मेडिकल कालेज एंड रुहेलखंड हास्पिटल शाहजहांपुर की फीस नहीं बढ़ाई गई है, यह बीते साल की तरह ही 12.10 लाख रुपये है।

वहीं नारायना मेडिकल कालेज एंड रिसर्च सेंटर इस वर्ष नया मेडिकल कालेज है और इसकी फीस 12.14 लाख रुपये वार्षिक तय की गई है। बीडीएस कोर्स की 19 में से 13 संस्थानों ने नहीं बढ़ाई फीस = बीडीएस कोर्स चलाने वाले 19 डेंटल कालेजों में से 13 डेंटल कालेजों ने फीस नहीं बढ़ाई है। छह डेंटल कालेजों ने अलग-अलग 20 हजार से लेकर 48 हजार रुपये तक फीस बढ़ाई है।

यूपी चुनाव से पहले नोएडा में बदलने लगा नेताओं का चोला, कई बड़े नेता दलबदल की तैयारी में

सपा, बसपा व रालोद ने भी कई नेताओं को अपने खेमे में शामिल कर राजनीतिक हलचल पैदा कर दी है। सूत्रों की मानें तो जिले के कई और बड़े नेता पाला बदलने की तैयारी में हैं।

नोएडा (एजेंसी) उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2022 की आहट से जिले में सियासी पारा चढ़ने लगा है। जनवरी में चुनाव की घोषणा हो जाएगी। इससे पहले ही राजनीतिक दल एक-दूसरे को पटखनी देने में जुटे हैं। भाजपा ने सपा और बसपा में सेंधमारी कर कई नेताओं को अपने पाले में मिला लिया है।

इनमें पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कद्दावर नेता व पूर्व मंत्री नरेंद्र भाटी भी शामिल हैं। सपा, बसपा व रालोद ने भी कई नेताओं को अपने खेमे में शामिल कर राजनीतिक हलचल पैदा कर दी है। सूत्रों की मानें तो जिले के कई और बड़े नेता पाला बदलने की तैयारी में हैं। इनमें पूर्व विधायक समीर भाटी व पूर्व विधान परिषद सदस्य अनिल अवाना के भाजपा में जाने की चर्चा है, जबकि एक पूर्व जिला पंचायत चेयरमैन, बड़े दल से लोकसभा चुनाव लड़ चुके एक नेता सपा में शामिल हो सकते हैं। भाजपा ने नरेंद्र भाटी के अलावा बार एसोसिएशन के अध्यक्ष मनोज भाटी, कुलदीप प्रधान व मनवीर नागर को भी अपने खेमे में शामिल कर पार्टी को मजबूती दी है। कांग्रेस पार्टी इस मामले में अभी पीछे है।

दूसरे दल के किसी बड़े नेता को खींचने में कामयाब नहीं हो पाई है। कांग्रेस के नोएडा के पूर्व महानगर अध्यक्ष कृपाराम शर्मा पार्टी छोड़कर बसपा का दामन थाम चुके हैं। सूत्रों के अनुसार कृपाराम शर्मा को बसपा नोएडा विधानसभा से चुनाव मैदान में उतार सकती है। सपा भी नोएडा से ब्राह्मण चेहरे को मैदान में उतारने की तैयारी में है। फेडरेशन आफ नोएडा रेजिडेंस वेलफेयर एसोसिएशंस (फोनरवा) के अध्यक्ष योगेंद्र शर्मा दो दिन पहले सपा में शामिल हुए थे। जिला पंचायत सदस्य सुनील भाटी, पूर्व जिला पंचायत सदस्य संजय भाटी, भाजयुमो के पूर्व अध्यक्ष अतुल शर्मा, बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष प्रमेंद्र भाटी, बसपा के वरिष्ठ नेता संजीव त्यागी, बसपा के पूर्व जिलाध्यक्ष राकेश गौतम भी सपा का दामन थाम चुके हैं।

वहीं, बसपा के वरिष्ठ नेता व बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष इंद्रवीर भाटी रालोद में शामिल हो चुके हैं। रालोद-सपा गठबंधन से उनके जेवर सीट से चुनाव लड़ने की चर्चाएं हैं। इंद्रवीर भाटी दादरी से बसपा के टिकट पर चुनाव भी लड़ चके हैं। उनके पिता पूर्व मंत्री तेज सिंह भाटी दादरी से तीन बार विधायक रह चुके हैं। रालोद-सपा गठबंधन से फरीदाबाद के पूर्व सांसद अवतार सिंह भड़ाना के भी रालोद में शामिल होने की चर्चा है। वह भी रालोद-सपा गठबंधन से जेवर सीट से टिकट की कतार में है। सूत्रों के अनुसार जिले में एक नेता के साथ करीब एक दर्जन अन्य नेता भी भाजपा में जाने की तैयारी में है। उन्हें भाजपा की तरफ से हरी झंडी का इंतजार है। हाईकमान की मंजूरी मिलते ही उनकी भाजपा एंट्री हो जाएगी।

यूपी चुनाव : काशी के वैभव हर बूथ तक पहुंचाएगी भाजपा, संगठन बना रहा कार्यक्रमों की रूपरेखा

लखनऊ (एजेंसी) उत्तर प्रदेश के विधानसभा चुनाव की परीक्षा में योगी आदित्यनाथ सरकार भ्रष्टाचार पर जीरो टालरेंस, माफियाराज का खात्मा और विकास की बड़ी-बड़ी परियोजनाओं के मुद्दे के साथ जा रही है, लेकिन सांस्कृतिक राष्ट्रवाद की धारा को भी समानांतर तेज किया जा रहा है। राम मंदिर निर्माण के साथ संवर रही अयोध्या भारतीय जनता पार्टी के सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के एजेंडे का झंडा ऊंचा कर रही है तो अब काशी के कायाकल्प की कहानी भी जन-जन तक पहुंचाने के जतन शुरू हो गए हैं। श्री काशी विश्वनाथ धाम कारिडोर के लोकार्पण का सीधा प्रसारण मठ-मंदिरों करा चुका भाजपा संगठन ऐसे कार्यक्रमों की रूपरेखा बना रहा है, जिनसे उत्तर प्रदेश के प्रत्येक बूथ तक काशी के वैभव का संदेश पहुंचे।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एजेंडे में धर्मनगरियों का विकास शुरू से ही रहा। अयोध्या का चौतरफा विकास चल रहा है। इस बीच श्री काशी विश्वनाथ धाम कारिडोर का कायाकल्प हो चुका, जिसका लोकार्पण सोमवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने किया। आस्था और विकास के इस संयुक्त माडल की झांकी भाजपा ने प्रदेश के हर शक्ति केंद्र (सेक्टर) के मठ-मंदिरों में दिखाई। शाम को दीपोत्सव भी कराया। अब भाजपा संगठन के रणनीतिकारों ने तय किया है कि काशी के विकास का यह उत्सव मकर संक्रांति तक मनाया जाएगा। प्रयास यह है कि विधानसभा चुनाव से पहले हर बूथ क्षेत्र में यह संदेश जाए कि मोदी-योगी सरकार ने अयोध्या और काशी के विकास के अपने वादे को पूरा किया है। इसके लिए कार्यक्रमों की रूपरेखा बनाई जा रही है, जिनमें पार्टी के सभी जनप्रतिनिधियों को लगाया जाएगा।

मेरठ की आशियाना कॉलोनी में दस साल से चल रही असलाह फैक्ट्री पकड़ी, छह आरोपित गिरफ्तार

मेरठ (एजेंसी) लिसाड़ी गेट की आशियाना कॉलोनी में पिछले 10 सालों से असलाह फैक्ट्री चल रही थी। पुलिस को इसकी कोई भनक नहीं लगी। क्राइम ब्रांच की टीम ने फैक्ट्री संचालित कर रहे छह लोगों को गिरफ्तार कर भारी मात्रा में असला बरामद किया है।

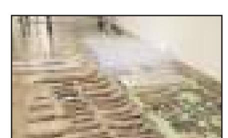

विधानसभा चुनाव के मद्देनजर फैक्ट्री में हथियार तैयार की जा रहे थे। क्राइम ब्रांच की टीम और लिसाड़ी गेट पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए बुधवार को लिसाड़ी गेट की आशियाना कॉलोनी में राशिद और इरशाद के घर के अंदर पिछले 10 सालों से चल रही असला फैक्ट्री पकड़ी है।

फैक्ट्री के अंदर भारी मात्रा में पिस्टल तमंचे और बंदूक बरामद की गई है। साथ ही हथियार बनाने के उपकरण भी पुलिस ने कब्जे में ले लिया है। बताया जा रहा है कि राशिद और इरशाद पिछले 10 सालों से फैक्ट्री संचालित कर रहे थे। उसके बाद भी पुलिस को इसकी भनक तक नहीं लगी। आज तक दोनों आरोपित कभी जेल भी नहीं गए हैं। बताया जाता है कि पिछले चुनाव और लोकसभा चुनाव में भी भारी मात्रा में असलाह सप्लाई कर चुके हैं। इस विधानसभा चुनाव में भी असलाह खरीदारी के काफी आर्डर आए हुए थे। पुलिस ने राशिद और इरशाद समेत छह आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया है। मौके से कुछ रिकॉर्ड भी पुलिस ने कब्जे में लिया है। जिसमें सामने आ रहा है कि हथियार सप्लाई किस किसको दी जा रही थी। बताया जा रहा है कि प्रदेश के अलावा भी कई अन्य राज्यों में हथियारों की सप्लाई दे रहे थे।

जो इंसान अच्छे स्वास्थ्य का आनंद लेता है वही है सबसे बड़ा अमीर आदमी

ओपन सर्च.संवाददाता

गाजियाबाद। स्वास्थ्य और भलाई के सतत विकास लक्ष्य 2030 के एसडीजी 3 के लक्ष्य को ध्यान में रखकर इंदिरापुरम पब्लिक स्कूल, इंदिरापुरम द्वारा एक हेल्थ एंड वेलबिंग फॉर ऑल सिरीज़ का मंगलवार को विधिवत उद्घाटन किया गया। बता दें कि एसडीजी 3 का उद्देश्य अच्छा स्वास्थ्य और जीवनस्तर है जिसका लक्ष्य सभी को स्वस्थ जीवन देना और सभी के जीवनस्तर में सुधार लाना है। इस सिरीज़ के प्रथम कार्यक्रम के रूप में गत 15 दिसंबर को यशोदा सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल, कौशाम्बी के सहयोग से प्रथम निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया।

इंदिरापुरम पब्लिक स्कूल ग्रुप की डायरेक्टर श्रीमती रीता सिंह ने यशोदा हॉस्पिटल कौशाम्बी के कॉर्पोरेट रिलेशन्स एवं जनसम्पर्क विभाग के प्रमुख गौरव पांडेय के साथ फीता काट कर स्वास्थ्य शिविर का उद्घाटन किया। इस मौके पर श्रीमती रीता सिंह ने बताया कि सहस्राब्दि विकास लक्ष्य (एमडीजी) 2015 में समाप्त हो गए थे। इसलिए इन विकास लक्ष्यों के स्थान पर सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) को आगे बढ़ाने और सबको एक साथ मिलकर इसे हासिल करने का फैसला संयुक्त राष्ट्र शिखर सम्मेलन में लिया गया था और अगले 15 साल के लिए 17 लक्ष्य तय किये गये थे, जिनको 2016 से 2030 की अवधि में हासिल करने का निर्णय लिया गया था। इस बैठक में 193 देशों ने भाग लिया था। इस संयुक्त राष्ट्र शिखर सम्मेलन की थीम ट्रांस्फोर्मिंग आवर वर्ल्ड~द 2030 एजेंडा फ़ॉर सस्टेनेबल डेवलपमेंट थी। स्कूल की प्रधानाचार्या श्रीमती सोनल रावत ने कहा कि उन्हीं लक्ष्यों की प्राप्ति करने में अपना सहयोग देने का बीड़ा अब इंदिरापुरम पब्लिक स्कूल ने उठाया है और इसी क्रम में आज का शिविर हमारा पहला प्रयास है और यह विद्यालय परिवार की सेहत को महत्व देने की एक नई पहल है। इस स्वास्थ्य जाँच शिविर में जनरल फिजिशियन डॉ आशीष, स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ पूजा, फिजियोथेरेपिस्ट डॉ शहाना, आहार विशेषज्ञ ज्योति ने कैंप में आये 100 से भी ज्यादा शिक्षकों और कर्मचारियों को निःशुल्क स्वास्थ्य परामर्श दिया। साथ-साथ रक्त शर्करा परीक्षण, रक्तचाप, बी एम् आई जांच भी निःशुल्क उपलब्ध कराए गए। उपस्थित डॉक्टरों ने जाँच उपरांत सभी को सही खान-पान, नियमित व्यायाम और जीवनशैली में बदलाव करने की सलाह दी।

उद्घाटन समारोह का संचालन करती हुई विद्यालय की श्रीमती नंदिता बासु ने कहा कि जो इंसान अच्छे स्वास्थ्य का आनंद लेता है वही सबसे बड़ा अमीर आदमी है ,भले ही यह बात वो जानता है पर मानता नहीं है । डायरेक्टर एवं प्रिंसिपल द्वारा कैंप में सभी डॉक्टरों एवं स्टाफ को इनडोर प्लांट का एक गमला दे कर उनका अभिनन्दन किया गया।

यूपी विधानसभा में लखीमपुर कांड पर हंगामा, धरने पर बैठे सपा व कांग्रेस के विधायक, सदन कल तक के लिए स्थगित

लखनऊ (एजेंसी) उत्तर प्रदेश विधानमंडल का शीतकालीन सत्र बुधवार को प्रारंभ हो गया। इस तीन दिवसीय सत्र के पहले दिन विधानसभा में सदन के पूर्व अध्यक्ष व सत्रहवीं विधानसभा के सदस्य रहे सुखदेव राजभर तथा देश के पहले चीफ आफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल बिपिन रावत, उनकी पत्नी मधुलिका रावत व 11 अन्य सैन्य अफसरों को श्रद्धांजलि दी गई।

पिछले सत्र के बाद से अब तक दिवंगत हुए विधानसभा के पूर्व सदस्यों को भी सदन ने श्रद्धासुमन अर्पित किए। दिवंगत आत्माओं की शांति की कामना करते हुए सदन ने मौन धारण किया। इसके बाद सदन की कार्यवाही गुरुवार सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई। विधानसभा में पहले दिन बुधवार सुबह 11 बजे सदन की कार्यवाही शुरू होते ही लखीमपुर हिंसा पर आई एसआईटी रिपोर्ट को लेकर हंगामा शुरू हो गया। समाजवादी पार्टी और कांग्रेस के सदस्य जोरदार नारेबाजी करने लगे।

इस दौरान केंद्रीय गृह राज्य मंत्री अजय मिश्रा के इस्तीफे की मांग को लेकर कांग्रेस और सपा के विधायक धरने पर बैठ गए। इससे पहले विधानसभा अध्यक्ष हृदय नारायण दीक्षित के निर्देश पर नेता सदन व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सदन को विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष सुखदेव राजभर तथा तमिलनाडु में कुन्नूर के निकट हुई हेलीकाप्टर

दुर्घटना में देश के पहले चीफ आफ डिफेंस स्टाफ जनरल बिपिन रावत, उनकी पत्नी मधुलिका रावत और 11 अन्य सैन्य अफसरों के निधन की सूचना दी। सीएम योगी ने अपनी शोक संवेदनाएं व्यक्त करते हुए दिवंगतों को अपने श्रद्धासुमन अर्पित किए। विधानसभा अध्यक्ष ने दिवंगतों को श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए कहा कि संसार की गति है कि जो आता है, सो जाता है। जीवन क्षणभंगुर है। सबको अपना दायित्व निर्वहन करते हुए जाना है, यह ध्रुव सत्य है।

इतिहास में कई लोग कुछ ऐसा असाधारण कर जाते हैं कि इतिहास में हस्तक्षेप हो जाता है। वे समाज और संस्कृति को नए सूत्र देते हैं। हमारे हृदय, ज्ञान, प्रज्ञा को भीतर तक प्रभावित करते हैं। नेता प्रतिपक्ष रामगोविंद चौधरी, सदन में बसपा के नेता उमाशंकर सिंह, कांग्रेश विधानमंडल दल की नेता आराधना मिश्रा मोना और अपना दल सोनेलाल के नेता हरिराम ने भी दिवंगतों को श्रद्धांजलि दी। इसके बाद विधानसभा उपाध्यक्ष नितिन अग्रवाल ने भी दिवंगतों को श्रद्धांजलि दी।

दिवंगत आत्माओं की शांति की कामना करते हुए सदन ने मौन धारण किया। इसके बाद सदन की कार्यवाही गुरुवार सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई।

वहीं विधान परिषद की कार्यवाही के पहले दिन परिषद के पूर्व सदस्यों, सीडीएस विपिन रावत व पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह के निधन पर शोक प्रस्ताव पेश कर शोक संतृप्त परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की गई। इसके बाद कार्यवाही गुरुवार तक के लिए स्थगित हो गई।

एक नज़र

जीवन बीमा पर पालिसी ओवर ड्राफ्ट की सुविधा देने के बहाने ठगी, तीन गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी) दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा ने जीवन बीमा पालिसी पर ओवर ड्राफ्ट की सुविधा देने के नाम पर लोगों से ठगी करने वाले तीन साइबर ठगों को गिरफ्तार किया है। तीनों ने एक शिकायतकर्ता से कई बार अलग-अलग मद में करीब 12 लाख रुपये ठग लिए थे। आरोपितों से चार मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं। इनके 13 बैंक खातों के बारे में जानकारी मिलने के बाद जमा दो लाख छह हजार रुपये फ्रीज करा दिए गए हैं। डीसीपी सी मनोज के मुताबिक, गिरफ्तार किए गए आरोपितों के नाम अभय किशोर, सुनील बेदी व अनिल कुमार हैं।

अभय किशोर, प्रताप एन्क्लेव मोहन गार्डन उत्तम नगर का रहने वाला है और वाहन बीमा पालिसी का काम करता है। वह निवेश की विभिन्न योजनाओं और जीवन बीमा पालिसी के बहाने लोगों के साथ धोखाधड़ी करता था। इसके खिलाफ देहरादून, सफदरजंग एन्क्लेव और राजस्थान में तीन मामले दर्ज हैं। सुनील बेदी, द्वारका पुरी उत्तम नगर का रहने वाला है। वह आइजीआइ एयरपोर्ट पर कार्गो एयरलाइंस में लोडर का काम करता है। अनिल कुमार झा अर्जुन पार्क, नजफगढ़ का रहने वाला है। वह पहले अमेजन में डिलीवरी का काम करता था।

चौथे आरोपित कुरेश की इसी साल 24 मार्च को सड़क दुर्घटना में मृत्यु हो गई थी। अधिकारी के मुताबिक आरोपितों ने अर्जुन कुमार नाम के व्यवसायी से करीब 12 लाख रुपये ठग लिए थे। जांच के बाद सात दिसंबर को पुलिस टीम ने मोहन गार्डन से पहले अभय किशोर को गिरफ्तार किया। उससे पूछताछ के बाद सुनील बेदी व अनिल कुमार को भी गिरफ्तार कर लिया गया। तीनों अपने सरगना कुरेश के निर्देश पर ठगी करते थे।

शादी करने के लिए युवती को होटल में बुलाकर करने लगा घिनौना काम, मना करने पर दी खौफनाक सजा

नई दिल्ली (एजेंसी) पहले 20 वर्षीय युवती को प्यार के जाल में फंसाया, फिर शारीरिक संबंध नहीं बनाने पर गला घोंटकर हत्या कर दी। मामले में मध्य जिला पुलिस ने यूपी के बरेली जिले के मीरगंज के गांव हल्दीखुर्द के रहने वाले आसिफ को गिरफ्तार किया है। आरोपित की पहले से ही दो शादियां हो चुकी हैं। वह दिल्ली में पेंटर का काम करता है। मध्य जिला पुलिस उपायुक्त श्वेता चौहान के मुताबिक, 10 दिसंबर की रात एक महिला ने देशबंधु गुप्ता रोड थाना पहुंचकर बताया कि उनकी 20 वर्षीय बेटी पार्क रोड अजमल खान एरिया में काम करती है। सुबह काम पर गई थी, लेकिन वापस नहीं आई। गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कर युवती जहां काम करती थी, उस जगह के पास लगे सीसीटीवी कैमरे की फुटेज जांच की गई।

पता चला कि दस दिसंबर की शाम सात बजे वह काम करके यहां से चली गई थी। युवती का कुछ पता नहीं चलने पर आखिरकार पुलिस ने मामले में अपहरण का केस दर्ज कर लिया। 12 दिसंबर को फरीदाबाद के सूरजकुंड के जंगलों में युवती की लाश बरामद हुई। उसके गले पर दुपट्टा लिपटा हुआ था और घाव भी था। पुलिस की तफ्तीश एक बार फिर अजमल खान पार्क क्षेत्र में लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज पर केंद्रित हुई। नौ दिसंबर को युवती पास की एक केक शाप पर किसी युवक के साथ मौजूद थी। जहां पर युवती काम करती थी, वहां कई अन्य युवक भी काम करते हैं।

पूछताछ के क्रम में पता चला कि पेंटर का काम करने वाला आसिफ उस शाम युवती के साथ मौजूद था। 12 दिसंबर को उसके मोबाइल की लोकेशन भी उस जगह की मिली, जहां शव बरामद हुआ था। इसके बाद पुलिस ने आसिफ को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस को जांच में पता चला कि आसिफ की युवती से दोस्ती थी। उसने शादीशुदा होने के बारे मे नहीं बताया था। अपनी शादी की बात नहीं बताई थी। वह युवती से शारीरिक संबंध बनाना चाहता था, लेकिन युवती उससे शादी करना चाहती थी। ऐसे में 10 दिसंबर को उसने शादी की बात करने के लिए उसे बुलाया।

10 दिसंबर की रात को ही युवती को बाइक पर फरीदाबाद के एक होटल ले गया। यहां रातभर दोनों के बीच झगड़ा हुआ। अगले दिन वह युवती को सूरजकुंड क्षेत्र में सुनसान जगह पर ले गया। वहां पर उसने युवती की गर्दन पर चाकू से हमला किया। युवती के विरोध के दौरान चाकू गिर गया। इसके बाद दुपट्टे से ही उसका गला घोंटकर फरार हो गया था।

आधा दिसंबर बीतने पर भी क्यों दिल्ली में नहीं पड़ी भीषण ठंड, शीतलहर भी रही दूर

नई दिल्ली (एजेंसी) दिसंबर का आधा महीना बीत चुका है, लेकिन दिल्ली-एनसीआर समेत पूरे उत्तर भारत को लोगों को हांड़ कंपा देने वाली ठंड का इंतजार है। पिछले कई सालों की तरह इस बार भी दिल्ली में सर्दी का सितम नहीं शुरू हुआ है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के वैज्ञानिकों की मानें तो जलवायु परिवर्तन, ग्लोबल वार्मिंग और कमजोर पश्चिमी विक्षोभ के कारण दिसंबर में भी लोग बिना जैकट घूम रहे हैं।

दिल्ली-एनसीआर में न्यूनतम तापमान तो 6 डिग्री सेल्सियस के आसपास तो पहुंच गया, लेकिन शीत लहर नहीं चलने से ठंड की वह तासीर नहीं जो पिछले 2 दशक पहले होती थी। मौसम विभाग के मुताबिक ,अभी सप्ताह भर कमोबेश ऐसा ही मौसम बना रहेगा। तापमान भी लगभग यही बने रहने के आसार हैं। बुधवार को भी आंशिक रूप से बादल छाए रहे। न्यूनतम और अधिकतम तापमान क्रमश : 23 और 07 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है। मौसम विज्ञानियों के अनुसार, दिसंबर का पहला पखवाड़ा बीत चुका है, लेकिन हाड़ कंपकंपा देने वाली सर्दी अब तक नहीं पड़ी है। इस दौरान शीतलहर भी नहीं चली। इस बीच मौसम विभाग का पूर्वानुमान है कि अगले एक सप्ताह के दौरान भी ऐसी कोई संभावना नहीं कि भीषण ठंड पड़े और शीतलहर चले। बता दें कि पिछले एक दशक के दौरान लगातार दिसंबर के दौरान दिल्ली में शीतलहर के दिन कम हो रहे हैं।

मौसम विज्ञानियों के अनुसार इस हालात के लिए मजबूत पश्चिमी विक्षोभों का अभाव और जलवायु परिवर्तन का बढ़ता असर ही मुख्य रूप से जिम्मेदार है। दूसरी तरफ इससे पहले मंगलवार का दिन भी ठंडा रहा। अधिकतम तापमान जहां सामान्य से एक डिग्री कम 22.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ, वहीं न्यूनतम सामान्य से एक डिग्री कम 7.5 डिग्री सेल्सियस रहा। हवा में नमी का स्तर 47 से 97 प्रतिशत रिकार्ड किया गया। इस बीच मौसम विभाग का पूर्वानुमान है कि बृहस्पतिवार से हवाओं की रफ्तार में सुधार होने से प्रदूषक तत्व छंटने की संभावना बनेगी। एक्यूआइ खराब श्रेणी में भी पहुंच सकता है। हाल फिलहाल आंशिक रूप से छाए हुए बादल और मंद हवा भी प्रदूषक तत्वों के छंटने में बाधक बन रही है।

पुजारियों को वेतन देने की मांग को लेकर भाजपा का सीएम के आवास पर प्रदर्शन

नई दिल्ली (एजेंसी) देश की राजधानी दिल्ली के मंदिरों में पुजारियों को वेतन देने की मांग को लेकर भारतीय जनता पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने बुधवार को प्रदर्शन किया। इस बीच मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के आवास की ओर जाने से रोकने के लिए पुलिस द्वारा लगाई बैरिकैडिंग को तोड़ते हुए प्रदर्शनकारी आगे बढ़े।

बता दें कि अरविंद केजरीवाल ने बुधवार को पंजाब के दौरे पर हैं। गौरतलब है कि प्रदर्शन के दौरान भाजपा कार्यकर्ताओं ने दिल्ली के सांसद रमेश विधूड़ी को बैरिकेड के पार करा दिया। इसके बाद वह पुलिस की तरफ पहुंच गए। इस दौरान दिल्ली पुलिस अपनी पूरी क्षमता के साथ बैरिकेडिंग के जरिये भाजपा कार्यकर्ताओं को रोका। बीजेपी की मांग है कि दिल्ली के मंदिरों के पुजारियों को उचित वेतनमान दिया जाए।

अरविन्द केजरीवाल के घर के बाहर प्रदर्शन की अगुवाई करने वाले बीजेपी सांसद रमेश बिधूड़ी का कहना है कि जब मस्जिद की देखभाल करने वाले काज़ियों को वेतन दिया जा सकता है तो मंदिर के पुजारियों को भी वेतन मिलना चाहिए। बता दें कि मंदिर के पुजारियों को सैलरी देने का मसला नया नहीं है, इससे पहले भी खासकर हिन्दू संगठन आवाज़ उठाते रहे हैं।

यह बताना जरूरी है कि अयोध्या में राम मंदिर में श्री रामलला के पुजारियों का वेतन दिहाड़ी मजदूरों से भी कम है।

डॉ. भीम राव अंबेडकर के जीवन पर आधारित म्यूजिकल प्ले का थीम सॉन्ग किया लॉन्च

05 जनवरी से दिल्ली में बाबा साहब के जीवन पर आधारित ग्रैंड म्यूजिकल प्ले का होगा प्रदर्शन, इस प्ले के कुल 50 शो का किया जायेगा प्रदर्शन

जब तक गण का मान रहेगा, जब तक संविधान रहेगा, जब तक हिंदुस्तान रहेगा, बाबा साहब का नाम रहेगा, बाबा साहब के पूरे जीवन के दर्शन को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है थीम सॉन्ग का म्यूजिक और लिरिक्स

विकास सैनी.ओपन सर्च

नई दिल्ली। केजरीवाल सरकार ने बुधवार को बाबा साहब डॉ. भीम राव अंबेडकर के जीवन पर आधारित म्यूजिकल प्ले का थीम सॉन्ग भीमाची जय को लांच किया। इसे मशहूर म्यूजिक बैंड इंडियन ओसियन द्वारा तैयार किया गया है। जब तक गण का मान रहेगा, जब तक संविधान रहेगा, जब तक हिंदुस्तान रहेगा, बाबा साहेब का नाम रहेगा लिरिक्स के साथ बाबा साहब के पूरे जीवन के दर्शन को ध्यान में रखकर यह थीम सॉन्ग और म्यूजिक तैयार किया गया है। 05 जनवरी से दिल्ली में आयोजित होने वाला यह ग्रैंड म्यूजिकल प्ले बाबा साहब के जीवन पर आधारित होगा और इसके कुल 50 शो का प्रदर्शन किया जायेगा। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली सरकार भारत की पहली सरकार है, जो बाबा साहब की विरासत को बच्चे-बच्चे तक पहुंचाने के लिए भव्य आयोजन कर रही है। दिल्ली सरकार देश के लोगों को बाबा साहब के जीवन और आधुनिक भारत की नींव रखने रखने के उनके योगदान से परिचित करवा रही है। उन्होंने कहा कि हम बाबा साहब के जीवन के हर एक पल से बहुत कुछ सीख सकते हैं और इस गीत के माध्यम से बाबा साहब की शिक्षाओं और जीवन के सार को समझाने का प्रयास किया गया है। उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने कहा कि केजरीवाल सरकार द्वारा आजादी के 75वें साल में यह संगीतमय प्ले इसलिए आयोजित किया जा रहा है, ताकि देश बाबा साहब और आधुनिक भारत के निर्माण में उनके योगदान के प्रति कृतज्ञता प्रकट कर सके। उन्होंने कहा कि इस प्ले का उद्देश्य दिल्ली और देश के नागरिकों को आनंद और उत्सव के रूप में म्यूजिक,

आर्ट और थिएटर के माध्यम से बाबा साहब के जीवन, उनकी सीख, उनके व्यक्तित्व और समाज के प्रति उनके योगदान से परिचित करवाना है। डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया ने कहा कि देश में इतने भव्य और बड़े प्ले का आज से पहले कभी आयोजन नहीं हुआ। अब तक यह परम्परा केवल यूरोपीय देशों में थी, जहां की सरकारें बड़े स्तर पर प्ले के आयोजन यह सुनिश्चित करती थीं कि वहां के नागरिक देश की महान विभूतियों और उनके योगदान को समझ सकें। दिल्ली में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व में इस परम्परा की शुरुआत हो रही है। उन्होंने कहा कि इस प्ले के माध्यम से दिल्ली सरकार चाहती है कि देश के तमाम नागरिक आधुनिक भारत के निर्माता बाबा साहब के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करें, उनके विचारों को समझें और यह महसूस करें कि आज हम जिस आनंद में जी रहे हैं उसके लिए बाबा साहब ने कितने कष्ट उठाए थे। किन कष्टों को सहते हुए उन्होंने आधुनिक भारत की नींव रखी थी। इस अवसर पर इंडियन ओसियन बैंड के कलाकार राहुल राम ने कहा कि बाबा साहब के जीवन को लेकर दिल्ली में इस तरह का भव्य आयोजन पहली बार हो रहा है। केजरीवाल सरकार की यह पहल बहुत ही सराहनीय है। इस तरह की पहल देश के अन्य हिस्सों में भी होनी चाहिए। हम दिल्ली सरकार के इस प्रयास का हिस्सा बनकर बेहद सम्मानित महसूस कर रहे हैं। इंडियन ओसियन बैंड की पूरी टीम इस अवसर के लिए दिल्ली सरकार को धन्यवाद देती है। संगीतकार अमित किलम ने कहा कि युवाओं में म्यूजिक को लेकर एक अलग ही उत्साह होता है। किसी भी संदेश को सभी तक पहुंचाने के लिए म्यूजिक एक बहुत ही शक्तिशाली उपकरण है। हमें बेहद खुशी है कि दिल्ली सरकार के इस मुहिम से जुडकर हम म्यूजिक के माध्यम से डॉ. अम्बेडकर के समानता, सद्भाव और भाईचारे के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का काम करेंगे। इंडियन ओसियन बैंड के एक अन्य सदस्य हिमांशु जोशी ने कहा कि हमारा गीत भीमाची जय देश के संस्थापकों में से एक, आधुनिक भारत के प्रणेता, भारतीय संविधान के जनक और उत्पीड़ितों की समानता की लड़ाई के सबसे बड़े प्रस्तावक डॉ. अम्बेडकर को श्रद्धांजलि है। उल्लेखनीय है कि केजरीवाल सरकार द्वारा 5 जनवरी 2022 से बाबा साहब के जीवन पर आधारित भव्य प्ले का जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम में आयोजन किया जाएगा और इसके 50 शो कराए जाएंगे। यह पूरा नाटक उनके जीवन और विचारों के उपर आधारित होगा। इस नाटक के निर्देशन, आर्ट और क्रिएशन में नामचीन लोग जुड़े हुए हैं। स्टेडियम में 100 फुट स्टेज बनाया गया है। इसे देखने के लिए कोई भी आ सकता है। यह जनता के लिए बिल्कुल फ्री होगा। इसका प्रोडक्शन अंतर्राष्ट्रीय स्तर का है। शायद भारत देश में पहली कोई सरकार है, जो बाबा साहब डॉ. अंबेडकर के जीवन को बच्चे-बच्चे तक पहुंचाने के लिए इस किस्म का प्रयास कर रही है।

नोरा फतेही और जैक्लिन फर्नाडीज से जुड़ रहे रैनबैक्सी प्रमोटरों की पत्नियों से ठगी के तार

नई दिल्ली (एजेंसी)
जेल में बंद रैनबैक्सी के पूर्व प्रमोटर सिंह बंधुओं मालविंदर और शिविंदर सिंह को जमानत दिलाने के लिए उनकी पत्नियों से 200 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी करने के मुख्य

आरोपित सुकेश चंद्रशेखर के तार अभिनेत्री नोरा फतेही व जैक्लिन फर्नाडीज से जुड़ने पर दिल्ली पुलिस अब अपने केस में भी इन्हें आरोपित या गवाह बनाने के लिए कानूनी सलाह ले रही है। सूत्रों ने इस बारे में पुष्टि की है। क्योंकि इस रकम का एक बड़ा हिस्सा सुकेश ने अभिनेत्रियों पर खर्च किया है। इस मामले में आर्थिक अपराध शाखा जेल के पांच कर्मचारियों समेत 19 आरोपितों को गिरफ्तार कर चुकी है। सुकेश व लीना मारिया समेत 14 के खिलाफ आरोपपत्र भी दायर किया जा चुका है। अब आर्थिक अपराध शाखा दोनों अभिनेत्रियों की इस मामले में भूमिका की जांच कर फैसला लेगी। इसके लिए कानूनी सलाह लेने के साथ ही अन्य पहलुओं पर भी जांच की जा रही है। सुकेश चंद्रशेखर को दो साल के दौरान छह से ज्यादा बार अंतरिम कस्टडी पैरोल मिला है। इस दौरान उसने मुंबई में अभिनेताओं के फार्म हाउस पर पार्टियां की थीं। हाल ही में प्रवर्तन निदेशालय ने मनी लांड्रिंग के मामले में दायर आरोपपत्र में जैक्लिन व नोरा फतेही के बयानों का विस्तार से उल्लेख किया है। दोनों अभिनेत्रियों ने सुकेश से करोड़ों रुपये और गिफ्ट लेने की बात स्वीकारी है। प्रवर्तन निदेशालय ने आरोपपत्र में कहा है कि सुकेश ने जैक्लिन को काफी मंहगे गिफ्ट दिए हैं। फरवरी में जैक्लिन ने सुकेश को पैसे के लिए फोन किया था तब उसने जैक्लिन की अमेरिका में रहने वाली बहन के खाते में डेढ़ लाख डालर भेजे थे। नोरा फतेही ने भी अपने बयान में स्वीकार किया है कि सुकेश ने उन्हें बीएमडब्ल्यू कार फाइव सीरिज गिफ्ट की थी। नोरा के कहने पर सुकेश ने वह कार महबूब खान के नाम पर खरीदकर गिफ्ट की थी।

काशी में मंदिर के लोकार्पण से खुश लोगों ने कावड़ सेवा मंदिर में जलाए 2100 दीये

ओपन सर्च. संवाददाता

नई दिल्ली। बनारश में काशी विश्वनाथ मंदिर के जीर्णोद्धार के बाद सोमवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इसका लोकार्पण कर दिया। महादेव भगवान शिव की इस भव्य और शानदार मंदिर के लोकार्पण से देश के लोगों में खुशी और उत्साह का माहौल है। राजधानी दिल्ली में भी इसे लेकर खूब खुशियां मनाई गई।

यमुना विहार स्थित कावड़ सेवा समिति, सैकड़ों समाजसेवी व स्थानीय लोगों ने तो कावड़ सेवा मंदिर में 2100 दीप जलाए और देर रात तक भजन कीर्तन करते रहे। इस दौरान भगवान शिव की झांकियां भी पेश की गई। कावड़ सेवा समिति के अध्यक्ष रतन लाल गर्ग की अगुवाई में आयोजित इस कार्यक्रम में उत्तर-पूर्वी जिला भाजपा जिला अध्यक्ष मोहन गोयल, घोंडा से विधायक अजय महावर, यमुना विहार से निगम पार्षद प्रमोद गुप्ता, सर्वसमाजसेवी मुकेश

गोयल,सुशील चौधरी, पूनम चौहान, डॉ यू के चौधरी, राजेन्द्र अग्रवाल,मणि बंसल, दीपक चौहान, दीपक पांडे, नीता शर्मा,अर्जुन, हरीश शर्मा, सचिन चौधरी, शिम्पी वर्मा, अश्विनी राणा, कांवड़ समिति के सदस्य-प्रेम गोयल,कृष्ण कुमार गोयल,रवि गर्ग के अलावा सैकड़ो की संख्या में स्थानीय पुरूष और महिलाओं ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम की शुरुआत भगवान शिव की पूजा अर्चना के साथ की गई। जिसके बाद उपस्थित सभी लोगों ने दीप के माध्यम से स्वास्तिक का चित्र उकेरा और ओम नमः शिवाय लिखकर अपने उत्साह का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में उत्साह का आलम ऐसा रहा कि लोग कीर्तन के दौरान नाचते और झूमते नजर आए।

इस दौरान रतन लाल गर्ग ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रूप में हमे युग पुरुष मिला है। जिन्होंने अयोध्या में राम मंदिर निर्माण के बाद काशी में बहुप्रतीक्षित बाबा विश्वनाथ की शानदार मंदिर और प्रांगण का निर्माण कराया है। उनके इस कार्य से आज देश का हर नागरिक खुद को गौरवान्वित महसूस कर रहा है।

कार्यक्रम आयोजन मार्गदर्शक संजय गर्ग ने कहा कि आज का दिन भारत के इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में दर्ज करने का काम प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने किया है। क्योंकि काशी हर हिन्दू के हृदय में बसता है। और जब भी कोई अब इस मंदिर का दर्शन करने जाएगा वह इसकी भव्यता कभी भूल नहीं पाएगा।

स्वास्थ्य के लिए बेहद जरूरी है नमक खाना : डॉ मनीष कुमार

नमक खाऊँ या न खाऊँ की दुविधा में न पड़ें, अनुशंसित मात्रा में नियमित रूप से लें

ओपन सर्च. संवाददाता

गाजियाबाद। भारतीय संस्कृति में नमक का बहुत महत्व है। कोई भी व्यक्ति यदि किसी का नमक खा लेता है तो वह उसके साथ किसी भी कीमत पर धोखाधड़ी नहीं कर सकता, अन्यथा उसे नमकहराम तक कहा जाता है। किसी भी व्यक्ति के मृत्यु के बाद होने वाले श्राद्धकर्म के अंतिम दिन भी रक्त सम्बन्धियों के बीच नमक मिलने की प्रथा है, जिससे भारतीय समाज में नमक की महत्ता का पता चलता है।

भारतीय चिकित्सा शास्त्र की एलोपैथी, आयुर्वेदिक व होमियोपैथी विधा में भी साल्ट (नमक) की अनुशंसित मात्रा से रोगियों का इलाज किया जाता है। इस सम्बन्ध में दिल्ली-एनसीआर के सुप्रसिद्ध न्यूरोसर्जन डॉ मनीष कुमार ने कहा है कि ज्यादातर लोग नमक को स्वास्थ्य के लिए हानिकारक ही समझते हैं, जो कुछ हद तक ठीक भी हो सकता है; क्योंकि ब्लड प्रेशर से इसका रिश्ता माना जाता है, जो लगभग सही भी है। लेकिन उन्होंने सवालिया लहजे में बताया कि यदि शरीर में नमक कम हो जाए तो फिर क्या होगा, यह भी आपके लिए जानना जरूरी है। उन्होंने बताया कि आप यह अवश्य जानिये कि शरीर के काम करने के लिए, शरीर में नमक का एक न्यूनतम स्तर के ऊपर रहना जरूरी है, ख़ास कर दिमाग के लिए- होश के लिए। क्योंकि शरीर में नमक कम होने पर चक्कर आने लगता है और कमजोरी महसूस होने लगती है। यही नहीं, मिर्गी के दौरे भी पड़ने लगते हैं और बेहोशी तक हो सकता है। ऐसे में नमक की सूई लगाई जाती है। यदि मरीज होश में हो तो खाने में नमक की मात्रा बढ़ाने के लिए कहा जाता है, पर ज्यादातर लोगों को नमक ज्यादा खाना समझ में नहीं आता है। नमक हमारे शरीर के लिए बहुत जरूरी है। नमक खाने से ब्लड प्रेशर बढ़ सकता है पर उसके लिए हमारे पास दस दवाएं हैं।

न्यूरो सर्जन डॉ मनीष कुमार बताते हैं कि नमक किसी भी सजीव के अंदर होने वाली गतिविधि, यानी कोशिका के हर क्रियाकलाप के लिए खासकर ब्रेन और नर्वस सिस्टम के लिए जरूरी है और इसका एक ख़ास न्यूनतम स्तर से नीचे जाने पर लोग बेहोश हो जाते हैं।

भगवान ने नमक के बदले कुछ और नहीं बनाया है! इसलिये डॉक्टर द्वारा बतलाने पर जरूरी मात्रा में नमक जरूर खाएं। कम नमक का मतलब बिना नमक के खाना नहीं होता है। यदि कोई गलतफहमी हो तो न्यूरो सर्जन डॉ मनीष कुमार के व्हाट्सएप्प नम्बर 9840267857 पर सम्पर्क कर सकते हैं।

अब विदेशी शैक्षणिक संस्थानों के प्रोफेसरों की मदद से डीयू के शोधकार्यों को मिलेगी वैश्विक पहचान

नई दिल्ली (एजेंसी)
दिल्ली विश्वविद्यालय शोध कार्यों को बढ़ाने के लिए विदेशी शैक्षणिक संस्थानों के प्रोफेसरों की मदद लेगा। इससे डीयू के शोधकार्यों को वैश्विक पहचान भी मिलेगी।

इस कड़ी में पहली बार दस विदेशी प्रोफेसरों की नियुक्ति की जानी है। ये प्रोफेसर अमेरिका, जर्मनी, फ्रांस आदि देश के हैं। प्रत्येक सेमेस्टर में कम से कम एक बार ये प्रोफेसर डीयू आएंगे एवं एक माह तक रहेंगे। इस दौरान डीयू इनका पूरा खर्च वहन करेगा। शुक्रवार को होने वाली कार्यकारी परिषद की बैठक में भी इस पर चर्चा होगी। डीयू प्रशासन ने बताया कि स्क्रीनिंग कमेटी ने दस प्रोफेसरों की नियुक्ति पर मोहर लगाई है।

इसमें पेरिस विवि के प्रो. क्रिस्टोफर लेन, ल्यूवेन विवि के प्रो. एरिक वेंडर आइकेन, रेगेंसबर्ग विवि के प्रो. रीसर, पीट्सबर्ग विवि के प्रो. देबाशीष सिन्हा, इलेवाइस विवि शिकागो के प्रो. प्रदीप राम चौधरी, हैमबर्ग विवि के प्रो. क्रिश्चियन बेटजेल आदि के नाम पर शामिल है। हाल ही

में मानदेय पर चर्चा के लिए एक बैठक भी बुलाई गई थी। बैठक के बाद एक विस्तृत दिशानिर्देश जारी किए गए, जिसमें कहा गया कि प्रतिमाह अधिकतम 80 हजार रुपये मानदेय दिया जाएगा। प्रत्येक सेमेस्टर में एक से कम एक बार विभाग आना होगा। इस दौरान यात्रा का पूरा खर्च डीयू उठाएगा। मेडिकल इंश्योरेंस की सुविधा भी दी जाएगी।

भारतीय संस्कृति का वैभवशाली रूप देखने को मिला महिमा-अखिल विवाहोत्सव में

ओपन सर्च. संवाददाता

नई दिल्ली। उद्योगपति मनोज के. जैन (दरियागंज) दिल्ली ही नहीं देश के अनेक हिस्सों में समाजसेवा के कार्यों के लिये विख्यात हैं, सहयोग दिल्ली के अध्यक्ष एवं भारतीय जनता पार्टी के सक्रिय कार्यकर्ता की पुत्री महिमा जैन का विवाह दिल्ली के ही चार्टर्ड एकाउंटेंट अखिल गुप्ता के साथ भव्यता के साथ कुंदन फार्म्स, कापसहेड़ा में 11 दिसंबर 2021 को सम्पन्न हुआ, जिसमें शासन-प्रशासन के महत्वपूर्ण नेता, प्रशासनिक अधिकारियों समेत दिल्ली समाज के गणमान्य लोगों ने पहुंचकर वर-वधु को मंगल शुभाशीर्वाद दिया और जो इन अद्भुत क्षणों के साक्षी न बन सके, उन्होंने यू-ट्यूब पर लाइव प्रसारण देखते हुए मनोज जी की कार्यशैली की दाद दी। चाहे व्यापार की बात हो, राष्ट्रसेवा, समाज सेवा या फिर जैन समाज की एकता की, मनोज जी के काम करने के तरीके की सर्वदा वाहवाही ही होती है और उनका हमेशा कुछ नया करने का प्रयास रहता है। निश्चित रूप से उनके माता-पिताजी (श्रीमती सविता जैन-महेश जैन) को उनके इस मुकान पर पहुंचाने का बहुत बड़ा श्रेय रहा है।

उनकी धर्मपत्नी श्रीमती दीपाली जैन का भी उनके सभी कार्यों में सराहनीय योगदान रहता है। वर-वधु पेशे से दोनों ही सीए हैं। दूल्हा अखिल गुप्ता (सुपुत्र श्रीमती मधुबाला एवं श्री नरेश कुमार गुप्ता) हालांकि जैन नहीं है, पर विवाह संस्कार सभी जैन विधि से सम्पन्न हुए।

विशेष बात देखने को मिली कि दूल्हे को णमोकार महामंत्र कंठस्थ है और पूजा के समय मौजूद बारातियों के साथ लड़के ने णमोकार महामंत्र का भक्ति से उच्चारण किया। वर-वधू को आशीर्वाद प्रदान करने के लिये विवाह स्थल पर पहुंचे गणमान्य लोगों में लोकसभा स्पीकर श्री ओम बिरला जी, पूर्व स्वास्थ्य मंत्री डॉ. हर्षवर्धन, सांसद श्री प्रवेश साहिब सिंह एवं उनकी

धर्मपत्नी, गांधी स्मारक के वाइज चेयरमैन श्री विजय गोयल, झुझारू नेता श्री श्याम जाजू, पूर्व राज्य कपड़ा मंत्री श्री अजय टमटा, डीडीसीए सचिव श्री सिद्धार्थ वर्मा, सुप्रीम कोर्ट रजिस्ट्रार श्री सतीश अरोड़ा आदि शामिल थे। गृहमंत्री श्री राजनाथ सिंह जी ने फोन पर शुभकामनाएं प्रेषित की। दिल्ली के जैन समाजों में से अनेक गणमान्य व्यक्ति पधारें, जिनमें महासमिति अध्यक्ष श्री मणीन्द्र जैन, दिल्ली जैन समाज अध्यक्ष श्री चक्रेश जैन ने फोन पर बधाई दी, उनकी ओर से उनकी बेटी-दामाद पधारे, भगवान महावीर देशना फाउंडेशन एवं जैन कांफ्रेंस के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री सुभाष जैन ओसवाल, सीए राजीव जैन, सीए अनिल जैन सीए आदि वर-वधु को आशीर्वाद देने पहुंचे। जैन परंपरा के अनुरूप बारात का स्वागत सूर्यास्त पूर्व हुआ। सूर्यास्त पूर्व भोजन की संपूर्ण व्यवस्था थी। बारात का स्वागत भारतीय वाद्यों के अनोखे संगम - बैंड बाजे - नपीरियों से शाही अंदाज में किया गा।

प्रधानमंत्री मोदीजी का भारतीय संस्कृति के संरक्षण और संवर्धन में जो प्रयास रहता है, उसका यह जीता-जागता उदाहरण था। वाद्यों की जंकार पर बारातियों - अतिथियों का स्वागत राजा-महाराजओं के समय में होने वाले विवाह का दृश्य पैदा कर रहा था। भारतीय संस्कृति और प्रफोर्मेंस स्टेज पर गिटार पर कलाकार उत्सव में रंग भरने में पीछे नहीं थे। जैन परंपरा में बारात का स्वागत देखकर वहां मौजूद जैनेत्तर समाज गदगद था।

आज कल दुल्हन की एंट्री देखने के लिये, विशेषकर महिला वर्ग बहुत उत्सुक रहता है। परियों की वेश-भूषा में नृत्यांगनाओं के साथ दुल्हन ने प्रवेश किया। दुल्हन के आगे कत्थक-भरतनाट्यम की प्रस्तुतियां बेहद मनभावन लग रही थी। उसी समय सांसद प्रवेश वर्मा एवं उनकी धर्मपत्नी ने दुल्हन के साथ आकर उत्सव में चार चांद लगा दिये।

जयमाला का दृश्य अविस्मरणीय था, सभी ने वह दृश्य देख भाव-विभोर हो उठे। परंपराओं, आकर्षक साज-सज्जा, मनभावन कार्यक्रमों के बीच सबसे खास बात थी - हमारी परंपरा - अतिथि देवों भव का सजीव नजारा देखने को मिल रहा था। अतिथियों के स्वागत में कोई कमी नहीं था, भोजन बैठकर करने की अच्छी व्यवस्था। कुल मिलाकर कहे तो यह विवाह उत्सव वैभवशाली रूप में हर्षोल्लास के साथ सम्पन्न हआ जहां परंपरा, संस्कृति, अतिथि सरकार का विशेष ध्यान रखा गया।

समय का अनुशासन गजब का था। श्री ओम बिरला जी ने तो कहा मैं यह पहली शादी देख रहा हूं, जहां कार्ड पर लिखे समयानुशार सभी कार्य सम्पन्न हो रहे हैं।

सम्पादकीय
ओपन सर्च

हरनाज संधू : तीसरी बार भारतीय सुंदरी को मिस यूनिवर्स का खिताब

1994 में पहली बार सुष्मिता सेन, फिर 2000 में लारा दत्ता और अब 21 साल बाद हरनाज संधू ने मिस यूनिवर्स का खिताब जीत विश्व में एकबार फिर भारत का मान बढ़ाकर संदेश दे दिया कि किसी भी क्षेत्र में हम पीछे नहीं। इसराइल के एलात में हुई 70वीं मिस यूनिवर्स प्रतियोगिता में 80 प्रतियोगियों को हराकर 2021 का खिताब हासिल करने वाली भारत की हरनाज संधू ने अंतिम राउंड में भारतीय दर्शन से भरा जवाब देकर खिताब अपने नाम कर लिया। पंजाब की 21 वर्षीय इस बाला ने पराग्वे की नादिया फरेरा और दक्षिण अफ्रीका की ललेला मसवाने को शिकस्त दी।

दरअसल हरनाज की हाजिर जवाबी ने चयनकर्ताओं को उनकी विलक्षण प्रतिभा का लोहा मनवाया जिसमें आखिरी दौर में टॉप थ्री प्रतियोगियों से पूछा गया कि आज के दौर में दबाव का सामना कर रही उन तमाम युवा महिलाओं को क्या सलाह देंगी, जिससे वे दबाव का सामना कर सकें? हरनाज ने खूबसूरत जवाब दिया-ष्आज के युवा पर सबसे बड़ा दबाव यही है कि वो खुद पर भरोसा करना सीखें और मानें कि आप अद्वितीय हैं। बाहर निकलिए, खुद के लिए आवाज उठाना सीखिए क्योंकि अपने जीवन के लीडर आप खुद हैं और खुद की आवाज भी। मुझे देखिए, खुद की आवाज बनी, खुद पर भरोसा किया और आज आपके सामने यहां तक आकर खुद ही खड़ी हुई। इस जवाब ने सभी को उनका न केवल मुरीद बना दिया बल्कि चयनकर्ताओं की पहली पसंद भी।

हरनाज ने सच कहा कि आज के युवा भटकाव का मार्ग छोड़ यदि खुद पर भरोसा कर लें तो कुछ भी असंभव नहीं है। दरअसल बढ़ती प्रतिस्पर्धा और मायावी दुनिया के बीच आज युवा स्वयं को कई मोड़ों पर भटकता हुआ पाता है। सही मार्गदर्शन के लिए भी अक्सर भटकता दिखता है। जबकि यहाँ उसे स्वयं के प्रति विश्वास से लबरेज होना चाहिए। अपनी क्षमताओं और प्रतिभाओं को खुद ही पहचानने और निखारने की क्षमता होनी चाहिए। उसे यह मानना चाहिए कि वह भी दुनिया के दूसरे सफलतम इंसानों की तरह है। यही आत्मविश्वास किसी बड़े मंत्र के रूप में किसी भी युवा बल्कि इंसान की आगे की राह को मजबूत करता है। दरअसल हरनाज की इस स्वीकारोक्ति के पीछे कहीं न कहीं हमारा भारतीय दर्शन भी छुपा हुआ है।

चंडीगढ़ में पली-बढ़ी 21 वर्षीय हरनाज संधू ने वहीं से स्कूली शिक्षा और कॉलेज की शिक्षा ग्रहण की। हरनाज संधू मॉडलिंग और एक्टिंग की दुनिया में भी सक्रिय हैं। वह 'यारां दियां पौ बारां' और 'बाई जी कुट्टांगे' जैसी पंजाबी फिल्मों में काम कर चुकी हैं। मिस यूनिवर्स के सबसे बड़े खिताब से पहले हरनाज संधू की झोली में और भी कई खिताब आ चुके हैं। 2017 में वह टाइम्स फ्रेश फेस मिस चंडीगढ़ रहीं, जबकि 2019 में उन्होंने फेमिना मिस इंडिया पंजाब का खिताब भी जीता और 2019 की फेमिना मिस इंडिया प्रतियोगिता के शीर्ष 12 प्रतिभागियों में जगह बना चुकी हैं। मिस दीवा 2021 का खिताब भी अपने नाम कर चुकी हैं। इस प्रतियोगिता में राष्ट्रीय वेशभूषा के अलावा इवनिंग गाउन और स्विम वियर के पारंपरिक प्रदर्शन के साथ-साथ प्रतियोगियों के सार्वजनिक मंच से बोलने की कौशल कला के परीक्षण और सवालों की एक श्रृंखला भी शामिल थी जिसमें उन्होंने सटीक जवाब देकर सबका दिल जीत लिया।

मिस यूनिवर्स प्रतियोगिता, 1952 में कैलिफोर्निया स्थित कपड़ा कंपनी पेसेफिक मिल्स द्वारा शुरू की गई थी। सौन्दर्य की दुनिया में यह सबसे ज्यादा मान्यता प्राप्त, प्रचारित और प्रतिष्ठित प्रतियोगिताओं में से एक है। इसमें सामान्यतः किसी देश के उम्मीदवार का चयन वहां के मुख्य शहरों में सौंदर्य प्रतियोगिताओं के जरिए होता है। जहां वहां के विजेता राष्ट्रीय सौंदर्य प्रतियोगिता में कॉम्पीटीशन के जरिए एक तय श्रृंखला के जरिए इस मंच तक पहुंचते हैं। इसमें विजेता प्रतिभागी को भारी-भरकम राशि बतौर प्राइज मनी मिलती है। इस प्रतियोगिता में विजेता के लिए प्राइज मनी से ज्यादा इससे मिलने वाली वह प्रसिद्धि है जिसके बाद वह एक लोकप्रिय शख्सियत बन जाते हैं। इस प्रतियोगिता के विजेताओं को तुरंत ही फिल्म व टीवी जगत में भरपूर काम व विज्ञापन भी मिलने लगते हैं। हमने सुष्मिता सेन और लारा दत्ता के मामलों में यही सब देखा है। हालांकि, प्राइज मनी के अमाउंट में कितनी सच्चाई है इसकी पुष्टि करना मुश्किल है।

एक प्रतिष्ठित बेवसाइट के अनुसार मिस यूनिवर्स को एक साल तक सैलेरी भी दी जाती है। मिस यूनिवर्स बनने के बाद एक साल तक यानी जब तक दूसरी मिस यूनिवर्स न चुन ली जाए, विजेता को न्यूयॉर्क शहर में एक खूबसूरत अपार्टमेंट भी निःशुल्क दिया जाता है। उसके खाने-पीने से लेकर यात्रा तक का सारा खर्च उठाया जाता है। मिस यूनिवर्स होने के नाते विजेता प्रतिभागी, ऑर्गनाइजेशन की चीफ एम्बैसडर भी बन जाती हैं, जिसके बाद उन्हें मीडिया और अलग-अलग देशों के कई ईवेंट्स में शामिल होने के मौके मिलते हैं। हाँ, मिस यूनिवर्स अपना क्राउन एक साल या तब तक जब नई मिस यूनिवर्स न चुन ली जाए, रख सकती हैं। इसके बाद वो क्राउन संस्था को लौटाना पड़ता है। यह क्राउन बहुत मंहगा होता है और इन्हें पहनना ही बहुत शान और फख्र की बात होती है।

काशी विश्वनाथ कॉरिडोर का महत्व

डा. वरिंदर भाटिया

प्रधानमंत्री ने 13 दिसंबर को वाराणसी में श्री काशी विश्वनाथ कॉरिडोर का लोकार्पण किया और कहा कि इससे देश को एक निर्णायक दिशा मिलेगी। इसका शिलान्यास प्रधानमंत्री ने 08 मार्च 2019 को किया था। 445 करोड़ रुपए की परियोजना को रिकॉर्ड समय दो वर्ष 9 माह नौ दिन में पूरा किया गया है। निर्माण के लिए 320 भवनों को क्रय किया गया जिसमें 498 करोड़ रुपए लागत आई। काशी विश्वनाथ मंदिर के वर्तमान स्वरूप का पुनर्निर्माण ढाई सौ वर्ष पूर्व इंदौर की महारानी अहिल्याबाई होल्कर ने वर्ष 1780 में कराया था। वहीं वर्ष 1853 में महाराजा रणजीत सिंह ने काशी विश्वनाथ मंदिर के शिखर को स्वर्ण से मंडित करवाया था। काशी विश्वनाथ कॉरिडोर के निर्माण में तकरीबन 400 मकानों, सैकड़ों मंदिरों और लोगों को कहीं और बसाना पड़ा है। विश्वनाथ मंदिर के काफी घनी आबादी में बने होने के कारण लगभग 400 संपत्तियों को ख़रीदा गया और लगभग 14 सौ लोगों को शहर में कहीं और बसाया गया।

विश्वनाथ मंदिर का रास्ता संकरा न पड़ जाए, इसलिए ज्ञानवापी मस्जिद समिति ने जमीन का एक टुकड़ा विश्वनाथ कॉरिडोर प्रोजेक्ट के लिए दे दिया है। जमीन मस्जिद से कुछ ही दूरी पर है। यह देश में सहिष्णुता की मिसाल है और काबिलेतारीफ है। लगभग 2 साल 8 महीने में इस प्रोजेक्ट के 95 प्रतिशत काम को पूरा कर लिया गया है। वर्तमान में इस कॉरिडोर में 2600 मजदूर और 300 इंजीनियर तीन शिफ़्टों में लगातार काम कर रहे हैं। इस कॉरिडोर को बनाने के दौरान जिन 400 मकानों को अधिग्रहित किया गया, प्रशासन के मुताबिक उससे काशी खंडोक्त 27 मंदिर, जबकि लगभग 127 दूसरे मंदिर प्राप्त हुए थे। कॉरिडोर में उन मंदिरों का भी संरक्षण किया जा रहा है। सनातन संस्कृति के विभिन्न प्राचीन ग्रंथों के अध्ययन से काशी का लोकोत्तर स्वरूप पूर्ण रूप से विदित होता है। काशी नगरी के बारे में कहा जाता है कि यह भगवान शंकर के त्रिशूल पर बसी है। अतः प्रलय होने पर भी इसका कभी विनाश नहीं होगा। काशी विश्वनाथ का मंदिर हजारों साल पुराना है। मुगल काल के दौरान इस मंदिर को नष्ट कर दिया था। 18वीं शताब्दी में महारानी अहिल्या बाई होल्कर ने इस मंदिर का जीर्णोद्धार करवाया। कहा जाता है कि इसके बाद महाराजा रणजीत सिंह ने यहां सोने के द्वार भी बनवाए थे। काशी विश्वनाथ मंदिर के शिखर पर सोने का छत्र लगा हुआ है। इसके

संबंध में मान्यता प्रचलित है कि इसके दर्शन मात्र से भक्त की सभी मनोकामनाएं पूरी हो सकती हैं। काशी में गंगा, वरुणा और असी यानी अस्सी नाम की पवित्र नदियां बहती हैं। यहां पर वरुणा और अस्सी नदी के बहने के कारण ही इस नगर को वाराणसी भी कहा जाता है। यह दोनों नदियां यहां से बहती हुई, आगे जाकर गंगा नदी में मिल जाती हैं। काशी के कई घाट बहुत प्रसिद्ध हैं। इनमें दशाश्वमेध घाट, मणिकर्णिका घाट, हरिशचंद्र घाट और तुलसी घाट आदि शामिल हैं। इन घाटों का विशेष महत्त्व है। इन घाटों से जुड़ी कई कथाएं धर्म ग्रंथों में मिलती हैं। काशी के 12 प्रसिद्ध नाम हैं। ये नाम इस प्रकार हैः काशी, वाराणसी, अविमुक्त क्षेत्र, आनंदकानन, महाश्मशान, रुद्रावास, काशिका, तपस्थली, मुक्तिभूमि, शिवपुरी, त्रिपुरारि राज नगरी और विश्वनाथ नगरी। महाभारत में भी काशी का उल्लेख है। यहां के राजा काशिराज की तीन पुत्रियां थीं। अंबा, अंबालिका और अंबिका। इनका स्वयंवर होने वाला था, तब भीष्म ने इन कन्याओं का अपहरण कर लिया था। महाभारत युद्ध में काशिराज ने पांडवों का साथ दिया था। बौद्ध धर्म के संस्थापक गौतम बुद्ध का भी काशी से संबंध है। बौद्ध काल में काशी राज्य कोसल जनपद में आता था। कोसल की राजकुमारी का मगधराज बिंबिसार के साथ विवाह हुआ था। इस विवाह में काशी को दहेज में दिया गया था। गौतम बुद्ध ने अपना पहला उपदेश वाराणसी के पास स्थित सारनाथ में दिया था। भौगोलिक स्थिति की बात करें तो काशी नगरी वर्तमान वाराणसी शहर में स्थित एक प्राचीन पौराणिक नगरी है, जो कि गंगा के वाम (उत्तर) तट पर उत्तर प्रदेश के दक्षिण-पूर्वी कोने में वरुणा और असी नदियों के गंगा संगमों के बीच बसी हुई है। इस स्थान पर गंगा ने प्रायः चार मील का दक्षिण से उत्तर की ओर घुमाव लिया है और इसी घुमाव के ऊपर यह पौराणिक नगरी स्थित है। इस नगर का प्राचीन 'वाराणसी' नाम लोकोच्चारण से 'बनारस' हो गया था जिसे उत्तर प्रदेश सरकार ने शासकीय रूप से पूर्ववत वाराणसी कर दिया है। काशी विश्वनाथ का इतिहास काफी महत्त्वपूर्ण है। विभिन्न जानकारियों के अनुसार माना जाता है कि यह मंदिर भगवान शिव और माता पार्वती का आदि स्थान है जिसका जीर्णोद्धार 11वीं सदी में राजा हरीशचंद्र ने करवाया था और वर्ष 1194 में मुहम्मद गौरी ने ही इसे तुड़वा दिया था। जिसे एक बार फिर बनाया गया, लेकिन वर्ष 1447 में पुनः इसे जौनपुर के सुल्तान महमूद शाह ने तुड़वा दिया। फिर साल 1585 में राजा टोडरमल की सहायता से पंडित नारायण भट्ट ने इसे बनाया गया था, लेकिन वर्ष 1632 में शाहजहां ने इसे तुड़वाने के लिए सेना की एक टुकड़ी भेज दी। लेकिन प्रतिरोध के कारण सेना अपने मकसद में कामयाब न हो पाई। इतना ही नहीं 18 अप्रैल 1669 में औरंगजेब ने इस मंदिर को ध्वस्त कराने के आदेश दिए थे। साथ ही धर्म परिवर्तन का आदेश पारित किया था। आने वाले समय में काशी मंदिर पर ईस्ट इंडिया का राज हो गया जिस कारण मंदिर का निर्माण रोक दिया गया। इस प्रकार इतिहास के अनुसार काशी मंदिर के निर्माण और विध्वंस की घटनाएं 11वीं सदी से लेकर 15वीं सदी तक चलती रही। हालांकि 30 दिसंबर 1810 को बनारस के तत्कालीन जिला दंडाधिकारी मिस्टर वाटसन ने 'वाइस प्रेसीडेंट इन काउंसिल' को एक पत्र लिखकर परिसर हमेशा के लिए आग्रहकर्ताओं को सौंपने के लिए कहा था। काशी विश्वनाथ कॉरिडोर बनने से वाराणसी में न केवल पर्यटन को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है, बल्कि श्रद्धालुओं को भी ढेर सारी सुविधाएं और सहूलियतें मिलेंगी। काशी विश्वनाथ का मंदिर अब गंगा से सीधे जुड़ गया है। श्रद्धालु जलासेन घाट, मणिकर्णिका और ललिता घाट पर गंगा स्नान कर सीधे बाबा के धाम में प्रवेश कर सकेंगे। विशालकाय बाबा धाम के 3 यात्री सुविधा केंद्रों में श्रद्धालुओं को अपना सामान सुरक्षित रखने, बैठने और आराम की सुविधा मिलेगी। कला और संस्कृति की नगरी काशी में कलाकारों के लिए एक और सांस्कृतिक केंद्र की सौगात मिलेगी। दो मंजिला इमारत सांस्कृतिक गतिविधियों के लिए है।

विश्वनाथ धाम आने वाले श्रद्धालुओं के लिए योग और ध्यान केंद्र के रूप में वैदिक केंद्र को स्थापित किया गया है। धाम क्षेत्र में बाहर से आने वाले श्रद्धालुओं के लिए स्पिरिचुअल बुक सेंटर धार्मिक पुस्तकों का नया केंद्र होगा। श्रद्धालुओं के लिए बाबा की भोगशाला भी स्थापित की गई है। यहां एक साथ 150 श्रद्धालु बैठकर बाबा विश्वनाथ का प्रसाद ग्रहण कर सकेंगे। सनातन धर्म में काशी में मोक्ष की मान्यता है। विश्वनाथ धाम में मुमुक्षु भवन बनाया गया है। इससे लगभग 100 कदम की दूरी पर महाश्मशान मणिकर्णिका है। विश्वनाथ धाम में प्रवेश के लिए विशालकाय द्वार बनाए गए हैं। पहले यहां सिर्फ संकरी गलियां थीं।

ऊर्जा संरक्षण के प्रति जागरूकता की दरकार

योगेश कुमार गोयल

प्रतिवर्ष 14 दिसम्बर को ऊर्जा के अपव्यय को कम करने, ऊर्जा बचाने और इसके संरक्षण के महत्व के बारे में लोगों को जागरूक करने के लिए देश में राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवस मनाया जाता है। यह दिवस प्रतिवर्ष एक खास विषय के साथ कुछ लक्ष्यों तथा उद्देश्यों को मद्देनजर रखते हुए लोगों के बीच इन्हें अधिक प्रभावशाली बनाने के लिए मनाया जाता है। ऊर्जा दक्षता ब्यूरो द्वारा वर्ष 2001 में देश में ऊर्जा संरक्षण अधिनियम लागू किया गया था। दरअसल दुनिया भर में पिछले कुछ दशकों में जनसंख्या तेजी से बढ़ी है और उसी के अनुरूप ऊर्जा की खपत भी निरंतर बढ़ रही है लेकिन दूसरी ओर जिस तेजी से ऊर्जा की मांग बढ़ रही है, उससे भविष्य में परंपरागत ऊर्जा संसाधनों के नष्ट होने की आशंका बढ़ने लगी है। अगर ऐसा होता है तो मानव सभ्यता के अस्तित्व पर ही प्रश्नचिन्ह लग जाएगा। यही कारण है कि भविष्य में उपयोग हेतु ऊर्जा के स्रोतों को बचाने के लिए विश्वभर में ऊर्जा संरक्षण की ओर विशेष ध्यान देते हुए इसके प्रतिस्थापन के लिए अन्य संसाधनों को विकसित करने की जिम्मेदारी बढ़ गई है। ऊर्जा की न्यूनतम मात्रा का उपयोग करने और इसके अनावश्यक उपयोग से बचने को ही 'ऊर्जा संरक्षण' कहा जाता है। ऊर्जा संरक्षण का सही अर्थ ऊर्जा के अनावश्यक उपयोग से बचते हुए कम से कम ऊर्जा का उपयोग करना है। ऊर्जा दक्षता ब्यूरो का कहना है कि ऊर्जा संरक्षण योजना को अधिक प्रभावशाली बनाने के लिए प्रत्येक व्यक्ति को अपने व्यवहार में ऊर्जा संरक्षण को शामिल करना चाहिए। विद्युत मंत्रालय द्वारा देश में ऊर्जा संरक्षण की प्रक्रिया को सुविधाजनक बनाने के लिए शुरू किया गया 'राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण अभियान' एक राष्ट्रीय जागरूकता अभियान है। देश में ऊर्जा संरक्षण तथा कुशलता को बढ़ावा देने के लिए वर्ष 1977 में केन्द्र सरकार द्वारा पेट्रोलियम संरक्षण अनुसंधान एसोसिएशन का गठन किया गया था। ऊर्जा दक्षता और ऊर्जा संरक्षण के महत्व के बारे में आम जनता में जागरूकता बढ़ाने के लिए वर्ष 2001 में एक अन्य संगठन 'ऊर्जा दक्षता ब्यूरो' (ब्यूरो ऑफ एनर्जी एफिशिएंसी) भी स्थापित किया गया।

ब्यूरो का कहना है कि प्रत्येक व्यक्ति छोटे-छोटे कदम उठाकर अपने घर अथवा कार्यालय में लाईट, पंखे, हीटर, कूलर, एसी तथा बिजली के अन्य किसी भी उपकरण के अनावश्यक उपयोग पर नियंत्रण करते हुए ऊर्जा की बचत कर सकता है। ऊर्जा संरक्षण के लिए कदम उठाकर भी प्रत्येक नागरिक देश के राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण अभियान में बहुत बड़ी मदद दे सकता है। अगर कुछ छोटे उपायों का उल्लेख किया जाए तो पुराने बल्बों के स्थान पर सीएफएल या एलईडी बल्बों का इस्तेमाल किया जाए। आई.एस.आई. चिन्हित विद्युत उपकरणों का ही उपयोग करें। यथासंभव दिन के समय सूर्य की रोशनी का अधिकतम उपयोग किया

ऊर्जा दक्षता ब्यूरो द्वारा वर्ष 2001 में देश में ऊर्जा संरक्षण अधिनियम लागू किया गया था। दरअसल दुनिया भर में पिछले कुछ दशकों में जनसंख्या तेजी से बढ़ी है और उसी के अनुरूप ऊर्जा की खपत भी निरंतर बढ़ रही है लेकिन दूसरी ओर जिस तेजी से ऊर्जा की मांग बढ़ रही है, उससे भविष्य में परंपरागत ऊर्जा संसाधनों के नष्ट होने की आशंका बढ़ने लगी है।

जाए और जरूरत न होने पर लाइटें, पंखे, कूलर, ए.सी., हीटर, गीजर इत्यादि विद्युत उपकरण बंद रखें। यथासंभव खाना पकाने के लिए बिजली के उपकरणों के बजाय सोलर कुकर और पानी गर्म करने के लिए बिजली के गीजर के बजाय सोलर वाटर हीटर के उपयोग को बढ़ावा दिया जाए। भवन निर्माण के समय प्लाट के चारों ओर वृक्ष लगाए जाएं तो प्रचंड गर्मी में भी भवन गर्म होने से बचेंगे और कूलर, एसी इत्यादि की जरूरत कम होगी।

मकानों या कार्यालयों में दीवारों पर हल्के रंगों के प्रयोग से कम रोशनी वाले बल्बों से भी कमरे में पर्याप्त रोशनी हो सकती है। इससे न केवल ऊर्जा संरक्षण अभियान में सहभागी बनकर हम भविष्य के लिए ऊर्जा बचाने में मददगार बनेंगे बल्कि अपना बिजली बिल भी सीमित रख सकेंगे। सार्वजनिक स्थानों पर सौर लाइटों की व्यवस्था होनी चाहिए। विशेषज्ञों के अनुसार कार्यस्थल पर दिन के समय प्राकृतिक रोशनी में कार्य करने वाले लोगों की कार्य क्षमता में वृद्धि होती है और ऊर्जा की खपत में अपेक्षित कमी आती है, वहीं तेज कृत्रिम रोशनी वाले स्थानों पर काम करने से कर्मियों में तनाव, सिरदर्द, रक्तचाप, थकान जैसी स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं देखी जाती हैं। इससे उनकी कार्य क्षमता पर भी नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। इसलिए ऑफिस में यदि पर्याप्त प्राकृतिक रोशनी का व्यवस्था हो तो इससे ऊर्जा संरक्षण होने के साथ-साथ कर्मचारियों की कार्यक्षमता भी बढ़ती है।

प्रतिवर्ष देश में हजारों गैलन पानी बर्बाद होता है, इसलिए ऊर्जा संरक्षण की बात करते समय जल की बर्बादी को रोकने पर पर्याप्त ध्यान दिया जाना भी बेहद जरूरी है। हालांकि दैनिक जीवन में उपयोग के लिए जीवाश्म ईंधन, कच्चे तेल, कोयला, प्राकृतिक गैस इत्यादि ऊर्जा स्रोतों द्वारा पर्याप्त ऊर्जा उत्पन्न की जा रही है लेकिन ऊर्जा की लगातार बढ़ती मांग को देखते हुए भविष्य में इन ऊर्जा संसाधनों की अत्यधिक कमी होने या इनके समाप्त होने का भय पैदा हो गया है। यही कारण है कि भारत सहित दुनियाभर में अब ऊर्जा के गैर-अक्षय संसाधनों के मुकाबले अक्षय ऊर्जा संसाधनों की मांग निरंतर तेजी से बढ़ रही है। भारत में भी अक्षय ऊर्जा उत्पादन क्षमता बढ़ाने पर जोर दिया जा रहा है और सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा इत्यादि का उत्पादन बढ़ाने के लिए बड़ी-बड़ी परियोजनाएं स्थापित की जा रही हैं। अक्षय ऊर्जा असीमित और प्रदूषणरहित ऊर्जा है, जिसका नवीकरण होता रहता है। ऊर्जा संरक्षण की आदतों को अपनाने के साथ ही ऐसे अक्षय ऊर्जा संसाधनों की ओर कदम बढ़ाना आज समय की सबसे बड़ी मांग है।

ग्लोबल वार्मिंग तथा जलवायु परिवर्तन से बचाव के दृष्टिगत भी अक्षय ऊर्जा संसाधनों को प्रोत्साहित किया जाना जरूरी है। न केवल भारत बल्कि पूरी दुनिया के समक्ष बिजली जैसी ऊर्जा की महत्वपूर्ण जरूरतें पूरी करने के लिए सीमित प्राकृतिक संसाधन हैं, साथ ही पर्यावरण असंतुलन और विस्थापन जैसी गंभीर चुनौतियां भी हैं। इन चुनौतियों से निपटने के लिए अक्षय ऊर्जा ऐसा बेहतरीन विकल्प है, जो पर्यावरणीय समस्याओं से निपटने के साथ-साथ ऊर्जा की जरूरतों को पूरा करने में भी कारगर साबित होगा लेकिन ऊर्जा के संसाधन गैर-अक्षय हों या अक्षय, हमें अपने जीवन में ऊर्जा के महत्व को समझते हुए ऊर्जा संरक्षण के प्रति जागरूक होना ही होगा। देश के प्रत्येक नागरिक का दायित्व है कि ऊर्जा चाहे किसी भी रूप में हो, वह उसे व्यर्थ में नष्ट न करे।

मानवता व भाईचारे की मिसाल भी पेश कर गया ऐतिहासिक किसान आंदोलन

निर्मल रानी

केंद्र सरकार द्वारा किसानों पर थोपे जा रहे तीन काले कृषि कानूनों को आखिरकार सरकार को वापस लेना ही पड़ा। इसके कानूनी दांव पेंच व किसानों को इससे होने वाले नफा नुकसान के अलावा इस पूरे आंदोलन को देश विदेश में कई अलग अलग नजरिये से भी देखा गया। इस आंदोलन में जहाँ राष्ट्रीय स्तर पर किसानों की जबरदस्त एकजुटता सामने आई वहीं इसमें उनका त्याग, तपस्या, समर्पण, जुझारूपन, सूझ बूझ, सहनशीलता, प्रेम, बलिदान, मानवता आदि सब कुछ साफ नजर आया।

निश्चित रूप से सरकार द्वारा तीनों विवादित कृषि कानूनों के वापस लेने तथा इसके बाद किसान आंदोलन के समाप्त होने की घोषणा से देश ने राहत की सांस ली है। परन्तु एक वर्ष तक लगातार एक ही स्थान पर बने रहने वाले आंदोलनकारी किसानों के वापस चले जाने से आंदोलन स्थलों के आस पास के उन गरीबों, मजदूरों व झुग्गी झोपड़ी में रहने वालों के लिये आंदोलन की समाप्ति और उनकी घर वापसी, मायूसी व उदासी का पैगाम लेकर आई। दिल्ली के चारों ओर जिन जिन सीमाओं पर आंदोलनकारी किसान धरना प्रदर्शन कर रहे थे उन सभी सीमाओं पर कई कई जगह लंगर व 'गुरु का लंगर' संचालित किया जा रहा था। 'अन्नदाताओं ' ने यह लंगर केवल आंदोलनकारी किसानों के लिये नहीं बल्कि हर खास-ो-आम के लिये लगाये थे। देश दुनिया को शुद्ध खाद्य सामग्री उपलब्ध कराने वाला 'अन्नदाता ' यहाँ भी शुद्ध देसी घी के लंगर चला रहा था। दिल्ली के अनेक गुरुद्वारों ने किसानों को लंगर सेवायें उपलब्ध कराई हुई थीं।

तीनों वक्त की शुद्ध व ताजी रोटी, पराठों व दाल सब्जी के अतिरिक्त किसानों के लंगर में ड्राई फ्रूट, फल, दूध, दही लस्सी, मिठाई आदि सब कुछ उपलब्ध था। ऐसे में आंदोलन स्थल के वे लाखों पड़ोसी, गरीब व मजदूर जिन्होंने पूरे एक वर्ष तक सपरिवार किसानों के लंगर का भोजन व नाश्ता किया तथा अन्य पकवान खाये, उनके लिये इस आंदोलन का समाप्त होना कुछ ऐसा ही रहा जैसे उनके सामने से लंगर व पकवान की थाली खींच ली गयी हो। आंदोलन स्थल के निकटवर्ती लोगों का आंदोलनकारियों के साथ एक भावनात्मक व सहयोगपूर्ण रिश्ता कायम हो गया था जोकि इस आंदोलन की समाप्ति के साथ ही केवल यादों व स्मृतियों में शेष रह गया।

ऐसे सैकड़ों लोग आंदोलनकारी किसानों की घर वापसी के समय अश्कबार आँखों व मायूस चेहरों के साथ घर वापसी करने वाले किसानों का सहयोग करते दिखाई दिये। किसान आंदोलन ने केवल मनुष्यों मात्र नहीं बल्कि लावारिस पशुओं के प्रति भी ऐसी मानवता दिखाई कि पशु भी किसानों

के मोह से अछूते नहीं रहे। सिंघू बॉर्डर पर आंदोलन की शुरुआत में एक कुतिया ने कुछ बच्चे जन्मे थे। इनमें से एक बच्चा किसानों का लाडला बन गया। आंदोलन समाप्ति के समय वह बच्चा लगभग एक वर्ष का हो चुका था। जब उसने देखा कि ट्रैक्टर ट्रॉली पर सामान लाद किसान वापस जाने की तैयारी में लगे हैं तो वह कुत्ता भी किसी तरह कूद फांद कर ट्रॉली में सवार हो गया। और 'अन्नदाता ' उस कुत्ते को भी आंदोलन स्थल की निशानी के रूप में ट्रैक्टर ट्रॉली में बिठा कर अपने साथ पंजाब ले आये। राष्ट्रीय स्तर पर किसानों की एकजुटता के लिये तो यह आंदोलन मिसाल बना ही साथ साथ पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, उत्तरांचल व उत्तर प्रदेश के किसानों की एकजुटता का भी कारक बना। 2014 के बाद एक बड़ी साजिश के तहत जिस पश्चिमी उत्तर प्रदेश को सांप्रदायिकता की आग में झोंक कर राजनीति के शातिरों द्वारा भरपूर राजनैतिक लाभ उठाया गया था इस आंदोलन ने काफी हद तक नफरत की इस खाई को पाटने की कोशिश की है। पश्चिमी उत्तर प्रदेश के किसानों को बखूबी समझ आ गया कि हिन्दू मुस्लिम व ऊंच नीच के वर्गों में बांटकर सत्ता द्वारा 'बांटो और राज करो ' की अंग्रेजी नीति का अनुसरण किया जा रहा है। जबकि सभी किसानों की मांगें भी एक हैं मुद्दे भी एक।

जाहिर है यह अन्नदाताओं की एकजुटता ही थी जिसके चलते पूजा-पाठ, अरदास, रोजा-नमाज, इफ्तार आदि सब कुछ एक ही पिण्डाल व एक ही छत के नीचे अदा होते देखे गये। हरियाणा पंजाब के किसानों की एकजुटता के भी तमाम किस्से आंदोलन की समाप्ति के बाद सुनाई दे रहे हैं। जब एक भाजपा विधायक के उपद्रव से आहत होकर जनता के सामने राकेश टिकैत की आँखों से आंसू बहे थे उस रात हरियाणा के लाखों किसानों ने जबरदस्त सर्दी, ठिठुरन व धुंध के बावजूद टिकैत के आंसुओं के जवाब में रातों रात हरियाणा के विभिन्न इलाकों से दिल्ली की ओर मार्च किया था। और इसी घटना से किसान आंदोलन को ऐसा प्रोत्साहन मिला कि आखिरकार आन्दोलन की परिणिति किसानों की फतेह के रूप में सामने आई। पंजाब के किसान नेता जोगिन्दर सिंह उगराहां का हरियाणा के किसानों के सहयोग व भाई चारे को दर्शाने वाला बयान खूब वायरल हुआ। किसान आंदोलन की दिल्ली की सीमाओं पर गुजारी गयी पहली रात को याद करते हुए उगराहां ने कहा कि- 'आंदोलन स्थल पर पहली रात किसानों ने बिना दूध की चाय पी थी। परन्तु सुबह हरियाणा के किसानों ने इतना दूध भेज दिया कि दूध रखने के लिये बर्तन ही नहीं बचे।

ऐसे में पंजाब व हरियाणा के किसानों के साथ को कभी भूला नहीं जा सकता।' कई ऐसी बातें भी हुई जो इस पूरे शांतिपूर्ण आंदोलन के लिये बदनामी का सबब बनीं। जैसे 26 जनवरी को किसानों के एक वर्ग व उसमें कुछ शरारती तत्वों का लाल किले पर हुड़दंग मचाना, निहंग द्वारा किसी सेवादार का हाथ काट देना आदि इसतरह के और भी कई नकारात्मक समाचार आए। इनमें कई दुर्भाग्यपूर्ण थे तो कुछ दुर्भावनापूर्ण साजिश का हिस्सा। परन्तु सत्ता की सभी शतरंजी चालों का जवाब देश के किसानों ने अत्यंत धैर्य व संयम के साथ दिया।

जिसमें आखिरकार किसानों की फतेह हुई और अहंकारी सत्ता की बेशर्मी भरी हार। कुल मिलाकर यह कहा जा सकता है कि देश द्रोही, देश विरोधी, खालिस्तानी, नक्सल व आन्दोलनजीवी जैसे न जाने कितने आरोपों का मुंहतोड़ जवाब देते हुए यह ऐतिहासिक किसान आंदोलन मानवता व भाईचारे की भी एक जबरदस्त मिसाल भी पेश कर गया।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक विजय कुमार द्वारा आदित्य ग्राफिक्स, प्रताप भवन 5, बहादुर शाह जफर मार्ग, आई.टी.ओ. नई दिल्ली-110002 से मुद्रित कराकर 1536/108 गणेशपुरा रोड, त्रीनगर दिल्ली-110035 से प्रकाशित। सम्पादक : विजय कुमार RNI No. : DELHIN/2015/66886
अखबार में प्रकाशित तथ्यों एवं लेखों से सम्पादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं, किसी भी कानूनी वाद विवाद का निपटारा दिल्ली न्यायालय के अधीन होगा। मोबाइल : 9210092542 फोन :- 011-46696546 E-mail : opensearchdelhi@gmail.com
सम्पादकीय कार्यालय :- 15&16/ सिंधिया हाउस, कस्तूरवा गांधी मार्ग, कनॉट प्लेस, नई दिल्ली-110001

एक नज़र

जालंधर में आनलाइन परीक्षाओं को लेकर विद्यार्थी आज निकालेंगे रैली, शिक्षा मंत्री परगट सिंह को देंगे ज्ञापन

जालंधर (एजेंसी) गुरु नानक देव यूनिवर्सिटी से जुड़े सभी कॉलेजों के शिक्षक हड़ताल पर चल रहे हैं और प्रेक्टिकल की परीक्षाएं भी मुल्तवी कर दी गई है। ऐसे में विद्यार्थियों ने यूनिवर्सिटी सहित उच्च शिक्षा मंत्री परगट सिंह से आनलाइन परीक्षाएं कराने की मांग की है ताकि उनका कीमती समय भी खराब ना हो और ना ही आगे की पढ़ाई का सेशन भी शुरू देरी से ना हो। इस मांग को लेकर विद्यार्थियों की तरफ से करीब 12 बजे लायलपुर खालसा कालेज नजदीक बस स्टैंड से विद्यार्थियों की रैली निकाली जाएगी।

जो शिक्षा मंत्री के घर तक पहुंचकर संपन्न होगी। वहीं मंत्री को मांग पत्र दिया जाएगा कि उनकी पढ़ाई का ख्याल रखते हुए परीक्षाएं ऑनलाइन ही करवाई जाए क्योंकि अध्यापक तो पहले ही हड़ताल पर चल रहे हैं और कोविड-19 के बाद आ रहे नए वेरिएंट का भी खतरा मंडरा रहा है। इससे पहले कोविड-19 में विद्यार्थियों की ऑनलाइन परीक्षाएं हुई थी। मगर विद्यार्थियों के भविष्य को लेकर किया गया तब फैसला बहुत देरी के बाद उठाया गया था। जिस वजह से अगला सेशन भी देरी से शुरू हुआ। यूनिवर्सिटी और उच्च शिक्षा मंत्री से यही अपील है कि विद्यार्थियों की स्थिति और पढ़ाई का ध्यान रखते हुए उनकी मांग को जल्द से जल्द स्वीकार किया जाए। काबिले जिक्र हो कि इसी मांग को लेकर विद्यार्थियों की तरफ से उच्च शिक्षा मंत्री परगट सिंह व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी सहित यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर सहित आला अधिकारियों को ईमेल के जरिए भी यही मांग उठाई है ताकि समय रहते ही ऑनलाइन परीक्षा संबंधी फैसला लिया जा सके।

हालांकि यूनिवर्सिटी की तरफ से भी स्पष्ट तौर पर कहा गया है कि परीक्षाएं आफलाइन ही होंगी क्योंकि आनलाइन परीक्षाओं का कोई भी वजूद सामने नहीं आ रहा है। इसके अलावा यह भी तर्क दिया गया कि अध्यापकों की जल्दी हड़ताल भी संपन्न हो जाएगी और जैसे ही हड़ताल खत्म होती है परीक्षाओं संबंधी डेटशीट जारी कर दी जाएगी।

लुधियाना के लाडोवाल टोल प्लाजा से धरना हटाएंगे किसान, आज से वाहन चालकों को देना होगा टोल टैक्स

लुधियाना (एजेंसी) किसान आंदोलन समाप्त होने के बाद सभी टोल प्लाजा पर बैठे किसान संगठन बुधवार को अपना धरना उठा लेंगे। इसके साथ ही नेशनल हाईवे अथारिटी आफ इंडिया फिर से टोल टैक्स वसूलने की प्रक्रिया शुरू कर देगी। हालांकि लाडोवाल टोल प्लाजा से अब तक किसानों ने धरना समाप्त नहीं किया है। उम्मीद है कि बुधवार को सुखमणि साहिब के पाठ के साथ धरना उठा लिया जाएगा। दोपहर तक टोल प्लाजा खाली कर दिया जाएगा और इसके बाद टोल की वसूली शुरू हो जाएगी।

वहीं, लाडोवाल बाईपास पर बने नए टोल पर बुधवार सुबह से टोल टैक्स वसूलना शुरू हो जाएगा। यह टोल प्लाजा 1 अप्रैल से बनकर तैयार है लेकिन इस बीच किसान आंदोलन होने के कारण इसे शुरू नहीं किया जा सका था। इस प्लाजा का संचालन करने वाली कंपनी ने यहां कंप्यूटर इंस्टाल कर दिए हैं और उन्हें सर्वर से भी जोड़ दिया है। फास्टैग का सिस्टम लगा दिया गया है। एनएचएआइ के प्रोजेक्ट डायरेक्टर वीरेंद्र शर्मा का कहना है कि टोल प्लाजा शुरू करने के लिए सभी औपचारिकताएं पूरी कर ली गई हैं।

लाडोवाल से किसान अभी नहीं हटे हैं। ऐसे में अभी टोल शुरू नहीं किया गया है। मंगलवार रात 12 बजे के बाद से टोल वसूलना शुरू होना था। उम्मीद है कि किसान बुधवार दोपहर तक प्लाजा को खाली कर देंगे। उसके बाद टोल वसूलना शुरू किया जाएगा। गौरतलब है कि टोल प्लाजा शुरू होने से वाहन चालकों की परेशानी बढ़ने के आसार है।

हरियाणा में बिजली चोरों के बाद अब नशा तस्कर निशाने पर, विशेष छापेमारी में 100 गिरफ्तार

चंडीगढ़ (एजेंसी) बिजली चोरों के खिलाफ लगातार छापामारी अभियान के बाद अब प्रदेश सरकार ने नशे के अवैध कारोबार में शामिल लोगों के खिलाफ मोर्चा खोला है। गत दिवस पूरे प्रदेश में एक साथ अभियान चलाया गया, जिसमें हरियाणा राज्य नारकोटिक्स नियंत्रण ब्यूरो की सात और एसटीएफ की आठ टीमों सहित पुलिस की कुल 442 टीमों ने 1169 स्थानों पर छापेमारी की। इस दौरान एनडीपीएस एक्ट के तहत 98 एफआइआर दर्ज कराते हुए 100 लोगों को गिरफ्तार किया गया।

छापामारी अभियान में नशे तस्करी के सर्वाधिक मामले राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली से सटे फरीदाबाद, गुरुग्राम, झज्जर और सोनीपत में मिले। इसी तरह पंजाब की सीमा से सटा सिरसा नशे की बरामदगी और गिरफ्तारियों के मामले में पांचवें स्थान पर रहा। गृह मंत्री अनिल विज ने नशा तस्करों के खिलाफ सुबह पांच बजे शुरू हुए अभियान की जानकारी देते हुए कहा कि आगे और सख्ती बरती जाएगी। इस दौरान गृह सचिव राजीव अरोड़ा उनके साथ थे। विशेष छापामारी अभियान में कुल 3315 पुलिस कर्मचारी शामिल हुए।

गृह मंत्री ने कहा कि प्रदेश से नशे को जड़ से खत्म करने के लिए यह बड़ा अभियान चलाया गया। इस अभियान की रूपरेखा हाल ही में हुई विभाग की बैठक में तैयार कर ली गई थी। सोमवार को पुलिस द्वारा इस अभियान को अंजाम दिया गया। उन्होंने कहा कि इस तरह के अभियान आगे भी जारी रहेंगे। नशे के खिलाफ जंग में उत्तर भारत के सात राज्य मिलकर लड़ रहे हैं। नशा तस्करों का नेटवर्क तोड़ने के लिए हरियाणा, पंजाब, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, राजस्थान, दिल्ली और चंडीगढ़ ने साझा वार रूम बनाया है जिसका मुख्यालय पंचकूला में है।

यहां से नशा तस्करों के खिलाफ पूरी रणनीति को अंजाम दिया जाता है। जम्मू-कश्मीर और उत्तर प्रदेश की सरकारों को भी नशे से निपटने की लड़ाई में शामिल करने की रणनीति पर काम चल रहा है। हरियाणा ने एक कदम और बढ़ाते हुए नशे से निपटने के लिए राज्य और जिला स्तर पर एसटीएफ का गठन किया है। इसके सकारात्मक परिणाम आए हैं।

गली में कुत्ता घुमाने से रोकने पर हुआ विवाद, वृद्धा की पीट-पीटकर हत्या

यमुनानगर (एजेंसी) फर्कपुर थाना क्षेत्र की जवाहरनगर कालोनी में 60 वर्षीय सीता देवी की पड़ोसी मोनू ने पीट-पीटकर हत्या कर दी। विवाद कुत्ता घुमाने से रोकने को लेकर हुआ था। पहले भी आरोपित के साथ इस बात को लेकर कई बार झगड़ा हो चुका था। वारदात के आरोपित फरार हो गया। जांच अधिकारी एसआइ सुमेश पाल ने बताया कि मामले में मृतका की पुत्रवधु संजोगिता के बयान पर आरोपित के खिलाफ केस दर्ज किया है।

शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया गया है। आरोपित की तलाश की जा रही है। संजोगिता ने बताया कि मंगलवार की दोपहर उनकी सास सीता देवी घर के बाहर ही गली में कपड़े धो रही थी। इसी दौरान पड़ोस का ही मोनू वहां पर अपना कुत्ता लेकर आया था। कुछ देर में सास के चीखने चिल्लाने की आवाज आई। वह तुरंत घर से बाहर आई, तो देखा कि मोनू उसकी सास को डंडे से पीट रहा है। उसकी बाजू व सिर पर आरोपित ने कई वार किए। मारते पीटते हुए धक्का दे दिया।

जिससे वह सड़क पर जा गिरी और सिर में चोट लगने से बेहोश हो गई। इतने में आसपास के लोग एकत्र होने लगे, तो आरोपित वहां से फरार हो गया। बाद में सास में कालोनी के ही एक चिकित्सक के पास लेकर गए। उसने निजी अस्पताल के लिए रेफर कर दिया। उसे दूसरे चिकित्सक के पास लेकर गए। जहां इलाज के दौरान उसकी देर रात मौत हो गई।

आरोपित मोनू का जवाहरनगर कालोनी में ही प्लाट है। यहां पर वह अक्सर अपना कुत्ता लेकर आता रहता है। पहले भी उसे कुत्ता यहां लेकर आने से सीता देवी ने रोका था, क्योंकि सीता देवी के घर पर बंधा कुत्ता भी उसके कुत्ते को देखकर भौंकने लगता था। जिससे काफी हंगामा होता था।

हरियाणा में मंत्रिमंडल विस्तार किसी भी समय संभव, भाजपा व जजपा में बन चुकी मंत्रियों को लेकर सहमति

चंडीगढ़ (एजेंसी)
हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल की काशी यात्रा के चलते राज्य में किसी भी समय मंत्रिमंडल का विस्तार होने की खबरें आ रही हैं। भाजपा व जजपा कोटे से कौन-कौन मंत्री बनेंगे, इस पर दोनों पार्टियों में लगभग सहमति बन चुकी है। भाजपा सूत्रों के अनुसार मुख्यमंत्री मनोहर लाल की काशी में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा से इस बारे में चर्चा हुई है।

इस अनौपचारिक बातचीत के दौरान राज्य की राजनीतिक गतिविधियों पर बातचीत होने की खबर है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुख्यमंत्री की दिल्ली में पहले ही मुलाकात हो चुकी थी। मुख्यमंत्री मनोहर लाल बुधवार शाम को काशी से चंडीगढ़ लौटेंगे। 16 दिसंबर को चंडीगढ़ नगर निगम के चुनाव प्रचार में रहेंगे। इसी दिन वह विधानसभा की बिजनेस एडवाइजरी कमेटी की बैठक में हिस्सा लेंगे। 17 दिसंबर से विधानसभा का शीतकालीन सत्र शुरू होगा, जो 22 दिसंबर तक चलेगा। ऐसे में माना जा रहा है कि राज्य में मंत्रिमंडल विस्तार और बदलाव कभी भी हो सकता है। हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय भी हाल-फिलहाल प्रदेश से बाहर नहीं जा रहे हैं। सूत्रों का कहना है कि बुधवार को भाजपा हरियाणा में होने वाले शहरी निकाय चुनाव पर फाइनल मंथन करेगी। भाजपा व जजपा नेताओं की कोशिश है कि शहरी निकाय चुनाव से पहले मंत्रिमंडल के विस्तार संबंधी काम को पूरा कर लिया जाए। बाबा भोलेनाथ की नगरी काशी में भाजपा शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों के बीच हरियाणा सरकार की विभिन्न पहल को खूब सराहा गया। मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने अपने राज्य में शुरू की गई नई परियोजनाओं और भ्रष्टाचार रहित सिस्टम की जानकारी मुख्यमंत्रियों व उप मुख्यमंत्रियों को दी। इनमें से कई पहल और योजनाएं विभिन्न राज्य

सरकारें अपने-अपने प्रदेशों में शुरू भी कर चुके हैं। मनोहर लाल ने कहा कि उनकी सरकार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास के मंत्र पर तेजी से आगे बढ़ रही है। मुख्यमंत्री मनोहर लाल बुधवार शाम को चंडीगढ़ लौटेंगे। इससे पूर्व सोमवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ मुख्यमंत्री मनोहर लाल काशी में गंगा घाट के किनारे गंगा मैया की आरती में शामिल हुए थे। इस मनमोहक, आध्यात्मिक और विहंगम दृश्य की मुख्यमंत्री ने खुद अपने मोबाइल से वीडियो बनाई और उसे प्रदेशवासियों के लिए भेजा। मंगलवार को मुख्यमंत्री भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा और विभिन्न राज्यों के मुख्यमंत्रियों के साथ गोवर्धन धाम स्थित जैव संरक्षण परियोजना का अवलोकन करने गए। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हाल ही में इस परियोजना का लोकार्पण किया है। मुख्यमंत्री ने काशी से करीब 10 किलोमीटर दूर भगवान तथागत की उपदेश स्थली सारनाथ का भी दौरा किया। यहां भी भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा और विभिन्न राज्यों के मुख्यमंत्री व उप मुख्यमंत्री साथ रहे। पुरातात्विक संग्रहालय परिसर में सभी ने लाइट एंड लेजर शो को देखा। मुख्यमंत्री ने इसे अद्भुत बताया। मनोहर लाल चंदौली में पंडित दीनदयाल उपाध्याय की प्रतिमा पर भी गए। वहां जेपी नड्डा समेत सभी मुख्यमंत्रियों ने फोटो कराई। इससे पहले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ भाजपा शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों व उप मुख्यमंत्रियों का सम्मेलन हुआ। इसमें मनोहर लाल दांयी तरफ एक सीट छोड़कर सबसे आगे बैठे थे। गंगा मैया की आरती के दौरान भी मनोहर लाल प्रधानमंत्री के साथ ही रहे। ऐसे कई मौके आ चुके हैं, जब प्रधानमंत्री मोदी हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल की सरकार के कामकाज की दिल खोलकर तारीफ कर चुके हैं। इस दौरान मुख्यमंत्रियों व उप मुख्यमंत्रियों के साथ हुई चर्चा में मनोहर लाल ने अपने राज्य में संचालित बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ योजना, लाल डोरे की जमीन की स्वामित्व योजना, परिवार पहचान पत्र बनाने की योजना, गरीबी दूर करने के लिए लगाए जा रहे अंत्योदय ग्राम मेलों की जानकारी दी। मुख्यमंत्री ने बताया कि हरियाणा में साढ़े चार सौ सरकारी योजनाओं की आनलाइन सेवाएं दी जा रही हैं। भ्रष्टाचार पर नकेल कसने के लिए सभी विभागों को डिजिटल मोड पर लाया जा रहा है।

काफी विभाग इस प्रक्रिया को पूरा कर चुके हैं। इसके अलावा शिक्षकों के आनलाइन तबादलों के बाद विभिन्न विभागों में इस प्रक्रिया को अपनाया गया है, जिसके काफी अच्छे नतीजे सामने आए हैं। मनोहर लाल ने पढ़ी लिखी पंचायतों और नए उद्योगों के लिए बढ़िया माहौल का जिक्र करते हुए कहा कि हरियाणा सरकार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सबका साथ और सबका विकास के मूल मंत्र पर तेजी के साथ आगे बढ़ रही है।

पंजाब में कमजोर वर्ग के लिए 25000 घरों के अलाटमेंट के लिए आवेदन मांगने को कैबिनेट की मंजूरी

चंडीगढ़ (एजेंसी)
आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों को घर मुहैया करवाने के लिए मंत्रिमंडल ने गत दिवस अलग-अलग शहरी विकास प्राधिकरण द्वारा बनाए जाने वाले 25,000 (ईडब्ल्यूएस) घरों की अलॉटमेंट के लिए आवेदन मांगने को मंजूरी दे दी है।

रिहायशी इकाइयों का क्षेत्र लगभग 30 वर्ग मीटर होगा। यह गरीब समर्थकीय स्कीम राज्य के लगभग 25000 परिवारों, जिनके पास कोई रिहायशी जगह नहीं है, को लाभ पहुंचाने में मददगार होगी। यह फैसला पंजाब भवन में मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी की अध्यक्षता अधीन हुई मंत्रिमंडल की बैठक के दौरान लिया गया।

मुख्यमंत्री कार्यालय के प्रवक्ता के अनुसार इस समय सभी विकास प्राधिकरण जैसे गमाडा (233.588 एकड़), गलाडा (73.29 एकड़), पीडीए (16.52 एकड़), बीडीए (13.48 एकड़), जेडीए (11.25 एकड़) और एडीए (48.92 एकड़) में ई.डब्ल्यू.एस. हाउसिंग के लिए 397.048 एकड़ जमीन उपलब्ध है।

बता दें, पंजाब ईडब्ल्यूएस हाउसिंग नीति को 9 मार्च, 2021 को कैबिनेट द्वारा मंजूरी दी गई थी, क्योंकि ऐसे 25,000 ईडब्ल्यूएस घर, आवास निर्माण और शहरी विकास विभाग के अधीन विशेष शहरी योजना और विकास प्राधिकरणों द्वारा बनाए जाएंगे। मंत्रिमंडल ने डेवलपर्स के शेष बकाये जैसे कि ईडीसी पर 10 फीसद साधारण ब्याज जमा 3 फीसद जुर्माना ब्याज घटाकर शहरी विकास प्राधिकरण में 8.5 फीसद सालाना करने का फ़ैसला किया है। इसके अलावा मंत्रिमंडल ने नए और चल रहे प्रोजेक्टों के लिए ब्याज की साधारण और जुर्माना दरों को घटाकर 7.5 फीसद सालाना और 10 फीसद सालाना करने का फ़ैसला किया है। 1 अप्रैल, 2022 से शुरू होने वाले साल 2022-23 के आगामी खरीद सीजन को ध्यान में रखते हुए मंत्रिमंडल ने लेबर और ढुलाई और अनाज की मंडियों से इसके भंडारण स्थानों तक ले जाने के लिए साल 2022 के लिए पंजाब फूड ग्रेन लेबर एंड कारटेज नीति और पंजाब फूड ग्रेन ट्रांसपोरटेशन नीति को मंजूरी दे दी है। मंत्रिमंडल द्वारा स्वीकृत की गई दोनों नीतियों के अंतर्गत अनाज की ढुलाई के अलावा लेबर और कारटेज का काम पारदर्शी ऑनलाइन टेंडर प्रणाली के द्वारा अलॉट किया जाएगा। कोविड-19 की दूसरी लहर के दौरान लॉकडाउन के कारण ट्रांसपोर्ट सेक्टर को हुए बड़े वित्तीय नुकसान से राहत देने के लिए मंत्रिमंडल ने ठेके पर चलने वाले वाहनों (16 सीटों तक), धार्मिक संस्था की बसें और स्टेज कैरीएज बसें (35 सीट तक) को मोटर व्हीकल टैक्स से छूट देने की मंज़ूरी दे दी है।

इन फ़ैसलों से सभी किस्मों की स्टेज कैरीएज बसें (35 सीटों तक, प्राईवेट/एसटीयू) के लिए मौजूदा दरें 30,000 रुपये से कम कर 20,000 रुपये प्रति बस प्रति वर्ष हो जाएंगी और मोटर व्हीकल टैक्स की दर में 5 प्रतिशत सालाना वृद्धि ख़त्म हो जाएगी। इसके अलावा 20 मई, 2020 से 31 दिसंबर, 2020 तक 16 सीटों वाले ठेके पर चलने वाले वाहनों को और 23 मार्च, 2020 से 31 दिसंबर, 2020 तक धार्मिक संस्थाओं की बसों को मोटर व्हीकल टैक्स से छूट दी गई है।

चंडीगढ़ में 6.80 लाख लोगों को लगी कोरोना वैक्सीन की दोनों डोज, 2 लाख ने नहीं लगवाया दूसरा टीका

चंडीगढ़ (एजेंसी) चंडीगढ़ में 80 फीसद से अधिक लोग कोविड वैक्सीन की दोनों डोज लगा चुके हैं। स्वास्थ्य विभाग की मानें तो अब तक 80.74 फीसद यानी 6,80,652 लोगों को वैक्सीन के दोनों टीके लग चुके हैं। वहीं, 113.33 फीसद यानी 9,55,406 लोगों को वैक्सीन का पहला टीका लगा है। बीते 24 घंटे में 3,452 लोगों का टीकाकरणक किया गया।

बीते एक हफ्ते में रोजाना औसत 3,770 लोगों का टीकाकरण किया गया। केंद्र से यूटी स्वास्थ्य विभाग को 8.43 लाख लोगों के टीकाकरण का लक्ष्य मिला है। ओमिक्रोन वेरिएंट को ध्यान में रखते हुए जिन लोगों का कोरोना टीकाकरण नहीं हुआ है। उनका जल्द से जल्द टीकाकरण कराने के लिए स्वास्थ्य विभाग हर संभव प्रयास कर रहा है। बता दें शहर में ओमिक्रोन वैरिएंट से ग्रस्त मरीज सामने आ चुका है। ओमिक्रोन वैरिएंट की दस्तक की वजह से लोगों में तीसरी लहर को लेकर चिंता सता रही है। इस बीच चंडीगढ़ प्रशासन की ओर से भी नए वैरिएंट को रोकने के लिए स्वास्थ्य विभाग की ओर से कदम उठाए जा रहे हैं। विदेश से लौट रहे संक्रमित मरीजों में ओमिक्रोन वैरिएंट की पुष्टि के लिए सैंपल जांच के लिए नई दिल्ली एनसीडीसी को भेजे जाते हैं।

इसमें 10 से 12 दिन लग जाते हैं। ऐसे में वैरिएंट के पता लगाने में देरी की वजह से लोगों में संक्रमण का खतरा बढ़ता जा रहा है। स्वास्थ्य निदेशक डा. सुमन सिंह ने कहा कि नए वैरिएंट को लेकर सर्तक रहने की जरूरत है। लोगों को कोविड प्रोटोकॉल का सख्ती से पालन करना चाहिए। लोगों को मुंह पर मास्क, शारीरिक दूरी और भीड़ भाड़ से दूर रहना चाहिए। डॉ. सुमन सिंह ने कहा कि पहले के मुकाबले कोविड टेस्टिंग बढ़ा दी है, ताकि संक्रमित मरीजों का पता लगाया जा सके।

पंजाब के गांव में टेंशन; जिन्होंने किसान आंदोलन में हिस्सा नहीं लिया, उनसे कमेटी मांग रही तीन हजार रुपये

जगराओं, लुधियाना (एजेंसी)
कृषि सुधार कानूनों की वापसी के बाद किसान घर लौटने लगे हैं। किसानों की जीत का जश्न भी मनाया जा रहा है। किसानों की घर वापसी के बाद अब पैसों के लेनदेन को लेकर गावों में तनाव पैदा होने लगा है। गांव अखाड़ा में एक ऐसा ही मामला सामने आया है। किसान आंदोलन की शुरुआत में गांव में लोगों को इकट्ठा कर यह कहा गया था कि समय-समय पर गांव के प्रत्येक घर से एक सदस्य आंदोलन में हिस्सा लेने दिल्ली जाएगा। जो नहीं जाएगा, उससे तीन हजार रुपये देने को कहा गया। जब तक आंदोलन चलता रहा, यह कार्रवाई चलती रही। अब जब आंदोलन समाप्त हो गया है तो आंदोलन की अगुआई करने वाले नेताओं ने गांव में आकर घोषणा कर दी है कि जिन लोगों ने पैसे नहीं दिए, वे हर हाल में पैसे दें। गांव के करीब 20-25 परिवार ऐसे हैं जिन्होंने पैसे नहीं दिए और न ही किसान आंदोलन में हिस्सा लिया। इस चेतावनी से संबंधित एक आडियो इंटरनेट मीडिया पर वायरल हो रही है। इसमें कहा गया है कि आंदोलन में नहीं जाने वाले जिन लोगों ने पैसे अब तक नहीं दिए हैं वह गठित की गई कमेटी के पास पैसे तुरंत जमा करवाएं। अगर कोई पैसे नहीं देगा तो उसकी फोटो लगाकर और उस पर पैसे नहीं देने की बात लिखकर उसे वायरल किया जाएगा। इस आडियो के वायरल होने के बाद गांव में तनाव का माहौल बना हुआ है। कुछ लोगों का कहना है कि जब आंदोलन ही समाप्त हो गया तो उसके बाद वह पैसा क्यों दें। गांव के लोग आंदोलन के दौरान हर फैसले का सम्मान करते रहे। प्रत्येक प्रदर्शन में शामिल हुए। समय-समय पर पैसे भी देते रहे। आने वाले दिनों में इस मुद्दे पर गांव में तकरार बढ़ने की आशंका जताई जा रही है। गठित कमेटी के सदस्य तेज सिंह का कहना है कि गांव के 20 से 25 परिवार ऐसे हैं जो न तो किसान आंदोलन में गए और न उन्होंने पैसे दिए।

सरसों की खेती के प्रति बढ़ा किसानों का रुझान, 40 प्रतिशत अधिक बुआई

मुलाना, अंबाला (एजेंसी)
अंबाला के किसानों ने इस बार सरसों की फसल की अधिक बुआई की है। किसानों का रुझान इस बार तिहलनी फसल सरसों की फसल की तरफ बढ़ा है। किसान सरसों की फसल की बुआई को नाममात्र करते थे इस साल सरसों की बुआई में 40 प्रतिशत तक की बढ़ोत्तरी देखी जा रही है। सरसों की फसल की पिछले साल सरकार द्वारा तय समर्थन मूल्य से अधिक दामों में बिक्री हुई थी। इससे किसान सरसों की फसल की तरफ आकर्षित हुआ है। दूसरा सरसों की फसल कम लागत में अच्छी उपज देती है।

साथ ही कम पानी में भी सरसों की फसल अच्छी हो जाती है। सरसों की फसल का दाम भी अच्छा मिलता है। इस कारण पिछले साल के मुकाबले किसानों ने इस बार सरसों की फसल की अधिक बोवनी की है। सरसों की फसल में खाद भी कम मात्रा में लगती है। कृषि विभाग के अनुसार पिछले साल ब्लाक बराड़ा में सरसों की फसल की 1150 एकड़ जमीन में बुआई की गई थी। इस बार यह बढ़कर 1600 एकड़ जमीन में बोवनी की गई है। यानि कि इस बार करीब 450 एकड़ ज्यादा जमीन में बुआई की गई है। क्षेत्र के किसान रामसिंह,

अनिल कुमार, अरूण कुमार, दीप सिंह व हरमीत सिंह ने बताया कि जहां अन्य फसलों को लगाते समय उनकी लागत बहुत अधिक होती है। वहीं सरसों की फसल न्यूनतम लागत में ही लग जाती है। किसानों ने बताया कि एक एकड़ जमीन में सरसों का बीज 1 से 2 किलो लगता है। वहीं सरसों की फसल में एक-दो सिंचाई की जरूरत पड़ती है। क्षेत्र में एक एकड़ में सरसों की फसल 2 क्विंटल से लेकर 8 क्विंटल तक निकल जाती है। सरसों की फसल में अन्य खर्चे भी कम है। इसलिए क्षेत्र के किसानों का रूझान सरसों की फसल की ओर बढ़ा है और अधिक मात्रा में सरसों की बुआई की गई है। उन्होंने बताया कि पिछले साल सरसों की फसल का सरकार द्वारा तय समर्थन मूल्य था। लेकिन मंडी से बाहर सरसों की फसल 7500 रुपये तक बिकी। वहीं इस बार सरसों का तय समर्थन मूल्य पिछले साल 4650 रुपये प्रति क्विंटल से बढ़ाकर 5050 रुपये तय किया गया है। कृषि विभाग के ब्लाक टेक्निकल मैनेजर (बीटीएम) ललित शर्मा ने बताया कि खेत की अच्छे से तैयारी के बाद सरसों की बुआई कर दी जाती है। सरसों की फसल एक एकड़ में 1 से 2 किलो बीज फसल की किस्म के अनुसार लगता है। वहीं कम लागत में अच्छी पैदावार निकलती है। सरसों की फसल एक-दो सिंचाई में ही तैयार होती है। इसलिए क्षेत्र के किसानों ने कम लागत, अच्छा मूल्य और अधिक उत्पादन को देखते हुए सरसों की फसल की अधिक संख्या में बुआई की है।

उन्होंने बताया कि क्षेत्र में रबी सीजन में इस बार सरसों की फसल का रकबा बढ़कर 1600 एकड़ हो गया है। पिछले साल क्षेत्र में 1150 एकड़ जमीन में सरसों व तोड़िया की बोवनी हुई थी। इस बार 450 एकड़ अधिक जमीन में सरसों व तोड़िया की संयुक्त फसल की बुआई की गई है। इस बार क्षेत्र में किसानों ने सरसों की फसल की बुआई अधिक की है।

पंजाब में 8000 प्री-प्राइमरी शिक्षकों की भर्ती प्रक्रिया हाई कोर्ट ने की रद, नए सिरे से विज्ञापन जारी करने के आदेश

चंडीगढ़ (एजेंसी)
पंजाब में प्री-प्राइमरी शिक्षकों के 8,393 पदों की भर्ती प्रक्रिया को हाई कोर्ट ने खामी भरा करार देते हुए रद करने का आदेश दिया है। हाई कोर्ट ने पंजाब सरकार को नए सिरे से विज्ञापन जारी करने का आदेश देते हुए कहा कि तीन वर्ष के अनुभव की जो शर्त लगाई गई है, वह केवल 50 प्रतिशत पदों के लिए ही लगाई जा सकती है।

बाकी के पदों को मुक्त रूप से भरा जाए। याचिका दाखिल करते हुए नजर सिंह व अन्य ने भर्ती प्रक्रिया में तय की गई शर्तों को गलत बताते हुए इसको हाई कोर्ट में चुनौती दी थी। 21 सितंबर को हाई कोर्ट ने याचिका पर पंजाब सरकार को नोटिस जारी कर जवाब मांगा था। साथ ही, सरकार से पूछा था कि वह बताए कि क्यों न इन पदों की भर्ती प्रक्रिया पर रोक लगा दी जाए।

इस पर सरकार द्वारा दिए जवाब पर हाई कोर्ट ने कहा कि जवाब स्पष्ट नहीं है और दोनों नोटिफिकेशन पर सरकार कोई जवाब नहीं दे पाई है। लिहाजा हाई कोर्ट ने 28 नवंबर की परीक्षा पर रोक लगाते हुए शिक्षा सचिव को इस पर जवाब दिए जाने के आदेश दिया था।

अब हाई कोर्ट ने भर्ती विज्ञापन को ही खारिज करते हुए नए सिरे से विज्ञापन जारी करने का आदेश दिया है। दायर याचिका में हाई कोर्ट को बताया गया है कि पंजाब सरकार ने 23 नवंबर 2020 को प्री-प्राइमरी

शिक्षकों के 8393 पदों पर सीधी भर्ती के लिए आवेदन मांगे थे। याचिकाकर्ताओं ने भी आनलाइन आवेदन कर दिया था और उन्हें रजिस्ट्रेशन नंबर भी मिल गया था। इसी दौरान बड़ी संख्या में एजुकेशन प्रोवाइडर, एजुकेशन वालंटियर, एजुकेशन गारंटी स्कीम वालंटियर, अल्टरनेटिव और इनोवेटिव एजुकेशन वालंटियर, स्पेशल ट्रेनिंग रिसोर्स वालंटियर, इंक्लूसिव एजुकेशनल वालंटियर, जो पहले ही सर्व शिक्षा अभियान के तहत बैक डोर से नियुक्त हुए थे, ने राज्यभर में प्रदर्शन शुरू कर दिए।

इनके दबाव में सरकार ने इस विज्ञापन को वापस ले लिया। याचिकाकर्ताओं ने बताया कि इसके बाद सरकार ने 14 सितंबर को फिर इन्ही पदों के लिए विज्ञापन जारी कर दिया। साथ ही, नई शर्ते लगा यह तय कर दिया कि इन पदों पर नियुक्ति के लिए आवेदक को एजुकेशन प्रोवाइडर, एजुकेशन वालंटियर, एजुकेशन गारंटी स्कीम वालंटियर, अल्टरनेटिव और इनोवेटिव एजुकेशन वालंटियर, स्पेशल ट्रेनिंग रिसोर्स वालंटियर, इंक्लूसिव एजुकेशनल वालंटियर के तौर पर कम से कम तीन वर्षों का अनुभव अनिवार्य होगा। याचिकाकर्ताओं का आरोप है कि सरकार ने अब ये शर्ते पहले से कार्यरत शिक्षकों को एडजस्ट करने के लिए ही की है।

इस तरह तो कोई भी आवेदक, जिसे इसका अनुभव नहीं है, उसकी नियुक्ति ही नहीं होगी। यह पूरी तरह से गलत है, लिहाजा इसे रद किया जाए।

एक नज़र

तेजस्वी-राजश्री को ट्रांसजेंडर से लेकर पंडित तक ने दी शुभकामना, साधु का अभी तक नहीं मिला आशीष

पटना (एजेंसी) । तेजस्वी यादव और राजश्री की शादी बिहार की चर्चित शादियों में शुमार है। शादी होने से लेकर दुल्हन कौन हैं, ये सस्पेंस लोगों के बीच बना रहा। खैर शादी हो गई। हर ओर से शुभकामनाएं और बधाई दी जा रही है। बुधवार को मंगलामुखी का समूह भी बधाई देने राबड़ी देवी के आवास पर पहुंच गया। इसके बाद बेतिया से पंडित भी पहुंच गए। लेकिन इन सबके बीच तेजस्वी यादव को एक टीस भी जरूर होगी। ट्रांसजेंडर से लेकर पंडित तक का आशीर्वाद मिल गया लेकिन

अभी तक साधु मामा (पूर्व सांसद साधु यादव) का आशीर्वाद नहीं मिला। वे नाराज चल रहे हैं। लंबे समय बाद राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादवके परिवार में इन दिनों उत्सवी माहौल है। राजद सुप्रीमो की बीमारी के बीच नई दुल्हनियां के आने के बाद से घर में खुशियों की बहार है। दुल्हनियां को आशीष देने के लिए रिश्तेदार से लेकर पार्टी के नेता-कार्यकर्ता तक पहुंच रहे हैं। बुधवार को ट्रांसजेंडर का ग्रुप भी पहुंच गया। फिर तो राबड़ी देवी के आवासीय परिसर में नाच-गाकर उनलोगों ने धमाल मचा दिया। पूर्व सीएम राबड़ी देवी ने वीडियो कॉल कर उनका नाच-गाना राजद सुप्रीमो को दिखाया। इधर कई जगहों से पंडित और ब्राह्मण भी नवदंपती को आशीर्वाद देने पहुंचे। बेतिया से पहुंचे ब्राह्मणों ने कहा कि वे इस परिवार के उज्जवल भविष्य की प्रार्थना करते हैं। तेजस्वी और राजश्री का जीवन सुखमय रहे, इसकी कामना करने वे बेतिया से आए हैं। कुल मिलाकर हर ओर से राजद सुप्रीमो के पुत्र और पुत्रवधू को शुभकामनाएं मिल रही हैं। लेकिन मामा साधु यादव अभी तक नाराज चल रहे हैं। नाराजगी भी ऐसी कि हर ओर इसकी चर्चा हो रही। साधु यादव ने सरेआम इस शादी को लेकर अपनी नाराजगी बयां कर दी। उनके बयान के बाद तेजप्रताप यादव और रोहिणी आचार्य ने उनपर पलटवार किया। हालांकि, तेजस्वी ने इसको खास तवज्जो नहीं दी।

औरंगाबाद में नक्सल क्षेत्र में मिले हथियार, कारतूस व डेटोनेटर, पहाड़ी रास्ता पार कर पहुंचे जवान

औरंगाबाद (एजेंसी) । ढिबरा थाना पुलिस एवं भलुआही एसएसबी कैंप के सुरक्षाबलों के द्वारा मंगलवार को नक्सलियों के खिलाफ चलाए गए संयुक्त छापेमारी में एक देसी रायफल, तीन कारतूस एवं तार लगा इलेक्ट्रीक डेटोनेटर बरामद किया गया है। यह बरामदगी सुरक्षाबलों ने ढिबरा थाना क्षेत्र के बुढ़ा-बुढ़ी गांव के पास जंगल के पहाड़ी में स्थित एक कंदरा से किया है। सुरक्षाबलों के अनुसार बरामद हथियार, कारतूस एवं डेटोनेटर नक्सलियों के द्वारा छिपाकर रखा गया था। एएसपी अभियान शिवकुमार राव ने बताया कि छापेमारी अभियान के दौरान सुरक्षाबलों के द्वारा कंदरा के झाड़ी में सभी सामान को देखा गया और सावधानी बरतते हुए बरामद किया गया। हथियार, कारतूस एवं डेटोनेटर की बरामदगी के पहले पूरे एरिया को आइइडी के लगे होने की आशंका के मद्देनजर जांच की गई। सुरक्षाबलों के अनुसार बरामद डेटोनेटर को नक्सलियों के द्वारा आइइडी ब्लास्ट करने में उपयोग किया जाता है। बताया गया कि छापेमारी अभियान की भनक लगने के बाद जंगल में रहे नक्सली फरार हो गए। हथियार, कारतूस एवं डेटोनेटर की बरामदगी के बाद जंगल में पहाड़ी पर नक्सलियों के खिलाफ छापेमारी अभियान चलाया गया। बताया जाता है कि नक्सल इलाके में नक्सलियों की गतिविधियां बढ़ गई है।

विदेशी शराब के साथ पटना, गया और औरंगाबाद के सात तस्करों को पुलिस ने दबोचा

गया (एजेंसी) । शराब लाने, बेचने, भंडारण और होम डिलीवरी करने के मामले में गया पुलिस को सफलता मिली। पटना, गया और औरंगाबाद जिले के साथ तस्करों को धर दबोचा गया। पकड़े गए आरोपितों के पास से मात्र 65 लीटर शराब मिली है। साथ ही तस्करों के बड़े नेटवर्क का भी खुलासा हुआ है। इस पर पुलिस काम कर रही है। इस खुलासा करते हुए बोधगया डीएसपी अजय कुमार, बोधगया थानाध्यक्ष रुपेश कुमार सिन्हा ने बताया कि बोधगया और आसपास शराब तस्करों को बड़ा नेटवर्क की जानकारी मिली थी। इस सूचना पर जांच-पड़ताल करते हुए कार्रवाई की गई। सात तस्करों को पकड़ा गया है। गिरफ्तार तस्करों में बोधगया थाना क्षेत्र के भागलपुर गांव निवासी राकेश कुमार उर्फ गुड्डू उर्फ कलिया, मो. ताज पेशर, चेरकी थाना क्षेत्र के चेरकी बाजार गांव निवासी अजीत कुमार, पटना जिले के थाना शास्त्रीनगर क्षेत्र के राजा बाजार निवासी संजय कुमार, पटना जिले के फुलवारी थाना क्षेत्र के फुलवारी शरीफ निवासी अजित कुमार, गया जिले के विष्णुपद थाना क्षेत्र के बाईपास मोहल्ला निवासी धर्मेन्द्र कुमार एवं औरंगाबाद जिले के दाउदनगर थाना क्षेत्र के सलौनी गांव निवासी प्रवीण कुमार पांडेय आदि शामिल है। इन आरोपित के पास से 65 लीटर अंग्रेजी शराब बरामद किया गया है। इनके पास से आठ स्मार्ट फोन जब्त किया गया है। पुलिस पदाधिकारी ने बताया कि स्मार्ट फोन में दर्ज नंबर की जांच कर रही है। ताकि शराब सिंडिकेट का पता लग सके। थानाध्यक्ष ने बताया कि भागलपुर में शराब का होम डिलेवरी कराने के लिए कई तस्कर वहां पहुंचे थे। कई ब्रांड का शराब यहां से मिला है। पकड़े गए राकेश के घर में अंग्रेजी शराब की पैकिंग हो रही थी। इसे बोधगया के होटल, रेस्ता व पर्यटकों को शराब आपूर्ति करते थे। पहले भी कई बार जेल जा चुका है। पुलिस ने बोधगया के भागलपुर चौराहा के पास स्विफट डिजायर कार से दो युवक प्रवीण और धर्मेन्द्र को गिरफ्तार किया गया। लेकिन शराब सेवन करने की पुष्टि हुई है। एक सगाई समारोह में शामिल होने आए थे, इस कारण औरंगाबाद से शराब लाए थे। राकेश कुमार के फोन पर धम्मा होटल से बार-बार शराब की मांग की जा रही थी। वहां से पकड़ा तस्कर व सेवन करने वाले पकड़े गए। पटना के लोग बोधगया आए हुए थे।

पानी की बर्बादी रोकेगा मुजफ्फरपुर का तिमुल, बनाएगा दो तालाब

मुजफ्फरपुर । जल संरक्षण की दिशा में तिरहुत दुग्ध उत्पादन सहकारी संघ (तिमुल) ने महत्वपूर्ण कदम बढ़ाया है। प्रतिदिन दो लाख लीटर पानी की बर्बादी नहीं हो, इसके लिए दो बड़े तालाब का निर्माण कराने की योजना है। इसके लिए कांटी स्थित इकाई के परिसर में जमीन चिह्नित की गई है। 2700 एवं 3500 वर्गमीटर के दो तालाबों के निर्माण के लिए तिमुल के एमडी एचएन सिंह ने प्रखंड एवं जिला स्तर के प्रशासनिक पदाधिकारियों को पत्र भेजा है। इसमें कहा गया है कि दोनों तालाबों को सरकार की किसी योजना खासकर जल-जीवन-हरियाली में शामिल कर लिया जाए। तालाब निर्माण के साथ इसके चारों ओर पौधारोपण भी किया जाएगा। इसके अलावा इसका सुंदरीकरण भी होगा। तिमुल की इकाई में दुग्ध प्रसंस्करण के दौरान प्रतिदिन दो लाख लीटर पानी डिस्चार्ज होता है। एफ्लुएंट ट्रीटमेंट प्लांट (ईटीपी) से इसे साफ किया जाता है। उपयोगिता नहीं होने से पानी बर्बाद हो जाता है। इससे रोकने के लिए ही यह योजना बनाई गई है। एमडी ने कहा, फोरलेन बनने के बाद इकाई से पानी का बहाव बाहर नहीं हो पाता है। इसे देखते हुए यहां एक ईटीपी से पानी को साफ किया जाता है। पानी को टैंकर से जरूरतमंदों को उपलब्ध कराया जाता है। 60 लाख की लागत से एक और ईटीपी लगाया जाना है।

एनडीएमसी ने अपने क्षेत्र की स्वच्छता को समर्पित संस्थाओं और लोगों को उनके योगदान के लिए सम्मानित किया

नई दिल्ली.ओपन सर्च

स्वच्छ भारत मिशन 2.0 के लक्ष्यों को प्राप्त करने में नई दिल्ली क्षेत्र के नागरिकों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से, नई दिल्ली नगरपालिका परिषद के अध्यक्ष श्री धर्मेंद्र ने आज उपाध्यक्ष- श्री सतीश उपाध्याय, परिषद सदस्य-श्री कुलजीत सिंह चहल और सचिव - श्रीमती ईशा खोसला की उपस्थिति में अपने क्षेत्र के हितधारकों के बीच विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को सम्मानित किया। यह सम्मान समारोह आज एनडीसीसी कन्वेंशन सेंटर नई दिल्ली में आयोजित किया गया। अपने मुख्य भाषण में, श्री धर्मेंद्र ने स्वच्छ सर्वेक्षण 2021 में नई दिल्ली नगरपालिका परिषद के प्रथम रैंक के लिए सभी हितधारकों को बधाई देने के बाद, नई दिल्ली नगरपालिका परिषद द्वारा आगामी स्वच्छ सर्वेक्षण 2022 के लिए 7 स्टार रेटिंग का लक्ष्य निर्धारित किया है। उन्होंने पालिका परिषद क्षेत्र के सभी नागरिकों से नगर निकाय द्वारा किए गए हर प्रयास में एकजुट सक्रिय भागीदारी द्वारा लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए सम्मिलित प्रयास करने का आग्रह किया।

श्री धर्मेंद्र ने यह भी सुझाव दिया कि प्रत्येक आवासीय कल्याण समिति (आरडब्ल्यूए), मार्किट ट्रेडर्स एसोसिएशन (एमटीए) और स्थानीय समुदाय स्तर पर संगठनों को स्वच्छता के बारे में लोगों को उनके कर्तव्यों और जिम्मेदारियों के बारे में जागरूक करने के लिए ÷स्थानीय स्वच्छता प्रकोष्ठ÷ का गठन करना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि यह स्वच्छता प्रकोष्ठ को स्वच्छ भारत मिशन 2.0 और स्वच्छ सर्वेक्षण 2022 के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए स्थानीय/क्षेत्रीय स्तर पर गतिविधियों पर जोर देना चाहिए।

इस अवसर पर पालिका परिषद के उपाध्यक्ष- श्री सतीश उपाध्याय ने नई दिल्ली क्षेत्र के नागरिकों से अपील की कि वें पालिका परिषद के द्वारा 7 स्टार रेटिंग प्राप्त करने की दिशा में किये जा रहे प्रयासों और कदमों में सहयोग करें। उन्होंने यह भी कहा कि परिषद क्षेत्र के नागरिकों और संस्थाओं के सहयोग के बिना हम किसी भी मिशन के किसी भी लक्ष्य को हासिल नही कर सकते हैं, जब तक कि प्रत्येक नागरिक की ऐसे प्रयासों में सक्रिय भागीदारी न हो ।

अपने स्वागत भाषण में पालिका परिषद की सचिव श्रीमती ईशा खोसला ने बताया कि साफ , सफाई और स्वच्छता के आधार पर होटलों, आरडब्ल्यूए, एमटीए, अस्पतालों, शैक्षणिक संस्थानों और कार्यालयों की रैंकिंग के लिए कई प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। इसके माध्यम से सभी हितधारकों के बीच एक स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना विकसित करते हुए तीन-स्तरीय गुणवत्ता जांच द्वारा उनका उत्साह बढ़ाया गया । इन प्रतियोगिताओं में की गयी रैंकिंग के आधार पर पुरस्कार विजेताओं को प्रथम स्थान के लिए 8000 रु. दूसरे स्थान के लिए 4000 और तीसरे स्थान के लिए 3000 रुपये की पुरस्कार राशि दी गई।

इसके द्वारा पालिका परिषद ने उद्यमियों, स्टार्टअप्स, धार्मिक संस्थानों और स्वैच्छिक संगठनों के मनोबल को बढ़ावा देने और स्वच्छ भारत मिशन में उनके कार्यों की सराहना करके उत्साह की भावना को और बढ़ाया है। इसके अलावा, पेंटिंग, जिंगल मेकिंग, मूवी मेकिंग जैसी विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन भी किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में नागरिकों ने भाग लिया जिसमे से चुने गए पुरस्कार विजेताओं को प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए।

सम्मान समारोह में पालिका परिषद के अध्यक्ष ने सभी प्रतिभागियों को सिंगल यूज प्लास्टिक को ना कहें की शपथ दिलाई।

पालिका परिषद के एमओएच- डॉ रमेश ने अपने धन्यवाद ज्ञापन को प्रस्तुत करते हुए कहा कि यह समारोह स्वच्छता के प्रति पालिका परिषद की उपलब्धियों का उत्सव है और यह अगले चरण में नए लक्ष्य के साथ आगे बढ़ने की प्रतिबद्धता भी है।

बिहार में घोड़े पर सवार होकर दूल्हे को लाने निकली एयर होस्टेस दुल्हनिया

गया (एजेंसी) । बड़ी ही धूमधाम से दूल्हे को बारात ले जाते हुए आपने देखा होगा। क्या दुल्हन को भी ऐसा करते देखा या सुना है अगर नहीं सुना है तो बिहार में ऐसा ही वाकया सामने आया है। गया शहर में ऐसी अनोखी शादी की चर्चा हर शख्स की जुबान पर है। यहां घोड़े पर सवार होकर दुल्हनिया दूल्हे राजा को ले जाने के लिए जब निकली तो लोग देखते ही रह गए। शहर में ऐसी अनोखी शादी की चर्चा हर शख्स की जुबान पर है। मंगलवार की शाम जब शहर में बारात निकली तो बराती भी अचंभित रह गए। दरअसल, शहर की रहने वाली दुल्हनिया अनुष्पा गुहा की शादी पश्चिम बंगाल के कोलकाता के रहने वाले जीत मुखर्जी से हो रही है। दुल्हनिया इंडिगो एयरलाइंस में एयर होस्टेस के पद पर कार्यरत है। दोनों के विवाह को भव्य बनाने को लेकर काफी इंतजाम किए गए थे। जो कसर रह गई थी वो दुल्हनिया ने पूरी कर दी। शहर के चांदचौरा स्थित सुजुआर भवन से दुल्हनिया घोड़े पर सवार होकर दूल्हे राजा को लाने के लिए निकली तो देखने वालों के जुबान पर चर्चा होने लगी। दूल्हे को लाने के लिए दुल्हनिया के घोड़े पर निकलते हुए देखने के लिए लोगों का हुजूम उमड़ पड़ा। दुल्हनिया अनुष्पा गुहा ने कहा कि आज भी लड़के और लड़कियों में भेदभाव किया जाता

है। लड़कियों को लड़कों के बराबर लाने के लिए ऐसे मुहिम की बेहद जरूरत है।

लड़का और लड़की के भेदभाव दूर करने के लिए हमने घोड़े पर सवार होकर दूल्हा लाने जा रही हूं। अनुष्पा गुहा ने कहा कि मैं अन्य लड़कियों से भी कहूंगी कि वह अपने दूल्हे को खुद लेने जाएं। बता दें कि बिहार में ऐसी शादियां पहले भी होती रही हैं। पहले भी दुल्हन के दूल्हे को शादी के लिए लेकर आने के खबरें आई हैं।

योद्धा दरियाव सिंह पर जाति-विवाद का फर्दाफाश

इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय कला-केन्द्र ने पत्र जारी कर की तस्वीर साफ

ओपन सर्च.संवाददाता

नई दिल्ली, फतेहपुर। फतेहपुरः बीते कुछ दिनों से जनपद में 1857 के अमर शहीद योद्धा दरियाव सिंह पर जो विवाद गरमाया हुआ है, बुधवार को उसका पर्दाफाश हो गया है। संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार के इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय कला-केन्द्र की ओर से बुधवार को एक पत्र जारी करके इस विवाद का पटाक्षेप कर दिया गया है और इसी के साथ ही शहीद की जाति पर संशय भी खत्म हो गया है।

दरअसल, बीते माह 19 नवम्बर को इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय कला-केन्द्र में आजादी के अमृत महोत्सव के तहत एक प्रदर्शनी लगाई गयी थी। इसमें जनपद के अमर शहीद योद्धा दरियाव सिंह लोधी का प्रमुखता से जिक्र किया गया था। मालूम हो कि ये ऐसा पहला मौका था, जब सत्तावनवीं क्रान्ति में जनपद का नेतृत्व करने वाले क्रान्तिकारी दरियाव सिंह का मुख्यधारा के इतने बड़े मंच पर उल्लेख किया गया। बहरहाल, इधर संस्कृति मंत्रालय द्वारा दरियाव सिंह लोधी के उल्लेख पर खागा की दरियाव सिंह स्मारक समिति के मंत्री राम प्रताप अमीन और अध्यक्ष डॉ. राम प्रताप सिंह ने आपत्ति जताते हुए इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय कला-केन्द्र को यह बताया कि दरियाव सिंह लोध जाति के नहीं थे।

इस वास्ते ये लोग 30 नवम्बर को दिल्ली जाकर कला-केन्द्र के अध्यक्ष राम बहादुर राय से मिले और उनसे दरियाव सिंह के बारे में लोध जाति का उल्लेख करने पर आपत्ति जताई। श्री राय ने समिति के लोगों की बातें सुनी और कहा कि ऐतिहासिक साक्ष्यों की जाँच करेंगे और यदि सच पाया गया तो परिवर्तन करेंगे। इसके बाद समिति के लोगों ने जनपद वापस आकर राम प्रताप के हवाले से तमाम समाचार-पत्रों में यह झूठी खबर प्रकाशित करवा दी कि संस्कृति मंत्रालय ने योद्धा दरियाव सिंह को लोध जाति का मानने से इनकार किया है। इतना ही नहीं, समिति ने गुमराह करने के लिए यह भी छपवाया कि कला-केन्द्र ने अंग्रेजों द्वारा लिखित इतिहास को भी झूठा कहा। जनपद में प्रकाशित उक्त आपत्तिजनक खबरों के हवाले से ग्वालियर निवासी इतिहासकार डॉ. यशपाल सिंह नरवरिया ने इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय कला-केन्द्र को पत्र लिखकर इस पर स्पष्टीकरण माँगा, जिसका बुधवार को जवाब देते हुये संस्कृति मंत्रालय के कला-केन्द्र ने यह स्पष्ट किया कि खागा की दरियाव सिंह समिति का उनके साथ कोई पत्राचार हुआ ही नहीं है। हमने अपनी प्रदर्शनी के दौरान ठा. दरियाव सिंह के साथ जो लोधी का उल्लेख किया था वह ऐतिहासिक साक्ष्य के आधार पर ही किया गया था और वही ऐतिहासिक सच है।

कला-केन्द्र ने यह भी स्पष्ट कहा कि बीते 4 दिसम्बर को जनपद में समिति द्वारा जो समाचार अखबारों में छपवाया गया था, वह समिति ने अपने विवेक से ही छपवाया था। इस सम्बन्ध में मंत्रालय की ओर से समिति को कोई भी पत्र जारी नहीं किया गया। इससे साफ है कि संस्कृति मंत्रालय ने जो दरियाव सिंह लोधी लिखा था वही सच है और सच्चे इतिहास को ही सभी को मानना चाहिए। इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय कला-केन्द्र ने यह भी कहा कि वह अमर शहीदों का सम्मान करती है और इस सन्दर्भ में किसी भी प्रकार की ऐतिहासिक छेड़छाड़ गलत है।

बस से सफर करना हुआ और महंगा, 18 से 20 फीसद तक की बढ़ोतरी कर दी

मुजफ्फरपुर (एजेंसी) । बस से सफर करना और महंगा हो गया है। बिहार राज्य पथ परिवहन निगम ने किराये में 18 से 20 फीसद तक की बढ़ोतरी कर दी है। मतलब करेला और नीम चढ़ा। महंगाई की मार से पहले से ही त्रस्त चल रहे लोगों के लिए यह किसी बुरी खबर की तरह ही है। हालांकि इसकी वजह हाल में डीजल की कीमत में आए उछाल को बताया जा रहा है। इस स्थिति में यदि आप आज घर से बस से सफर करने के लिए निकल रहे हों तो नया किराया दर और जेब जरूर चेक कर लें। अन्यथा बीच सफर में आपको बेवजह परेशान होना पड़ सकता है। कंडक्टर की किचकिच से दो-चार होना पड़ सकता है। यदि मुजफ्फरपुर और पटना रूट की बात करें तो यहां के लिए अब यात्रियों को 116 रुपये का भुगतान करना पड़ेगा। पहले इतनी ही दूरी के लिए 90 रुपये देने

पड़ते थे। एसी बस का किराया भी उसी अनुपात में बढ़ा दिया गया है। मसलन बेतिया से यदि आप पटना जा रहे हैं तो आपको अब 350 रुपये देने होंगे। पहले आप केवल 297 रुपये का भुगतान करते थे। डीलक्स बस के भाड़े की बात करें तो इसके लिए 257 रुपये की जगह अब 301 रुपये देने होंगे। यही हाल अन्य रूटों का भी है। नई बढ़ोतरी का सबसे बुरा प्रभाव उनलोगों पर पड़ेगा जो नौकरी या व्यवसाय की वजह से रोजाना सफर करते हैं। आइये उत्तर बिहार के कुछ अन्य प्रमुख जगहों के किराये की बात कर लेते हैं। समस्तीपुर से पटना जाने के लिए अब 155 रुपये देने होंगे। पहले यह दूरी आप 145 रुपये में तय कर लेते थे। इसी तरह से यदि वाल्मीकिनगर से पटना जा रहे हैं और एसी बस लिया तो पूरे 451 रुपये का भुगतान करना होगा। पहले आपको 376 रुपये खर्च करने पड़ते थे। दरभंगा से पटना जाने के लिए 136 की जगह पर 193 चुकाने होंगे। यहां एक बात साफ कर दूं कि हमलोग बिहार राज्य पथ परिवहन निगम की बसों की बात कर रहे हैं। यदि आप निजी बसों में सफर कर रहे हैं तो आप पहले से ही बढ़ा हुआ किराया दे रहे हैं। वहां पर फिलहाल कोई बदलाव नहीं किया गया है।

शरीर पर दिखे दरिंदगी के निशान, औरंगाबाद में युवक की हत्या कर सड़क पर फेंका शव

औरंगाबाद (एजेंसी) । हसपुरा थाना पुलिस ने सोमवार की रात जैतपुर-मलहारा-टनकुपी पथ से 24 वर्षीय युवक शैलेंद्र कुमार का शव बरामद किया है। मलहारा पंचायत के बड़ौखड़ टोले बेला बिगहा गांव निवासी शैलेंद्र की पुराने विवाद में पीट पीट कर हत्या की गई है। उसके सिर एवं शरीर पर जख्म के कई निशान हैं। शैलेंद्र बेला बिगहा गांव निवासी हृदयानंद रविदास का पुत्र बताया गया है।

जानकारी के अनुसार सोमवार की रात शैलेंद्र रतनपुर गांव की ओर से अपने घर लौट रहा था। रास्ते में घात लगाकर बैठे अपराधियों ने उसकी हत्या कर शव को सड़क किनारे फेंक दिया। इस संबंध में हसपुरा थानाध्यक्ष मनोज कुमार सिंह ने बताया कि पिता के बयान पर हत्या की प्राथमिकी दर्ज की गई है। मामले में छह नामजद आरोपित किए गए हैं। आरोपितों की गिरफ्तारी को पुलिस छापेमारी कर रही है। बताया जाता है कि हत्या से पहले उसको किसी ने फोन किया, किससे उसकी बात हुई इसकी तहकीकात चल रही है। पुलिस ने घटनास्थल से एक बाइक बरामद की है। बताया गया कि शैलेंद्र गांव के किसी व्यक्ति की बाइक लेकर घर से निकला था। पुलिस ने मंगलवार की सुबह शव का पोस्टमार्टम करा स्वजनों को सौंप दिया है। हत्या के बाद से उसके पिता, पत्नी एवं मां सिर्फ रो रहे हैं। मां एवं पत्नी रोते हुए बेहोश हो जाती है। मंगलवार को हसपुरा एवं आसपास के इलाके में हत्या के इस वारदात की चर्चा होती रही।

हत्या से अभी तक शांत चल रहे इलाके में दहशत व्याप्त है। कुछ दिन पहले सड़क दुर्घटना में घायल युवक अभय कुमार की मौत हो गई है। कोचाड गांव निवासी अभय के पिता योगेश कुमार के बयान पर मंगलवार को प्राथमिकी दर्ज की गई है। बताया जाता है कि कुछ दिन पहले 20 वर्षीय अभय कुमार अपने चचेरे भाई गोविंद कुमार के साथ बाइक से औरंगाबाद जा रहा था।

साहित्यिक संस्था 'उद्भव' ने किया प्रसिद्ध शिक्षाविद् अशोक पांडेय का अभिनंदन

राजू बोहरा.ओपन सर्च

नई दिल्ली। देश-दुनिया की सुप्रसिद्ध सामाजिक, सांस्कृतिक एवं साहित्यिक संस्था ÷उद्भव÷ द्वारा अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त शिक्षाविद्, लेखक एवं प्रशासक डॉ.अशोक पांडेय का भव्य अभिनंदन समारोह दिल्ली की सांस्कृतिक पहचान रखने वाले इंडिया इंटरनेशनल सेंटर, लोधी एस्टेट स्थित सी.डी.देशमुख सभागार में आयोजित किया गया। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में फिल्मों, कला जगत एवं रंगमंच के सुप्रसिद्ध व्यक्तित्व एएएफटी विश्वविद्यालय के चांसलर डॉ.संदीप मारवाह उपस्थित थे तथा समारोह अध्यक्ष थे विश्वविख्यात ज्योतिषाचार्य एवं भविष्यवक्ता डॉ. अजय भांबी। मंच पर वरिष्ठ हृदय-रोग विशेषज्ञ एवं डायरेक्टर कार्डियोलॉजी धर्मशिला सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल नई दिल्ली, वरिष्ठ साहित्यकार-कवि एवं संपादक शैलेन्द्र शैल, कवि-साहित्यकार और संपादक गगनांचल डॉ. आशीष कंधवे तथा सजग प्रकाशन के चेयरमैन शिव सचदेवा विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे। इस मौके पर विश्व हिंदी साहित्य परिषद् द्वारा प्रकाशित युवा कवयित्री कोमल के दो काव्य संग्रह पगडंडियों से आगे और पंचम स्वर÷ का लोकार्पण भी किया गया। कार्यक्रम का आरंभ ÷उद्भव÷ संस्था के महासचिव डॉ. विवेक गौतम ने अपने स्वागत भाषण से किया एवं मंचासीन व्यक्तित्वों का सम्मान गुलदस्ते, स्मृति चिन्ह एवं शॉल भेंट कर के किया। पुस्तक लोकार्पण के उपरांत युवा कवयित्री कोमल ने अपनी काव्य-यात्रा के बारे में संक्षिप्त चर्चा की तथा अपनी चुनिंदा रचनाओं का पाठ भी किया। समारोह में अपनी बात रखते हुए मुख्य अतिथि डॉ. संदीप मारवाह ने अपनी धाराप्रवाह शैली में ओजस्विता से भरपूर सम्यक एवं सार्थक उद्बोधन से सभागार को एक नई ऊर्जा और चेतना से समृद्ध कर दिया। भारतीय सेनाओं के प्रमुख जनरल विपिन रावत को अपनी भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उन्होंने अपने भावपूर्ण वक्तव्य से उपस्थित बुद्धिजीवियों को अपने मोहपाश में बांध लिया। समारोह की गरिमा को एक नया और व्यापक आयाम देते हुए अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में ज्योतिषाचार्य डॉ.अजय भांबी ने अशोक पांडेय के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर विस्तृत चर्चा की तथा मुख्य अतिथि सहित मंच पर उपस्थित महानुभावों के द्वारा उपहार,स्मृति चिन्ह, शॉल एवं पुष्पों द्वारा उनका अभिनंदन किया। विशिष्ट अतिथि के रूप अपनी बात रखते हुए हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. आनंद पांडेय ने शिक्षाविद् डॉ.अशोक पांडेय को वर्तमान में आसमान छू रहीं अनेक ज़िंदगियों का अद्भुत शिल्पकार बताया। कार्यक्रम में वरिष्ठ एवं सुप्रसिद्ध चित्रकार-शिक्षिका सीमा गुप्ता को दिल्ली सरकार के शिक्षा विभाग तथा कला जगत में उनकी उल्लेखनीय सेवाओं के लिए उद्भव संस्था द्वारा सम्मानित किया गया। आयोजन में कुछ प्रसिद्ध कवियों ने अपनी रचनाओं के पाठ द्वारा उपस्थित श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। इनमें सर्वोच्च न्यायालय के अधिवक्ता चंद्र शेखर आश्री, डॉ.वीणा मित्तल, डॉ.राकेश पांडेय, श्रद्धा पांडेय, आभा चौधरी, शोभना मित्तल और डॉ.विवेक गौतम प्रमुख थे। उद्भव संस्था के इस गौरवपूर्ण समारोह में कुछ विशिष्ट व्यक्तित्वों सहित अनेक गणमान्य लोग सम्मिलित हुए जिनमें अरविंदो कॉलेज के प्राचार्य डॉ. विपिन अग्रवाल, जामिया मिल्लिया इस्लामिया विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग के प्रोफ़ेसर-आलोचक डॉ.दुर्गा प्रसाद गुप्त, भारतीय खाद्य निगम के पूर्व एजीएम देव ऋषि शर्मा, चार्टर्ड अकाउंटेंट अनिल गुप्ता, ज्योतिषी एवं वरिष्ठ सरकारी अधिकारी रहे एस.पी. गुप्ता, एलकॉन इंटरनेशनल स्कूल के प्रधानाचार्य संजय यादव,सर्जन डॉ.शैलेश गुप्ता आदि प्रमुख थे।

हेजलवुड की जगह रिचर्डसन आस्ट्रेलियाई टीम में

एडीलेड (एजेंसी) । तेज गेंदबाज झाय रिचर्डसन को चोटिल जोश हेजलवुड की जगह इंग्लैंड के खिलाफ गुरुवार से शुरू होने वाले दूसरे दिन-रात्रि टेस्ट मैच के लिये आस्ट्रेलिया की अंतिम एकादश में शामिल किया गया है। आस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिन्स ने मैच की पूर्व संध्या पर अंतिम

एकादश घोषित की जिसमें सलामी बल्लेबाज डेविड वार्नर को भी शामिल किया गया है जो पसलियों में चोट से परेशान थे। हेजलवुड के चोटिल होने के बाद उनका स्थान लेने के लिये रिचर्डसन और माइकल नेसर के बीच मुकाबला था। नेसर का हालांकि टेस्ट पदार्पण का इंतजार बढ़ गया। रिचर्डसन ने अब तक दो टेस्ट मैच खेले हैं। उन्होंने दोनों मैच 2019 के शुरू में खेले थे जिनमें उन्होंने छह विकेट लिये थे। उन्होंने शैफील्ड शील्ड में इस सत्र में 13.43 की औसत से 23 विकेट लिये हैं जिससे वह टेस्ट टीम में वापसी करने में सफल रहे। वार्नर को टीम में शामिल करने का मतलब है कि उस्मान ख्वाजा का टेस्ट टीम में वापसी का इंतजार बढ़ गया है। उन्होंने अपना आखिरी मैच 2019 में एशेज श्रृंखला में खेला था। आस्ट्रेलिया (अंतिम एकादश): डेविड वार्नर, मार्कस हैरिस, मार्नस लाबुशेन, स्टीवन स्मिथ, ट्रैविस हेड, कैमरन ग्रीन, एलेक्स कैरी (विकेटकीपर), पैट कमिन्स (कप्तान), मिशेल स्टार्क, नाथन लियोन, झाय रिचर्डसन।

मैनचेस्टर सिटी ने लीड्स को 7-0 से करारी शिकस्त दी

लंदन (एजेंसी) । मैनचेस्टर सिटी ने किसी शीर्ष स्ट्राइकर के बिना भी सात गोल दागे और लीड्स यूनाईटेड को 7-0 से हराकर अपनी लगातार सातवीं जीत से इंग्लिश प्रीमियर लीग (ईपीएल) फुटबॉल प्रतियोगिता में शीर्ष पर अपनी जगह मजबूत की। केविन डि ब्रूएनी ने दो गोल किये जबकि फिल फोडेन, जैक ग्रीलिश, रियाद महारेज, जॉन स्टोन्स और नाथन एके ने एक दृ एक गोल किया जिससे मौजूदा चौंपियन टीम ने अपने खिताब के बचाव की तरफ मजबूत कदम बढ़ाये। इस जीत से सिटी 17 मैचों में 41 अंक हो गये हैं और वह दूसरे स्थान की टीम लिवरपूल (16 मैचों में 37) से चार अंक आगे हो गयी है। चेल्सी 36 अंक के साथ तीसरे स्थान पर है। दनादन गोल करने से सिटी ने गोल अंतर भी कम कर दिया है। लिवरपूल का गोल अंतर 33 और सिटी का 31 है। इस बीच एक अन्य मैच में एस्टन विला ने नोर्विच सिटी को 2-0 से हराया। विजेता टीम की तरफ से जैकब रैम्से और ओली वाटकिन्स ने गोल किये।

दक्षिण अफ्रीका के लिए टेस्ट टीम के चयन से पहले वनडे कप्तानी से हटाने के बारे में बताया गया: कोहली

मुंबई (एजेंसी) । भारतीय टेस्ट कप्तान विराट कोहली ने बुधवार को कहा कि दक्षिण अफ्रीका दौरे के लिए टीम चयन से 90 मिनट पहले उन्हें एकदिवसीय टीम की कप्तानी से हटाया गया और भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने उन्हें कभी टी20 टीम की कप्तानी छोड़ने पर पुनर्विचार करने को नहीं कहा जैसा बोर्ड ने दावा किया है। दक्षिण अफ्रीका दौरे पर रवाना होने से पहले प्रेस कांफ्रेंस में भारतीय कप्तान ने सभी कड़े सवालों का जवाब दिया और कहा कि वह सीमित ओवरों की टीम के नए कप्तान रोहित शर्मा और मुख्य कोच राहुल द्रविड़ के 'विजन' का पूरा समर्थन करेंगे। उन्होंने कहा कि वह समझ सकते हैं कि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद के सीमित ओवरों के टूर्नामेंटों में ट्रॉफी नहीं जीत पाने के कारण उन्हें हटाया गया। बीसीसीआई अध्यक्ष सौरव गांगुली के इस बयान के संदर्भ में कि बोर्ड ने उनसे आग्रह किया था कि वह कप्तानी नहीं छोड़ें क्योंकि सीमित ओवरों के प्रारूपों में दो कप्तान होना शायद सही नहीं होगा, कोहली ने कहा, ''जो फैसला किया गया उसे लेकर जो भी संवाद हुआ, उसके बारे में जो भी कहा गया वह गलत है। '' उन्होंने कहा, ''आठ दिसंबर को टेस्ट श्रृंखला के लिए चयन बैठक से डेढ़ घंटा पहले मेरे साथ संपर्क किया गया और इससे पहले टी20 कप्तानी को लेकर मेरे फैसले की घोषणा के बाद से मेरे साथ कोई संपर्क नहीं किया गया था। '' कोहली ने कहा, ''मुख्य चयनकर्ता ने टेस्ट टीम पर चर्चा की जिस पर हम दोनों सहमत थे। बात खत्म करने से पहले मुझे बताया गया कि पांच चयनकर्ताओं ने फैसला किया है कि मैं एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय कप्तान नहीं रहूंगा जिस पर मैंने कहा 'ठीक है, कोई बात नहीं'।'' अगले सवाल पर हालांकि कोहली और बीसीसीआई पदाधिकारियों के बीच के मतभेद सामने आ गए।

लेकिन आपने कहा था कि आप सिर्फ 2023 एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय विश्व कप तक कप्तान बने रहना चाहते हो? इस पर कोहली ने हंसते हुए पूछा, ''क्या यह सवाल था?'' इस पर संवाददाता ने दोबारा पूछा, ''हां, यह सवाल है क्योंकि आपने कहा था कि आप भारत की एकदिवसीय टीम का कप्तान बने रहना चाहते हैं।'' कोहली ने कहा, ''जब मैंने टी20 कप्तानी छोड़ी तो मैंने पहले बीसीसीआई से संपर्क किया और उन्हें अपने फैसले के बारे में बताया और उनके (पदाधिकारियों) सामने अपना नजरिया रखा।'' भारतीय कप्तान ने गांगुली के कुछ दिन पहले के बयान से बिलकुल विपरीत जानकारी देते हुए कहा, ''मैंने कारण बताए कि आखिर क्यों मैं टी20 कप्तानी छोड़ना चाहता हूं और मेरे नजरिए को अच्छी तरह समझा गया। कुछ गलत नहीं था, कोई हिचक नहीं थी और एक बार भी नहीं कहा गया कि आपको टी20 कप्तानी नहीं छोड़नी चाहिए।

'' कोहली ने कहा कि बीसीसीआई के पदाधिकारियों ने उनके फैसले को प्रगतिशील बताया। उन्होंने कहा, ''इसके विपरीत बीसीसीआई ने इसे प्रगतिशील और सही दिशा में उठाया गया कदम करार दिया था। उस समय मैंने कहा था कि हां, टेस्ट और एकदिवसीय अंतराष्ट्रीय में मैं (कप्तान) बरकरार रहना चाहता हूं जब तक कि पदाधिकारियों और चयनकर्ताओं को लगता है कि मुझे इस जिम्मेदारी को निभाते रहना चाहिए।'' कोहली ने कहा, ''बीसीसीआई के साथ मेरा संवाद स्पष्ट था। मैंने विकल्प दिया था कि अगर पदाधिकारियों और चयनकर्ताओं की सोच कुछ और है तो यह (फैसला) उनके हाथ में है। ''

ऑस्ट्रेलिया के पूर्व क्रिकेटर माइकल स्लेटर को पुलिस ने किया गिरफ्तार

सिडनी (एजेंसी) । पूर्व ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर से कमेंटेटर बने माइकल स्लेटर को कथित तौर पर इस साल अक्टूबर में घरेलू हिंसा के आरोपों के चलते गिरफ्तार किया गया था। हालांकि, उस समय वे जमानत पर रिहा हो गए थे, लेकिन बुधवार 15 दिसंबर को उनको फिर से कोर्ट के आदेश का उल्लंघन करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। रिपोर्ट में कहा

गया है कि उन्होंने कथित तौर पर कोर्ट के आदेश का उल्लंघन किया, जिसे एक हिंसा आदेश या एवीओ के रूप में जाना जाता है। न्यू साउथ वेल्स राज्य पुलिस ने कहा कि माइकल स्लेटर को बुधवार सुबह दूसरी बार गिरफ्तार किया गया था। उन्हें सिडनी पुलिस स्टेशन ले जाया गया, जहां उन्हें जमानत देने से इन्कार कर दिया गया, क्योंकि उस दिन बाद में उन्हें अदालत में पेश होना था।

आस्ट्रेलियाई मीडिया के मुताबिक, पुलिस ने कहा कि 51 वर्षीय पर निर्धारित प्रतिबंधों का उल्लंघन करने का आरोप है। इस साल अक्टूबर में स्लेटर एक कथित मामले में पुलिस ने सडनी से गिरफ्तार किया था जहां से उन्हें अदालत में पेश किया गया था। स्लेटर को हाल ही में मामले को लेकर 2021-22 सीजन से कमेंट्री पैनल से हटा दिया गया था।

एशेज: दिन-रात्रि टेस्ट मैचों में अपना शानदार रिकार्ड बरकरार रखने उतरेगा आस्ट्रेलिया

एडीलेड (एजेंसी) । आस्ट्रेलिया सलामी बल्लेबाज डेविड वार्नर की फिटनेस को लेकर बनी चिंता के बावजूद इंग्लैंड के खिलाफ गुरुवार से यहां शुरू होने वाले दूसरे टेस्ट क्रिकेट मैच में दिन-रात्रि टेस्ट के अपने शानदार रिकार्ड को बरकरार रखने की कोशिश करेगा। आस्ट्रेलिया ने अब तक गुलाबी गेंद से आठ टेस्ट मैच खेले हैं और उन सभी में उसने जीत दर्ज की है। आस्ट्रेलिया ने ब्रिसबेन में पहले टेस्ट मैच में इंग्लैंड को नौ विकेट से हराया था और वह इस मैच में बढ़े हुए आत्मविश्वास के साथ उतरेगा। आस्ट्रेलिया के लिये हालांकि वार्नर की फिटनेस चिंता का विषय है जिन्होंने पहले मैच में कुछ जीवनदान मिलने के बाद 94 रन बनाये थे। इस दौरान दो बार उनकी पसलियों पर चोट लगी थी। वह इंग्लैंड की दूसरी पारी में क्षेत्ररक्षण के लिये नहीं उतरे थे।

एडीलेड में अभ्यास के दौरान वार्नर असहज महसूस कर रहे थे। उन्हें हालांकि अंतिम एकादश में शामिल किया गया है और कप्तान पैट कमिन्स को विश्वास है कि वह मैच के लिये फिट हो जाएंगे। कमिन्स ने कहा, ''वह फिट हो जाएगा। उसने कल बल्लेबाजी की। वह थोड़ा असहज महसूस कर रहा था लेकिन मै डैवी (वार्नर) को जानता हूं वह इस मैच से बाहर नहीं रहना चाहेगा।'' पहले मैच में 152 रन की पारी खेलने वाले ट्रैविस हेड ने भी कहा कि वार्नर दूसरे टेस्ट मैच में खेलेंगे। हेड ने कहा, ''हम दो दिन पहले एक साथ घर लौटे थे। उसका परिवार एडीलेड आया है जो कि अच्छा है। उसे लग रहा है कि वह खेलने के लिये अच्छी स्थिति में है।'' आस्ट्रेलिया की टीम में एक बदलाव किया गया है। चोटिल जोश हेजलवुड की जगह झाय रिचर्डसन को टीम में लिया गया है। जहां आस्ट्रेलिया का दिन-रात्रि मैचों में शानदार रिकार्ड है वहीं इंग्लैंड ने गुलाबी गेंद से जो चार मैच खेले हैं उनमें से उसने केवल एक में जीत दर्ज की है। उसने यह जीत वेस्टइंडीज के खिलाफ 2017 में घरेलू मैदान पर हासिल की थी। इंग्लैंड को इस श्रृंखला में दिन-रात्रि मैचों में अपना रिकार्ड सुधारने के दो अवसर मिलेंगे। होबार्ट में होने वाला पांचवां और अंतिम टेस्ट मैच भी गुलाबी गेंद से खेला जाएगा। पहले यह मैच पर्थ में खेला जाना था लेकिन पश्चिम आस्ट्रेलिया में कोविड-19 प्रतिबंधों के कारण इसका स्थान बदलना पड़ा। एडीलेड में उतरने से पहले इंग्लैंड आलराउंडर बेन स्टोक्स के घुटने की चोट को लेकर चिंतित है जिसके कारण वह ब्रिसबेन टेस्ट में केवल 12 ओवर ही गेंदबाजी कर पाये थे। लेकिन मंगलवार को उन्होंने अभ्यास के दौरान लगभग एक घंटे तक गेंदबाजी करके संकेत दे दिये कि वह फिट हैं।

इंग्लैंड के कप्तान जो रूट ने कहा, ''पिछले मैच में निश्चित तौर पर उसके घुटने में परेशानी थी लेकिन वह पूरे दमखम के साथ वापसी कर सकता है। हमारे पास सभी तरह के विकल्प हैं।'' सभी विकल्प का मतलब अनुभवी तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन और स्टुअर्ट ब्रॉड की वापसी भी है। उन्हें पहले टेस्ट मैच में विश्राम दिया गया था। दोनों फिट हैं। चार साल पहले दिन-रात्रि टेस्ट मैच में आस्ट्रेलिया में पहली बार पांच विकेट हासिल करने वाले 39 वर्षीय एंडरसन ने मंगलवार को 40 मिनट तक गेंदबाजी की। इंग्लैंड को पिछले मैच में धीमी ओवर गति के लिये विश्व टेस्ट चौंपियनशिप के पांच अंक गंवाने पड़े थे और उसके खिलाड़ियों की पूरी मैच फीस काट दी गयी थी। रूट ने कहा, ''जब आप ओवर दर में पीछे होते हैं तो आपको यह जुर्माना स्वीकार करना होता है।

हमें जल्दी जल्दी ओवर करने होंगे। हम सभी यह जानते हैं।'' टीमें इस प्रकार हैं: आस्ट्रेलिया: डेविड वार्नर, मार्कस हैरिस, मार्नस लाबुशेन, स्टीवन स्मिथ, ट्रैविस हेड, कैमरन ग्रीन, एलेक्स कैरी (विकेटकीपर), पैट कमिन्स (कप्तान), मिशेल स्टार्क, नाथन लियोन, झाय रिचर्डसन। इंग्लैंड: रोरी बर्न्स, हसीब हमीद, जॉक क्राउली, डाविड मालन, जो रूट (कप्तान), बेन स्टोक्स, ओली पोप, जॉनी बेयरस्टॉ, जोस बटलर (विकेटकीपर), डैन लारेन्स, क्रेग ओवरटन, डॉम बेस, क्रिस वोक्स, ओली रॉबिन्सन, मार्क वुड, स्टुअर्ट ब्रॉड, जैक लीच, जेम्स एंडरसन में से।

लंका प्रीमियर लीग: गाले ग्लेडियेटर्स ने जायंट्स के खिलाफ नौ रन से जीत हासिल की

कोलंबो (एजेंसी) । लंका प्रीमियर लीग (एलपीएल) में यहां प्रेमदासा स्टेडियम में गाले ग्लेडियेटर्स ने दांबुला जायंट्स के खिलाफ नौ रनों से जीत हासिल की है। बारिश के कारण 14 ओवर के मैच में दांबुला जायंट्स के कप्तान दासुन शनाका ने टॉस जीतकर मंगलवार शाम को पहले फिल्डिंग करने का फैसला किया।

सलामी बल्लेबाज दनुष्का गुणाथिलाका और कुसल मेंडिस ने ग्लेडियेटर्स को मजबूत शुरुआत दी जिन्होंने पहले स्टैंड के लिए 2.5 ओवर में 30 रन जोड़े। हालांकि, दनुष्का गेंदबाज ताहिर के ओवर में 22 रन बनाकर आउट हो गए। ग्लेडियेटर्स की पारी में कुसल मेंडिस ने 17 गेंदों में 35 रन बनाए, जिसमें चार चौके और एक छक्का शामिल है। टीम के कप्तान भानुका राजपक्षे ने अपनी पारी में 20 गेंदों में तीन छक्के और एक चौके की मदद से 33 रन बनाए। ग्लेडियेटर्स के मध्य क्रम बल्लेबाज ज्यादा रन नहीं बना पाए और जल्द ही आउट होकर पवेलियन वापस लौट गए। विरोधी टीम के गेंदबाज स्पिनर इमरान ताहिर ने 20 रन देकर तीन विकेट चटकाए, जबकि जोशुआ लिटिल ने 29 रन देकर दो विकेट लिए और 14 ओवरों में ग्लेडियेटर्स ने सात विकेट खोकर 134 रन बनाए। मैदान में 135 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी जायंट्स टीम के सलामी बल्लेबाज निरोशन डिकवेला को विरोधी टीम के गेंदबाज आमिर ने अपनी तीसरी गेंद में क्लीन बोल्ड कर दिया। वहीं टीम के बल्लेबाज फिलिप सॉल्ट (41) और जेनिथ लियानागे (51) ने शानदार बल्लेबाजी की लेकिन वह भी ज्यादा देर तक क्रीज में टिक नहीं पाए और आउट हो गए। दोनों बल्लेबाजों के आउट होने से मैच का रुख बदल गया और गाले ग्लेडियेटर्स ने नौ रन से मैच को जीत लिया। संक्षिप्त स्कोर: गाले ग्लेडियेटर्स 14 ओवर में 134/7 (कुसल मेंडिस 35, भानुका राजपक्षे 33य इमरान ताहिर 3/20) बीटी दांबुला जायंट्स 14 ओवर में 125/5 (फिल साल्ट 41, जेनिथ लियानागे 51य समित पटेल 2/24)।

महिला वनडे विश्व कप: भारत का पहला मैच छह मार्च को पाकिस्तान से

दुबई (एजेंसी) । भारत अगले साल चार मार्च से न्यूजीलैंड में शुरू होने वाले महिला वनडे विश्व कप में अपना पहला मैच चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान के खिलाफ खेलेगा। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने बुधवार को यह घोषणा की।

टूर्नामेंट का उद्घाटन मैच मेजबान न्यूजीलैंड और वेस्टइंडीज के बीच खेला जाएगा जिसके बाद दो महत्वपूर्ण मुकाबले होंगे जिसमें चिर प्रतिद्वंद्वी टीम आमने सामने होंगी। आस्ट्रेलिया पांच मार्च को हैमिल्टन में मौजूदा चौंपियन इंग्लैंड से भिड़ेगा जबकि भारत छह मार्च को टौरंगा में पाकिस्तान का सामना करेगा। टूर्नामेंट 31 दिन चलेगा जिसमें कुल 31 मैच खेले जाएंगे और आठ टीम प्रतिष्ठित विश्व कप ट्रापी पाने के लिये एक दूसरे का सामना करेंगी। टूर्नामेंट की मेजबानी छह शहर ऑकलैंड, क्राइस्टचर्च, डुनेडिन, हैमिल्टन, टौरंगा और वेलिंगटन करेंगे। आस्ट्रेलिया, इंग्लैंड, दक्षिण अफ्रीका और भारत ने आईसीसी महिला चौंपियनशिप 2017-20 में अपनी बेहतर स्थिति के आधार पर विश्व कप के लिये क्वालीफाई किया जबकि न्यूजीलैंड ने मेजबान होने के कारण टूर्नामेंट में स्वतः जगह बनायी। कोविड से जुड़ी अनिश्चितताओं के कारण महिला विश्व कप क्वालीफायर रद्द कर दिये जाने के बाद बांग्लादेश, पाकिस्तान और वेस्टइंडीज ने अपनी टीम रैंकिंग के आधार पर अंतिम तीन स्थान हासिल किये। टूर्नामेंट लीग प्रारूप में खेला जाएगा जिसमें प्रत्येक टीम एक दूसरे का सामना करेगी। आखिर में शीर्ष पर रहने वाली चार टीम सेमीफाइनल में प्रवेश करेंगी। पहला सेमीफाइनल 30 मार्च को वेलिंगटन के बेसिन रिजर्व में खेला जाएगा, जबकि क्राइस्टचर्च का हेगले ओवल 31 मार्च को दूसरे सेमीफाइनल और तीन अप्रैल को फाइनल की मेजबानी करेगा। सेमीफाइनल और फाइनल दोनों के लिये एक सुरक्षित दिन भी रखा गया है। महिलाओं की आखिरी वैश्विक प्रतियोगिता आस्ट्रेलिया में मार्च 2020 में टी20 विश्व कप के रूप में खेली गयी थी जिसमें मेजबान ने फाइनल में भारत को हराया था। भारतीय टीम विश्व कप से पहले न्यूजीलैंड का दौरा करेगी जिससे वह इस टूर्नामेंट के लिये अच्छी तैयारी कर पाएगी।

एशेज: एंडरसन बोले, भारत की तरह ऑस्ट्रेलिया में करेंगे वापसी

एडिलेड (एजेंसी) । इंग्लैंड के तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन ने गुरुवार से एडिलेड ओवल में शुरू होने वाले दूसरे एशेज टेस्ट से पहले अपनी टीम के खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ाते हुए कहा कि जिस तरह से इस साल की शुरुआत में भारत ने ऑस्ट्रेलिया में बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी 2-1 से जीतकर वापसी की थी, वैसे ही हम भी वापसी कर सकते हैं। ब्रिस्बेन टेस्ट में नौ विकेट से हारने के बाद इंग्लैंड पांच टेस्ट मैचों की सीरीज में 0-1 से पीछे

है। द टेलीग्राफ में एंडरसन ने बुधवार को लिखा, यहां भारत 36 रन पर ऑलआउट हो गया था, लेकिन फिर भी उन्होंने बेहतरीन वापसी की थी और सीरीज में जीत हासिल की। इसलिए हम जानते हैं कि यह संभव है। हमें कड़ी मेहनत के साथ बल्ले से की गई गलतियों को सुधारने की जरूरत होगी। एंडरसन ने कहा, हम जानते हैं कि हमने ब्रिस्बेन में अच्छा प्रदर्शन नहीं किया था और मैं केवल इतना कह सकता हूं कि इस बार चीजें अलग होंगी। हमारे पास संभावित रूप से विरोधी टीम की तुलना में बेहतर खिलाड़ी हैं, जिन्होंने हाल ही में ऑस्ट्रेलिया की यात्रा की है। हम जानते हैं कि हम क्या हासिल करने की कोशिश कर रहे हैं। हर कोई टीम में अपनी भूमिका जानता है और हम जानते हैं कि ऑस्ट्रेलिया को हरा सकते हैं। 39 वर्षीय खिलाड़ी ने पहला टेस्ट नहीं खेलने पर निराशा व्यक्त की। उन्होंने आगे कहा, पहला टेस्ट नहीं खेलना बहुत निराशाजनक था। जब मैंने पिच को देखा तो मैं गेंदबाजी के लिए उत्सुक था। ऐसे पिच पर एक सीमर के रूप में आप खेलना पसंद करेंगे।

इंग्लैंड बनाम ऑस्ट्रेलिया: एशेज सीरीज का दूसरा डे-नाइट टेस्ट आज से

एडिलेड (एजेंसी) । इंग्लैंड ने भले ही गुलाबी गेंद के टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया को मात न दी हो, लेकिन अब जो रूट की अगुवाई वाली इंग्लैंड टीम को पहला टेस्ट नौ विकेट से हारने की निराशा को दूर करते हुए उनको दूसरी टेस्ट में नई शुरुआत करनी होगी। टेस्ट एडिलेड ओवल में गुरुवार 16 दिसंबर से शुरू होगा। ऑस्ट्रेलिया द्वारा डे-नाइट टेस्ट में अब तक खेले गए सभी आठ मैचों में जीत का रिकॉर्ड सही है, जबकि इंग्लैंड ने अब तक खेले गए चार डे-नाइटस मैच में से एक में जीत हासिल की है और तीन में हार का सामना किया है। इंग्लैंड ने 2010 से 11 के बाद से ऑस्ट्रेलिया में एक भी टेस्ट नहीं जीता है। फिर भी इंग्लैंड टीम जीत की उम्मीद के साथ मैदान में उतरेगी क्योंकि जेम्स एंडरसन और स्टुअर्ट ब्रॉड ने 1100 से अधिक टेस्ट विकेट लिए हैं, वह अपने शानदार फार्म में हैं। वहीं, बल्लेबाजी की बीत करे तो जो रूट और डेविड मलान दोनों गाबा टेस्ट में अच्छी लय में थे, उन्होंने पारी में अर्धशतक लगाए थे। जबकि हसीब हमीद और ओली पोप ने भी अच्छी पारी खेली। ऑस्ट्रेलिया टीम के गेंदबाजी क्रम में जरूर एक झटका लगा है जिसमें हैजलवुड

चोट के कारण बाहर हो गए हैं। उनकी जगह झे रिचर्डसन को लाया गया है। हालांकि, वे भी एक बेहतरीन गेंदबाज हैं। इंग्लैंड पहले टेस्ट में पहली पारी की खराब शुरुआत से वह नौ विकेट से मैच हार गया था। हालांकि, दूसरी पारी में इंग्लैंड के बल्लेबाजों ने टीम को संभाला था लेकिन वह भी ज्यादा देर तक टिक नहीं पाए और सभी बल्लेबाज जल्दी-जल्दी आउट हो गए। अगर ऑस्ट्रेलिया की बात करें तो टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पहली पारी में 425 रन बनाए थे। पारी में वार्नर ने 94 रन और हेड ने 152 रन की शानदार बल्लेबाजी की थी। दूसरी पारी में 20 रन के लक्ष्य के साथ उतरी टीम ने आसानी से मैच जीत लिया था। ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस ने पुष्टि की है कि चोटिल हेजलवुड की जगह झे रिचर्डसन टीम में आएंगे, जिन्हें चोट के कारण बाहर रखा गया है। रिचर्डसन ने पिछले मैचों में 13.43 की औसत से 23 विकेट लिए हैं। वहीं, वार्नर भी टीम में खेलेंगे। ऑस्ट्रेलिया इलेवन: डेविड वार्नर, मार्कस हैरिस, मार्नस लाबुशेन, स्टीव स्मिथ, ट्रैविस हेड, कैमरन ग्रीन, एलेक्स केरी (विकेटकीपर), पैट कमिंस, मिशेल स्टार्क , झे रिचर्डसन, नाथन लियोन।

खेल मंत्री ठाकुर ने कोहली-रोहित के बीच समीकरण को लेकर अटकलों पर कहा, खेल से बड़ा कोई नही

नई दिल्ली (एजेंसी) । खेलो इंडिया अंडर-21 महिला हॉकी लीग लांच करने पहुंचे खेल मंत्री और पूर्व बीसीसीआई अध्यक्ष अनुराग ठाकुर से जब टेस्ट कप्तान विराट कोहली और सीमित ओवर के कप्तान रोहित शर्मा के बीच समीकरण को लेकर चल रही अटकलों के बारे में पूछा गया तो उन्होंने खुद को इस मामले से दूर रखने की कोशिश करते हुए कहा, ''कोई भी खेल से बड़ा नहीं है''।

ठाकुर मई 2015 से फरवरी 2017 तक भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के अध्यक्ष रह चुके हैं जिसके बाद उच्चतम न्यायालय के निर्देश के बाद उन्हें यह पद छोड़ना पड़ा था। उन्होंने टूर्नामेंट के लांच के मौके पर रोहित और कोहली के बीच समीकरण पर चल रही अटकलों पर सवाल पूछे जाने पर कहा, ''कोई भी खेल से बड़ा नहीं है। मैं आपको सूचना नहीं दे सकता हूं कि किस खिलाड़ी के बीच क्या चल रहा है और किस खेल में क्या चल रहा है। यह काम संबंधित महासंघ/संघ का है। इस मामले से निपटना संबंधित संघ का काम है। इसी तरह यह बेहतर होगा।

'' हैमस्ट्रिंग की चोट के फिर से उभरने के कारण टेस्ट उप कप्तान रोहित दक्षिण अफ्रीका में आगामी श्रृंखला में नहीं खेलेंगे और खबरें सामने आ रही हैं कि कोहली इस दौरे की वनडे श्रृंखला से ब्रेक लेंगे और अपने परिवार के साथ समय बितायेंगे। पिछले हफ्ते रोहित को

वनडे और टी20 अंतराष्ट्रीय टीमों की कप्तानी सौंपी गयी थी। खेलो इंडिया की नई पहल पर बात करते हुए ठाकुर ने कहा कि इससे पूरे देश भर में युवा खिलाड़ियों को अपना कौशल दिखाने का मौका मिलेगा और वे प्रोत्साहित होंगे।

उन्होंने कहा, ''किसी भी खिलाड़ी के लिये स्पर्धा और प्रतियोगिता काफी अहमियत रखती है और किसी बड़े टूर्नामेंट से पहले अगर देश में लीग शुरू कर दी जायें जिसमें खिलाड़ियों को खेलने का मौका मिले तो यह शानदार है। ''

खेल मंत्री ने कहा, ''इसलिये भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) ने महिलाओं की खेलो इंडिया हॉकी लीग अंडर-21 शुरू की। युवा महिला खिलाड़ियों को यह मौका प्रदान करने के लिये मैं हॉकी इंडिया और साइ को बधाई देता हूं। '' उन्होंने कहा, ''नकद पुरस्कार 15 लाख रूपये के होंगे और इसका मेजबानी स्थल ध्यानचंद राष्ट्रीय स्टेडियम 2015 के बाद से बड़े मैचों की मेजबानी कर रहा है। '' ठाकुर ने कहा कि इस तरह के टूर्नामेंट अन्य खेलों में भी कराये जाने चाहिए।

उन्होंने कहा, ''मुझे पूरा भरोसा है कि जब पूरे देश के खिलाड़ी इस लीग में खेलेंगे तो इससे सिर्फ हॉकी को ही बढ़ावा नहीं मिलेगा बल्कि क्षेत्रीय खिलाड़ियों को भी अपना कौशल दिखाने का मौका मिलेगा और इसमें से कुछ भविष्य में भारतीय टीम में भी जगह बनायेंगे। '' उन्होंने कहा, ''मुझे लगता है कि सिर्फ हॉकी में ही नहीं बल्कि अन्य खेलों में इस तरह के टूर्नामेंट आयोजित किये जाने चाहिए।

अमिताभ ने शाम कौशल को दी बहू कटरीना के घर आने की बधाई, विक्की कौशल ने जोड़े हाथ

अमिताभ बच्चन ने विक्की कौशल और कटरीना कैफ को शादी की बधाई दी है। हालांकि, न्यूलीवेड कपल को बधाई देते हुए अमिताभ ने विक्की कौशल के पिता शाम कौशल के साथ अपनी तस्वीर शेयर की है। इस तस्वीर के साथ उन्होंने शाम कौशल के बेटे-बहू के लिए बधाइयों के साथ-साथ उनकी भी तारीफकी है। विक्की कौशल और कटरीना कैफको इंडस्ट्री के फ्रेंड्स

और जानने वालों से लगातार बधाइयां मिल रही हैं। अमिताभ बच्चन ने भी दोनों सितारों को उनकी जिंदगी की नई शुरुआत के लिए शुभकामनाएं भेजी हैं और प्यार भरा एक पोस्ट किया है। अमिताभ बच्चन ने इस मौके पर विक्की के पिता शाम कौशल के साथ बिताए पलों को भी याद किया है। अमिताभ ने लिखा है, 'सेट पर विक्की कौशल के पिता और ऐक्शन डायरेक्टर शाम कौशल के साथ, उनके साथ काफी लंबे वक्त तक काम कर चुका हूं, बहुत ही विनम्र और प्यारे इंसान हैं वह, वधाइयां, वधाइयां, वधाइयां।' अमिताभ के इस पोस्ट पर विक्की कौशल ने फौरन रिप्लाई किया। उन्होंने हार्ट इमोजी के साथ नमस्ते करते हुए कहा- सर। बता दें कि विक्की और कटरीना कैफ ने राजस्थान के सवाई माधोपुर में शादी रचाई। दोनों 9 दिसम्बर को विवाह के पवित्र बंधन में बंधे और 10 दिसम्बर को वे अपने हनीमून ट्रिप पर निकल गए। चार दिन बाद मंगलवार को वे वापस लौट आए और फिलहाल कटरीना विक्की के साथ अपने ससुराल वाले घर में पहुंची हैं। **(एजेंसी)**

सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का पुरस्कार जीतने के बाद नेहा पेंडसे ने साझा किए अपने अनुभव

अभिनेत्री नेहा पेंडसे ने फिल्मों में अपनी शुरुआत और 19वें पुणे अंतरराष्ट्रीय फिल्म फेस्टिवल (पीआईएफएफ) में सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का पुरस्कार जीतने के अनुभव के बारे में बातचीत की। अभिनेत्री को मराठी फिल्म जून के लिए यह पुरस्कार मिला है। उन्होंने इस फिल्म की सफलता पर यह कहते हुए बताया यह देखना एक अद्भुत एहसास है कि फिल्म को दुनिया भर के दर्शकों और आलोचकों ने पसंद की है। जून फिल्म की यात्रा मेरे लिए एक अनुभव वाली यात्रा रही हैं। निखिल, सुहरुद और वैभव ने वास्तव में फिल्म में मेरी मदद की। मैं वास्तव में खुश हूं कि मेरे

दर्शक और आलोचक हमारी फिल्म का आनंद ले रहे हैं। जून सुहरुद गोडबोले और वैभव खिश्ती द्वारा निर्देशित और शार्दुल सिंह ब्यास, पवन मालू, निखिल महाजन और नेहा पेंडसे द्वारा बनाई गई एक मराठी फिल्म है। जून की सफलता के बाद अपनी आने वाली परियोजनाओं के बारे में पूछे जाने पर नेहा ने कहा मैं फिल्मों में और अधिक अनुभव प्राप्त करने के लिए आगे बढ़ना चाहती हूं। मेरी आगामी फिल्म रावसाहेब है। यह फिल्म एक्शन और ड्रामा से भरपूर मराठी फिल्मों में से एक है। हमें यकीन है कि दर्शक इस फिल्म में भी प्यार दिखाएंगे। नेहा ने हाल ही में एक नया रेस्टोरेंट लॉन्च किया है। जब उनसे किसी अन्य कार्यक्षेत्र के बारे में पूछा गया जिसमें वह कदम रख रही हैं या योजना बना रही हैं, तो उन्होंने कहा भविष्य में मैं स्टार्ट-अप और अन्य व्यवसायों में भी कदम रखने की योजना बना रही हूं। कुछ योजनाएं पहले से ही चल रही हैं। निखिल महाजन, जितेंद्र जोशी और नेहा पेंडसे की टीम जल्द ही अपने आगामी प्रोजेक्ट की शूटिंग के लिए जाने वाली है, जिसके बारे में अभिनेत्री ने अभी कोई जानकारी नहीं दी है। उन्होंने कहा निखिल और जितेंद्र अपने कार्य में सर्वश्रेष्ठ हैं और वे आज बेहतरीन फिल्म निमार्ताओं में से एक हैं। यह फिल्म निश्चित रूप से मनोरंजन से भरपूर होगी। **(एजेंसी)**

सुर्ख लाल बनारसी साड़ी, सिंदूर और मंगलसूत्र, शरमाती हुई अंकिता का रिसेप्शन वाला वीडियो छाया

'पवित्र रिश्ता' ऐक्ट्रेस अंकिता लोखंडे मंगलवार की रात अपने लॉन्ग टर्म बॉयफ्रेंड विक्की जैन के साथ शादी के बंधन में बंध गई। शादी के तुरंत बाद अंकिता लोखंडे और विक्की जैन ने अपनी शादी की रिसेप्शन पार्टी भी रखी। शादी के दौरान अंकिता गोल्डन लहंगे में नजर आई थीं, लेकिन रिसेप्शन में वह लाल बनारसी पहनकर विक्की का हाथ थामे अपने मेहमानों के बीच पहुंचीं। अंकिता लोखंडे की रिसेप्शन पार्टी के कई वीडियोज भी सामने आए हैं। इन सभी वीडियोज के बीच एक वीडियो सबका ध्यान खींच रहा है। इस वीडियो में नई-नई दुल्हन बनीं अंकिता शरमाती हुए विक्की जैन का हाथ थामे मेहमानों के सामने आगे बढ़ती नजर आ रही हैं। इस वीडियो में अंकिता लाल रंग की बनारसी साड़ी, मांग में सिंदूर और गले में मंगलसूत्र में नजर आ रही हैं। इस रिसेप्शन पार्टी के कई वीडियोज सामने आए हैं। इन झलकियों में अपने दूल्हे विक्की जैन और दोस्तों के साथ अंकिता मस्ती करती नजर आ रही हैं। अंकिता का यह वीडियो भी काफी चर्चा में हैं, जिसमें शादी के दौरान वह इमोशनल नजर आती हैं और विक्की के गले से लग जाती हैं। इससे पहले अंकिता की शादी और सात फेरे वाले कुछ वीडियोज भी इंटरनेट पर खूब छाए रहे। अंकिता लोखंडे ने अपनी शादी पर खूब जमकर मस्ती की है और इस एक-एक पल को उन्होंने इंजॉय किया है। पिछले दिनों अपने प्री वेडिंग फंक्शन मेहंदी, संगीत और सगाई पर भी अंकिता ने खूब मस्ती की, जिसका वीडियो काफी सुर्खियों में छाया रहा था।

शुभ लाभ में मास्टरशेफकी भूमिका निभाएंगे आशीष कपूर

अभिनेता आशीष कपूर शुभ लाभ - आपके घर में के अपकमिंग एपिसोड में मास्टरशेफ की भूमिका निभाते हुए नजर आने वाले हैं। उन्होंने अपनी भूमिका को लेकर बात की। शो में प्रवेश करने पर, आशीष ने कहा कि नए अनुभव हमेशा रोमांचक होते हैं, क्योंकि यह विभिन्न पात्रों को तलाशने के अवसर देते हैं। यह वास्तव में विशेष है, क्योंकि मैं टेलीविजन पर पहली बार शेफ का किरदार कर रहा हूं और मैं यह देखने के लिए तैयार हूं कि आने वाले एपिसोड में यह कैसा होगा। ये रिश्ता क्या कहलाता है के अभिनेता ने आगे साझा किया कि कैसे शो में उनकी प्रविष्टि आने वाले एपिसोड में बदलाव लाएगी और साथ ही उनका ऑन-स्क्रीन चरित्र सुनील मुख्य नायक सविता (गीतांजलि टिकेकर द्वारा अभिनीत), वैभव (गीतांजलि टिकेकर द्वारा अभिनीत) के बेटे की खाना पकाने के अपने असली जुनून का एहसास दिलाने में मदद करेगा। उन्होंने कहा, शुभ लाभ पर मेरा किरदार वैभव को उनकी प्रतिभा का एहसास करने और शेफ बनने के अपने सपने को पूरा करने में मदद करेगा और इसके बाद दोनों के बीच एक बहुत ही रोमांचक कुक-ऑफ होगा। (एजेंसी)

हरनाज संधू

को स्टेज पर बनना पड़ा बिल्ली, अजीब सिचुएशन को यूं किया हैंडल

हरनाज कौर मिस यूनिवर्स 2021 ताज भारत के सिर पर सजा चुकी हैं। ब्यूटी पैजेंट के कुछ वीडियो अभी भी सोशल मीडिया पर चर्चा में हैं। हरनाज के जीतने के बाद उनके सवाल-जवाब राउंड के चर्चे

रहे थे। अब एक वीडियो ट्विटर पर छाया है। इसमें हरनाज स्टेज पर बिल्ली की तरह म्याऊं-म्याऊं करती दिख रही हैं। दरअसल होस्ट स्टीव हार्वे ने हरनाज से एनीमल इम्प्रेशन करने को कहा। हरनाज एक सेकंड के लिए दंग रह गईं लेकिन उन्होंने बहुत खूबसूरती से ये ऐक्ट किया। पूरी दुनिया के सामने हरनाज ऐसा करते वक्त हरनाज का कॉन्फिडेंस देखने लायक है। वहीं होस्ट स्टीव को ऐसा करवाने के लिए ट्रोल भी किया जा रहा है। ब्यूटी कॉन्टेस्ट में सुंदरता ही नहीं बल्कि आपका प्रजेंस ऑफ माइंड, आत्मविश्वास और चीजों को देखना का नजरिया भी आपको विजेता बनाता है। यह बात असल जिंदगी में भी लागू होती है। भारत की हरनाज कौर जब मिस यूनिवर्स कॉन्टेस्ट के मंच पर थीं तो उनके सामने भी एक ऐसी सिचुएशन आई। पैजेंट होस्ट कर रहे स्टीव हार्वे ने हरनाज से कहा, मैंने सुना है कि आप जानवरों की नकल काफी अच्छी तरह उतार लेती हैं, चलिए आपका बेस्ट सुनते हैं। हरनाज बस एक सेकंड के लिए चौंकी फिर आत्मविश्वास के साथ जवाब दिया, हे भगवान, स्टीव! मैं ऐसा वर्ल्ड स्टेज पर करने की उम्मीद नहीं कर रही थी।

अनुराग कश्यप ने की अपनी अगली फिल्म की घोषणा, लीड रोल में होंगी कृति सेनन

फिल्ममेकर अनुराग कश्यप ने अपनी अगली फिल्म की घोषणा सोशल मीडिया पर कर दी है। अनुराग की अगली फिल्म में बॉलिवुड ऐक्ट्रेस कृति सेनन लीड रोल में नजर आने वाली हैं। अनुराग कश्यप अभी तापसी पन्नू के साथ फिल्म 'दोबारा' बना रहे हैं। अनुराग की 'दोबारा' स्पैनिश भाषा की एक फिल्म का हिंदी अडैप्टेशन होगी। अनुराग ने अपनी तस्वीर शेयर की है जिसमें वह कुछ लिखते हुए नजर आ रहे हैं। इस तस्वीर के साथ उन्होंने इंस्टाग्राम पर लिखा, 'एक और स्क्रिप्ट... एक और फिल्म... निखिल द्विवेदी और कृति सेनन जल्द शुरू होगी।' निखिल द्विवेदी ने भी अपने सोशल

मीडिया अकाउंट पर इस फिल्म की घोषणा कर दी है। फिल्म में कृति सेनन लीड रोल में होंगी, इस जानकारी के अलावा कुछ भी शेयर नहीं किया गया है। कृति सेनन की बात करें तो पिछली बार वह फिल्म 'मिमी' में लीड रोल में नजर आई थीं। इस फिल्म में उनकी ऐक्टिंग की काफी सराहना की गई थी। अब कृति जल्द ही अक्षय कुमार के साथ 'बच्चन पांडे', प्रभास के साथ 'आदिपुरुष', वरुण धवन के साथ 'भेड़िया', टाइगर श्रॉफके साथ 'गणपत' और कार्तिक आर्यन के साथ 'शहजादा' में नजर आने वाली हैं। **(एजेंसी)**

वाणी कपूर को उम्मीद है कि चंडीगढ़ करे आशिकी ट्रांसजेंडर चरित्रों के लिए नए रास्ते बनाएगी

चंडीगढ़ करे आशिकी में एक ट्रांस-वुमन की भूमिका निभाने वाली वाणी कपूर को उम्मीद है कि यह फिल्म स्क्रीन पर ट्रांसजेंडर समुदाय के भविष्य के प्रतिनिधित्व को मजबूत करेगी। वाणी को उम्मीद है कि कोई भी सीआईएस-हेट अभिनेता कभी भी पर्दे पर एक ट्रांस चरित्र नहीं निभाएगा, जो कि ट्रांस अभिनेताओं से संबंधित है। अभिनेत्री का कहना है, जब चंडीगढ़ करे आशिकी मेरे पास आई, तो मुझे स्क्रिप्ट से प्यार हो गया, क्योंकि यह संवेदनशील रूप से समावेश की आवश्यकता के बारे में बात करती थी। अपने निर्देशक की प्रशंसा करते हुए, वह कहती हैं कि अभिषेक कपूर को एक ऐसी फिल्म बनाने

के लिए सलाम जो लोगों के लिए सुलभ हो और देश के हर हिस्से में हर इंसान से अपील कर सके। हमें पहले लोगों को ऐसी फिल्में देखने के लिए आकर्षित करना होगा ताकि वे इस पर विचार कर सकते हैं कि हम क्या कहने की कोशिश कर रहे हैं। मेरा मानना है कि यह बड़े पैमाने पर समाज को बदलने में मदद कर सकती है। **(एजेंसी)**

प्रदीप पांडेय चिंटू और आम्रपाली दुबे की फिल्म 'लव विवाह.कॉम' का फर्स्ट लुक रिलीज

भोजपुरी सिनेमा के चॉकलेटी हीरो प्रदीप पांडेय चिंटू और अभिनेत्री आम्रपाली दुबे की आने वाली फिल्म 'लव विवाह.कॉम' का फर्स्ट लुक रिलीज हो गया है। रत्नाकर कुमार प्रस्तुत वर्ल्ड वाइड प्रोडक्शन की फिल्म 'लव विवाह. कॉम' का फर्स्ट लुक रिलीज हो गया है। इसमें प्रदीप पांडेय चिंटू और आम्रपाली दुबे एक साथ नजर आ रही हैं। पहली बार चिंटू और आम्रपाली एक साथ एक बड़ी फिल्म में रोमांस करते नजर आएंगे। फिल्म 'लव विवाह.कॉम' का निर्देशन पटना से पाकिस्तान एवं मेहंदी

लगा के रखना जैसी सफल फिल्में देने वाले अनंजय रघुराज कर रहे हैं। अनंजय ने ही इस फिल्म की कहानी लिखी है। अनंजय रघुराज ने बताया कि 'लव विवाह.कॉम' एक बेहतरीन सामाजिक फिल्म है। हमने मेहंदी लगा के रखना से सार्थक सिनेमा की शुरुआत की थी ,जिसे दर्शकों ने खूब पसंद किया था। उसी जॉनर की यह फिल्म होगी, जो हर वर्ग को सिनेमाघरों में लेकर आएगी। खास कर हमारी फिल्म लोग आने पूरे परिवार के साथ मिलकर देख पाएंगे। इसकी भव्यता इतनी शानदार होने वाली है, जो अब तक भोजपुरी में नहीं देखा गया है। गौरतलब है कि फिल्म 'लव विवाह.कॉम' के निर्माता प्रदीप सिंह, प्रतीक सिंह और कोमल जी हैं। सह निर्माता पदम् सिंह हैं। संगीत रजनीश मिश्रा का है और गीत श्याम देहाती, राजेश मिश्रा और आजाद सिंह का है। डीओपी बासु, एक्शन दिलीप यादव और कोरियोग्राफर कानू मुखर्जी हैं। **(एजेंसी)**

नसीरुद्दीन शाह, लारा दत्ता और सोहा अली खान के साथ जी5 ने किया नये शो कौन बनेगी शिखरवती का एलान

ओटीटी कंटेंट निर्माण के क्षेत्र में बुधवार को एक नई पार्टनरशिप का एलान हुआ। ओटीटी प्लेटफॉर्म 'द्दद्द5 ने चर्चित प्रोडक्शन हाउस अप्लॉज एंटरटेनमेंट, एमे एंटरटेनमेंट और आईपी स्टूडियो से हाथ मिलाया है और इस पार्टनरशिप की पहली पेशकश है- कौन बनेगी शिखरवती। इस कॉमेडी वेब सीरीज में वेटरन एक्टर नसीरुद्दीन शाह और रघुबीर यादव के साथ लारा दत्ता, सारा अली खान, कृतिका कामरा, अन्या सिंह, साइरस साहूकार, वरुण ठाकुर और अनुराग सिन्हा मुख्य किरदारों में नजर आएंगे। शो का निर्देशन गौरव चावला और अनन्या बनर्जी ने किया है। कौन बनेगी शिखरवती की कहानी एक शाही परिवार के सदस्यों के बिगड़े संबंधों पर आधारित है। शो में नसीरुद्दीन शाह एक राजा की भूमिका निभा रहे हैं, जबकि लारा, सोहा, कृतिका कामरा और अन्या सिंह उनकी बेटियों की भूमिका निभाते हुए नजर आएंगी। वेब सीरीज जनवरी 2022 में जी5 पर स्ट्रीम की जाएगी।

अप्लॉज एंटरटेनमेंट ने क्रिमिनल जस्टिस, होस्टेजेज, योर ऑनर और स्कैम 1992 जैसे चर्चित शोज का निर्माण किया है, जो विभन्न ओटीटी प्लेटफॉर्म्स पर रिलीज हुए और खूब पसंद किये गये। जी5 के साथ उनका यह पहला एसोसिएशन है। जी5 ने इससे पहले टीवीएफ (द वायरल फीवर), अश्विनी अय्यर तिवारी और नितेश तिवारी और रेड चिलीज एंटरटेनमेंट के साथ पार्टनरशिप करके शोज और फिल्मों का निर्माण किया। जी5 ने शेयर वेब सीरीज का टीजर शेयर किया है, जिसमें सभी किरदारों को इंट्रोड्यूस करवाया गया है। जी5 की क्रिएटव ऑफिसर निमिषा पांडे ने कहा, हम अप्लॉज एंटरटेनमेंट के साथ साझेदारी में विविध कंटेंट के अपने मौजूदा कैटेलॉग में प्रीमियम ओरिजिनल लाने के लिए उत्साहित हैं। विविध विधाओं में आकर्षक कंटेंट बनाने में उनकी विशेषज्ञता के साथ, हम निश्चित रूप से एक साथ कुछ रोमांचक और आकर्षक शो बनाएंगे। हमें इस रचनात्मक सहयोग से पहली बार कौन बनेगी शिखरवती पेश करते हुए खुशी हो रही है। महामारी के बाद के दौर में फैमिली-व्यूइंग कंटेंट की बढ़ती मांग कौन बनेगा शिखरवती जैसा बहुआयामी शो उस पहलू में खूबसूरती से काम करता है। **(एजेंसी)**

उर्फी जावेद ने किया कुछ ऐसा ट्रोल्स बताने लगे प्रियंका चोपड़ा की कॉपी, बिग बॉस ओटीटी कंटेस्टेंट ने दिया यह जवाब

उर्फी जावेद अक्सर अपने स्टाइल स्टेटमेंट और अजब-गजब फैशन सेंस के लिए चर्चा में रहती हैं और खूब ट्रोल भी होती हैं, मगर इस बार उर्फी ने पलटकर वार किया है और ट्रोलिंग करने वालों को करारा जवाब दिया है।

ट्रोल्स उर्फी के चोटी लुक को लेकर कमेंट कर रहे थे और उन्हें प्रियंका चोपड़ा की सस्ती कॉपी कह रहे थे। इस पर उर्फी ने एक इंस्टाग्राम पोस्ट के साथ जवाब दिया है। हाल ही में प्रियंका चोपड़ा ने इंस्टाग्राम पर अपना एक लुक शेयर किया, जिसमें वो एक लम्बी-सी चोटी बांधे हुए नजर आ रही हैं। प्रियंका ने इस तस्वीर के साथ बताया कि उन्होंने मैट्रिक्स रिसरेक्शंस का प्रमोशन शुरू कर दिया है और प्रेस से मीटिंग के पहले दिन इस अंदाज में दिखायी दीं। प्रियंका इस तस्वीर के बाहर आने के बाद उर्फी जावेद भी मुंबई की सड़कों पर पैपराजी से घिरी दिखीं, जिसमें उन्होंने ऐसे की एक चोटी बांधी हुई थी। प्रियंका को चोटी में देख चुके सोशल मीडिया यूजर्स को लगा कि उर्फी ने अब प्रियंका चोपड़ा को कॉपी करते हुए ब्रेड लुक अपनाया है। उर्फी न कुछ दिन पहले एक वीडियो ऐप पर एक वीडियो पोस्ट किया था, जिसमें पूर्व बिग बॉस ओटीटी कंटेस्टेंट अंतरराष्ट्रीय सिंगर एक्टर रिहाना का मेट गाला लुक कॉपी करते हुए नजर आयी थीं। हालांकि, उर्फी ने रिहाना जैसा लुक अपनाने के लिए अपने बदन पर सिल्वर फॉइल लपेट ली थी। इस वीडियो के लिए उर्फी की खूब ट्रोलिंग हुई थी। इसीलिए, उर्फी को अब चोटी में देख यूजर्स को लगा कि उन्होंने अब प्रियंका चोपड़ा को कॉपी किया है। हालांकि, उर्फी इस बार चुप नहीं बैठीं और इंस्टाग्राम स्टोरी में एक पोस्ट के जरिए ट्रोल्स की क्लास लगायी। उर्फी ने चोटी में अपनी एक पुरानी तस्वीर शेयर करके लिखा- यह फोटो 4 महीने पहले खींची गयी थी। मैं प्रियंका की कॉपी कैसे हो सकती हूं, जबकि मैं अपनी ही हेयरस्टाइल दोरहा रही हूं। फर्क इतना है कि मेरे बाल अब ज्यादा लम्बे हैं। बताइए कैसे? चोटी बांधना बहुत सामान्य बात है। अगर चोटी बांधकर रखना किसी को नकल करना है तो पूरी दुनिया गुनहगार है। उम्मीद है कि उर्फी के इस जवाब से उनके ट्रोल्स संतुष्ट होंगे। **(एजेंसी)**

अबू धाबी में आईफा 2022 की मेजबानी करेंगे सलमान खान

अंतर्राष्ट्रीय भारतीय फिल्म अकादमी वीकेंड एंड अवार्डस का 22 वां संस्करण 18 मार्च और 19 मार्च, 2022 को यास द्वीप, अबू धाबी में एतिहाद एरिना में आयोजित किया जाएगा। अवॉर्ड नाइट की मेजबानी सुपरस्टार सलमान खान करेंगे। सिनेमाई उत्कृष्टता का जश्न मनाने और उसकी सराहना करने के अलावा, संस्कृति और पर्यटन विभाग - अबू धाबी (डीसीटी अबू धाबी) के सहयोग से आयोजित पुरस्कार भारत की स्वतंत्रता के 75 वें वर्ष और संयुक्त अरब अमीरात के साल भर चलने वाले स्वर्ण जयंती समारोह को भी चिह्नित करेंगे। 50 वीं वर्षगांठ, और भारत और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के बीच सांस्कृतिक संबंधों को मजबूत करती है, क्योंकि इसमें दुनिया भर के वैश्विक गणमान्य व्यक्ति, प्रशंसक और फिल्म उत्साही शामिल होंगे। बहुप्रतीक्षित पुरस्कारों के बारे में बात करते हुए, इवेंट होस्ट

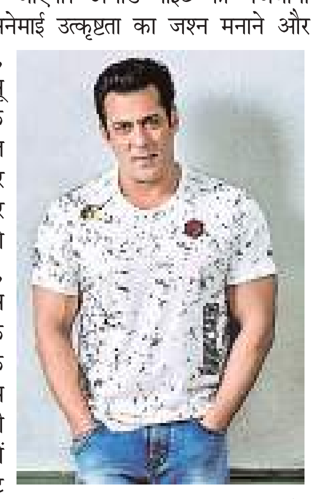

सलमान खान ने कहा कि मैंने हमेशा आईफा परिवार का हिस्सा होने और कुछ बेहतरीन स्थलों की यात्रा करने का आनंद लिया है, लेकिन इस साल मैं बहुत खुश हूं कि हम अपने निजी पसंदीदा में से एक, यास द्वीप, अबू धाबी की ओर बढ़ रहे हैं। सलमान ने कहा कि आईफा हमेशा एक यादगार समय होता है और इस साल यह और भी बड़ा उत्सव होगा क्योंकि हम भारत की आजादी का 75 वां वर्ष और संयुक्त अरब अमीरात की 50 वीं वर्षगांठ-स्वर्ण जयंती समारोह मना रहे हैं। **(एजेंसी)**